Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 11
अंक : 30
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
शुक्रवार, 06 फरवरी, 2026

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

3 'शोक अवधि के बाद एनसीपी विलय पर ...

4 ईरान की त्रासदी से सोशल मीडिया तक...

7 टी20 विश्व कप में पाकिस्तान की मैच ...

संक्षिप्त न्यूज

कर्नाटक विधानसभा में वीबी-जी राम जी पर संग्राम कांग्रेस ने नए अधिनियम के खिलाफ पारित किया प्रस्ताव

बेंगलुरु **(एजेंसी)**। कर्नाटक सरकार ने बुधवार को केंद्र सरकार के एमजीएनआरईजीए को निरस्त करने और उसके स्थान पर वीबी-जी राम जी अधिनियम लागू करने के फैसले का विरोध करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया। इस बीच, भारतीय जनता पार्टी और जनता दल (एस) के सदस्यों ने विधानसभा और विधानसभा परिषद से वॉकआउट किया। यह प्रस्ताव 75 सदस्यीय उच्च सदन में पारित हुआ, जहां विपक्ष का एक भी सदस्य उपस्थित नहीं था क्योंकि उन्होंने आधिकारिक तौर पर कार्यवाही का बहिष्कार किया था और सदन से बाहर चले गए थे।

कानून और संसदीय कार्य मंत्री एच.के. पाटिल, ग्रामीण विकास और जनसंपर्क एवं सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी मंत्री प्रियांक खरगे और के. शिव कुमार जैसे सदस्यों ने इस बात पर जोर दिया कि यह विधेयक राज्यों पर 40इ का बोझ डालकर, रोजगार गारंटी को सीमित करके और केंद्र को कार्यों के प्रकार, वित्तपोषण और कार्यान्वयन क्षेत्रों के निर्धारण में अधिक शक्तियां प्रदान करके संघवाद को कमजोर करता है।

विधानसभा अध्यक्ष यू.टी. खादर और विधान परिषद अध्यक्ष बसवराज होरट्टी ने क्रमशः विधानसभा में प्रस्ताव पर मतदान कराया और घोषणा की कि वीबी-जी-राम जी अधिनियम का विरोध करने वाला प्रस्ताव दोनों सदनों द्वारा पारित कर दिया गया है, क्योंकि मतदान सत्तारूढ़ कांग्रेस सरकार के पक्ष में हुआ। प्रस्ताव पारित होने के बाद, दोनों सदनों ने कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी।

राज्यसभा में गरजे पीएम मोदी

बोले- 'देश Reform Express पर सवार, अब हमें रुकना नहीं है'

नई दिल्ली। लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण को स्थगित किए जाने के एक दिन बाद, गुरुवार को राज्यसभा में राष्ट्रपति नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव का जवाब देना शुरू किया। विपक्षी सांसदों ने जमकर नारेबाजी की। प्रधानमंत्री के अभिभाषण शुरू होते ही कई विपक्षी नेताओं ने 'एलओपी को बोलने दो' और 'तनशाही नहीं चलेगी' जैसे नारे लगाने शुरू कर दिए। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे पर कटाक्ष करते हुए, पीएम मोदी ने उनकी उम्र को देखते हुए उन्हें बैठकर नारे लगाने का आग्रह किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि खरगे जी की उम्र को देखते हुए, मैं आपसे, अध्यक्ष महोदय, निवेदन करता हूं कि उन्हें बैठकर नारे लगाने की अनुमति दें ताकि उन्हें कोई असुविधा न हो। पीछे युवा लोग बैठे हैं। इसलिए, कृपया खरगे जी को बैठे-बैठे भी नारे लगाने की अनुमति दें। मोदी ने कहा कि विकसित भारत की यात्रा में, बीते वर्ष देश के तीव्र विकास के वर्ष रहे हैं। यह जीवन के हर क्षेत्र में, समाज के हर वर्ग में बदलाव का युग रहा है। देश सही दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने

कहा कि 21वीं सदी का पहला चौथाई भाग पूरा हो चुका है। लेकिन यह दूसरा चौथाई भाग उतना ही निर्णायक है जितना पिछली सदी में भारत के स्वतंत्रता संग्राम का दूसरा चौथाई भाग था। मैं स्पष्ट रूप से देख सकता हूँ कि विकसित भारत के निर्माण की दिशा में यह दूसरा चौथाई भाग भी उतना ही सक्षम साबित होगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि राष्ट्रपति जी ने इस देश के मध्यम वर्ग, निम्न मध्यम वर्ग, गरीब, गांव, किसान, महिलाएं, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, कृषि... सभी विषयों को विस्तार से रखते हुए भारत की प्रगति का एक स्वर संसद में गूंजाया है। देश के नौजवान भारत के सामर्थ्य को कैसे आगे बढ़ा रहे हैं, इसकी भी विस्तार से चर्चा की है। हर वर्ग के सामर्थ्य को उन्होंने शब्दांकित किया है। इतना ही नहीं, उन्होंने भारत के उज्ज्वल भविष्य के प्रति एक विश्वास व्यक्त किया है। ये हम सभी के लिए प्रेरक है। आज राष्ट्र का हर व्यक्ति ये महसूस कर रहा है कि हम एक अहम पड़ाव पर पहुंच चुके हैं। अब हमें न रुकना है, न पीछे मुड़कर देखना है। हमें तेज गति से चलना है और लक्ष्य प्राप्त करके ही आगे बढ़ना है। उसी दिशा में हम आगे बढ़ रहे हैं।

मोदी ने कहा कि सबसे बड़ी बात विश्व के समृद्ध से समृद्ध देश भी बुजुर्ग होते जा रहे हैं। वहां की आबादी उम्र के उस पर पड़ाव पर पहुंची है, हम जिन्हें बुजुर्ग के रूप में जानते हैं। हमारा देश ऐसा है जो विकास की नई ऊंचाइयां छू रहा है, उसी समय दिनोंदिन हमारा देश युवा होता जा रहा है। युवा आबादी वाला देश है। उन्होंने कहा कि जिस तरह भारत के प्रति विश्व का आकर्षण बढ़ा है, उसमें भी विश्व, भारत के टैलेंट का माहत्म्य समझ रहा है। आज हमारे पास दुनिया का बहुत ही महत्वपूर्ण युवा टैलेंट पुल है, जिसके पास सपने भी हैं, संकल्प भी है और सामर्थ्य भी है। शक्ति का आशीर्वाद हमारे साथ है। भारत आज विश्व में जो चुनौतियां पैदा हो रही हैं, उन चुनौतियों का समाधान देने वाला देश बना हुआ है।

उन्होंने कहा कि आज मेजर इकोनॉमी में भारत की ग्रोथ बहुत हाई है। हाई ग्रोथ और लो इंफ्लेशन, ये एक यूनिक संयोग है।

ममता सरकार को बड़ा झटका

सुप्रीम कोर्ट ने जारी किया कर्मचारियों को 10 साल का बकाया डीए देने का आदेश

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। पश्चिम बंगाल सरकार को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। कोर्ट ने निर्देश दिया है कि राज्य सरकार अपने कर्मचारियों को साल 2009 से 2019 तक का बकाया महंगाई भत्ता (डीए) जारी करे। कोर्ट ने कहा है कि मार्च तक यह राशि कर्मचारियों तक पहुंचा दी जाए। कोर्ट ने इसे कर्मचारियों का वैधानिक अधिकार करार दिया है। लाइव लॉ की रिपोर्ट के अनुसार जस्टिस संजय करोल और जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा ने कहा कि एक बार वैधानिक नियमों के अनुसार ऑल इंडिया कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स (एआईसीपीआई) के तहत महंगाई भत्ते की गणना होने के बाद राज्य सरकार ज्ञापन के जरिए इसकी गणना में बदलाव नहीं कर सकता है।

सुप्रीम कोर्ट ने भुगतान की प्रक्रिया निर्धारित करने के लिए पूर्व जस्टिस इंदू मल्होत्रा की अध्यक्षता में एक स्पेशल कमेटी बनाई है। कमेटी में हाईकोर्ट के दो रिटायर्ड मुख्य न्यायाधीश और कैग के वरिष्ठ अधिकारी शामिल होंगे। कोर्ट ने राज्य सरकार की अपील पर यह फैसला सुनाया है। राज्य सरकार ने पिछली उन कानूनी हारों के खिलाफ याचिक दाखिल की थी, जिनमें कर्मचारियों के पक्ष में फैसला सुनाया गया।

सुप्रीम कोर्ट ने कलकत्ता हाईकोर्ट के उस फैसले को आंशिक रूप से बरकरार रखा है, जिसमें बंगाल सरकार को रिवीजन ऑफ पे एंड अलाउंसेज रूल्स (आरओपीए) में मौजूद एआईसीपीआई के तहत गणना करके महंगाई भत्ता देने का निर्देश दिया गया था। कोर्ट ने कहा कि आरओपीए नियमों के तहत परिलब्धियों की गणना के लिए डीए अनिवार्य है। कोर्ट ने राज्य सरकार की उन दलीलों को भी खारिज कर दिया, जिनमें वित्तीय क्षमता का हवाला देकर भत्ते से इनकार कर किया गया था। यह विवाद साल 2008 में पांचवें वेतन आयोग के बाद बने बंगाल के आरओपीए रूल्स, 2009 के तहत राज्य के सरकारी कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में देरी से जुड़ा है। साल 2016 में कई एंप्यूलॉई यूनियंस ने पश्चिम बंगाल प्रशासनिक न्यायाधिकरण में शिकायत दर्ज कराई थी।

दिल्ली प्रदूषण पिछली सरकारों की देन, अब बनेगी दीर्घकालिक रणनीति : मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

नई दिल्ली । दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने राजधानी में बढ़ते प्रदूषण संकट के लिए पिछली सरकारों, विशेषकर आम आदमी पार्टी की सरकार, की अल्पकालिक नीतियों और लापरवाही को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ऑड-ईवन जैसे अस्थायी उपायों के बजाय दीर्घकालिक और व्यापक रणनीति पर काम कर रही है।

समाचार एजेंसी एएनआई को दिए गए विशेष साक्षात्कार में मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली में वायु प्रदूषण और यमुना नदी का प्रदूषण पिछली सरकारों की वर्षों की उपेक्षा का परिणाम है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जीआरएपी, ऑड-ईवन व्यवस्था, कृत्रिम वर्षा और एंटी-स्मॉग गन जैसे उपाय कभी भी स्थायी समाधान नहीं थे, बल्कि केवल तात्कालिक राहत देने के लिए अपनाए गए थे।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा, 'अगर हम प्रदूषण को सिर्फ इस नजरिए से देखें कि हवा साफ होनी चाहिए, तो परिणाम नहीं मिलेंगे। धूल, हवा और पानी–तीनों पर एक साथ और समग्र दृष्टिकोण से काम करना होगा।'

विपक्ष की आवाज दबाने का आरोप, जयराम रमेश बोले- राहुल को नहीं बोलने दिया तो सदन नहीं चलेगा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने गुरुवार को चेतावनी दी कि अगर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को 2020 में चीन के साथ हुए गतिरोध पर संसद में अपनी बात रखने की अनुमति नहीं दी गई तो सदन के चलने की संभावना बहुत कम रह जाएगी। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने कहा कि संसद में केवल एक ही मुद्दा है जो विपक्ष को परेशान कर रहा है, और वह यह है कि लोकसभा में विपक्ष के नेता को बोलने से रोका गया है। राज्यसभा में विपक्ष के नेता ने भी यही मुद्दा उठाया। राज्यसभा में विपक्षी सांसद भी आज इसी मुद्दे पर सदन से बाहर चले गए।

रमेश ने आगे कहा कि सभी विपक्षी दल इस बात पर एकमत हैं कि अगर लोकसभा सांसद को बोलने नहीं दिया गया, तो सदन के चलने की संभावना बहुत कम है। कांग्रेस ने संसद में कई मुद्दे उठाए हैं, जिनमें से एक प्रमुख मुद्दा पूर्वी लद्दाख में 2020 के चीन गतिरोध पर एमएम नरवणे के अप्रकाशित संस्मरण से जुड़ा है। कांग्रेस का कहना है कि लोकसभा सांसद राहुल गांधी को पूर्व सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे (सेवानिवृत्त) के उद्धरण देने से कई बार 'रोका' गया। भाजपा नेताओं ने बचाव में

कहा कि यह सदन के नियमों का उल्लंघन है और इससे सशस्त्र बलों का मनोबल गिरने का खतरा है।

संसद में लगातार हो रही बाधाओं के बीच, प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव में भाग न लेने का फैसला किया। जयराम रमेश ने याद दिलाया कि जून 2004 में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने धन्यवाद प्रस्ताव में इसलिए भाग नहीं लिया था क्योंकि उन्हें जवाब देने से रोका गया था। उन्होंने आगे कहा कि मनमोहन सिंह ने 2005 में राष्ट्रपति को दो बार धन्यवाद दिया था। उन्होंने कहा कि मैं प्रधानमंत्री और भाजपा को याद दिलाना चाहता हूं कि जून 2004 में तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने धन्यवाद प्रस्ताव का जवाब इसलिए नहीं दिया था क्योंकि उन्हें जवाब देने से रोका गया था। 2005 में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने राष्ट्रपति को दो बार धन्यवाद दिया था, क्योंकि वे 2004 में धन्यवाद नहीं दे पाए थे। बुधवार शाम 5 बजे राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर प्रधानमंत्री मोदी के जवाब की उम्मीद थी। लेकिन विपक्षी सदस्यों द्वारा बार-बार व्यवधान डालने और नारेबाजी करने के बाद, अध्यक्ष ने लोकसभा स्थगित कर दी।

रूस से तेल खरीद, अमेरिकी टैरिफ, व्यापार समझौते, यूएस- ईरान वार्ता संबंधी सवालों के एमईए ने दिये जवाब

नई दिल्ली। भारत ने आज कहा कि अपने 1.4 अरब लोगों के लिए ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना उसकी शीर्ष प्राथमिकता है और पेट्रोलियम उत्पादों की खरीद को लेकर उसका नजरिया मुख्य रूप से इसी बात पर आधारित है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने साप्ताहिक प्रेसवार्ता में ये टिप्पणियां अमेरिका के इस दावे के जवाब में कीं कि भारत रूसी तेल खरीदना बंद करने पर सहमत हो गया है। जायसवाल ने कहा, ''जहां तक भारत की ऊर्जा खरीद का सवाल है, सरकार ने कई मौकों पर सार्वजनिक रूप से कहा है कि 1.4 अरब भारतीयों की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की शीर्ष प्राथमिकता है।'' उन्होंने कहा, ''बाजार की स्थितियों और बदलती अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के हिसाब से अपनी ऊर्जा खरीद में विविधता लाना, हमारी रणनीति का मुख्य हिस्सा है। भारत के सभी कदम इसी बात को ध्यान में रखकर उठाए जाते हैं और भविष्य में भी इसका अनुसरण किया जाएगा।''

जायसवाल ने यह भी रेखांकित किया कि ऊर्जा स्रोतों का विविधीकरण भारत

की स्थायी नीति है। यानी भारत एक ही देश पर निर्भर रहने की बजाय कई विकल्प खुला रखता है ताकि आपूर्ति, कीमत और रणनीतिक संतुलन बना रहे। यह बयान अपने आप में उन सभी अटकलों पर प्रहार था जो यह दिखाने की कोशिश कर रही थीं कि भारत किसी एक खेमे की तरफ झुक रहा है। वेनेजुएला को लेकर भी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने इतिहास और वर्तमान दोनों सामने रखे। उन्होंने बताया कि वेनेजुएला लंबे समय से भारत का ऊर्जा साझेदार रहा है। वर्ष 2019 तक वहां से तेल आता रहा, लेकिन प्रतिबंधों के कारण खरीद रोकनी पड़ी। बाद में 2023 और 2024 के बीच कुछ समय के लिए खरीद फिर शुरू हुई, पर दोबारा प्रतिबंध लगने से उसे रोकना पड़ा। इसके बावजूद भारत ने दरवाजा बंद नहीं किया है। सार्वजनिक क्षेत्र के भारतीय उपक्रम वहां काम कर रही अंतरराष्ट्रीय तेल कंपनियों के साथ साझेदारी रखे हुए हैं और यदि वाणिज्यिक लाभ दिखा तो भविष्य में आपूर्ति पर विचार होगा। जायसवाल ने साथ ही भारत अमेरिका व्यापार समझौते संबंधी एक प्रश्न के उत्तर में बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बीच दूरभाष पर वार्ता के बाद जो स्थिति बनी, उसके आधार पर परस्पर शुल्क में कमी को लेकर अमेरिका ने कदम उठाया है। उन्होंने कहा कि अब भारत में बने उत्पाद अमेरिका को 18 प्रतिशत शुल्क पर भेजे जा सकेंगे। इसे उन्होंने भारतीय निर्यात के लिए बड़ा अवसर बताया। उन्होंने कहा कि अमेरिका की ओर से भी यही शुल्क दर स्पष्ट की गई है।

जायसवाल ने साथ ही एक प्रश्न के उत्तर में यह भी बताया कि ईरान में पकड़े गए 16 भारतीय नाविकों को वाणिज्य दूतावासीय की पहुंच मिल चुकी है। बंदर अब्बास में भारतीय अधिकारियों ने उनसे मुलाकात की है। ईरानी पक्ष के अनुसार आठ नाविक रिहा कर दिए गए हैं और वह घर लौटेंगे।

केटीआर का सीएम रेवंत रेड्डी पर तंज

जो शासन नहीं कर सकता, वो चुनाव में जहर उगलता है

हैदराबाद। भारत राष्ट्र समिति के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने गुरुवार को तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी पर बीआरएस प्रमुख के चंद्रशेखर राव के खिलाफ अपमानजनक भाषा का प्रयोग करने के लिए जमकर हमला बोला और कहा कि रेड्डी की जगह गटर में है। एक्स पर एक पोस्ट में केटी रामाराव ने कहा कि उनके (रेवंत रेड्डी) मुंह से सिर्फ अपशब्द निकलते हैं। आप हार्वर्ड में 500 दिन का कोर्स कर सकते हैं, लेकिन अगर आप संस्कृति नहीं सीखते हैं, तो आपकी पूंछ कुत्ते की तरह टेढ़ी ही रहेगी। केसीआर ने तेलंगाना के लिए काम किया, आंदोलनों का नेतृत्व किया, राज्य का दर्जा हासिल किया और पहले मुख्यमंत्री बने, जिससे एक स्वर्णिम तेलंगाना का मार्ग प्रशस्त हुआ। केटीआर ने आगे कहा कि उनके बारे में गंदे शब्द बोलने वालों की जगह गटर में है। जो शासन नहीं कर सकता, वह चुनाव प्रचार के दौरान जहर उगलता है - यह अहंकार और पूर्ण अक्षमता का संकेत है। आप शब्दों से इतिहास रचने वाले को नीचा नहीं दिखा सकते।

बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने आगे कहा कि अपशब्दों का प्रयोग करने वाला व्यक्ति अपनी मानसिक दरिद्रता को उजागर करता है। केटी रामाराव ने कहा कि कुत्ते को सोने के सिंहासन पर बिठाने से वह शेर नहीं बन जाएगा - यह सिंहासन का अपमान है। राज्य का दर्जा पाने के लिए संघर्ष करने वालों के खिलाफ बोलने का आपको कोई नैतिक अधिकार नहीं है। याद रखिए, आपके शब्द केसीआर की विरासत को धूमिल नहीं कर सकते।

यह बयान रेवंत रेड्डी द्वारा फोन टैपिंग मामले में पिछली बीआरएस सरकार पर निजता के घोर उल्लंघन का आरोप लगाने के बाद आया है। रेवंत रेड्डी ने कहा कि क्या कोई पति-पत्नी के बीच होने वाली फोन बातचीत सुनेगा? न्यायाधीशों, पत्रकारों, विपक्षी नेताओं, दंपत्तियों और फिल्म सितारों को भी नहीं बख्शा गया। दो लोगों के बीच होने वाली फोन बातचीत से इस आदमी (केसीआर) का क्या लेना-देना है? क्या वह इंसान है? क्या उसे इंसान के रूप में जन्म लेने का अधिकार है? उन्होंने आगे कहा कि पुलिस ने इस मामले में नोटिस जारी किए हैं।

पश्चिम बंगाल विधानसभा में विशेष गहन पुनरीक्षण के खिलाफ प्रस्ताव पेश, अध्यक्ष ने नहीं दी चर्चा की अनुमति

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर राजनीति तेज हो गई है। एक तरफ मुख्यमंत्री ममता बैनर्जी इसमें हुई धांधली को लेकर दिल्ली पहुंच गई। वहीं दूसरी इसके सुप्रीम कोर्ट पहुंचने के कारण विधानसभा अध्यक्ष ने एसआईआर पर प्रस्तावित चर्चा पर बहस के लिए मना कर दिया। सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस ने 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले एसआईआर से मतदाताओं के हो रही परेशानी को लेकर चर्चा की मांग की थी।

विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने सरकार पर आखिरी समय में बिजनेस एडवाइजरी कमेटी के प्रस्ताव को बदलने का आरोप लगाया। अधिकारी ने कहा हमें बताया गया था कि एसआईआर पर चर्चा होगी और हम तैयारी करके आए थे। अब, इसे बदला जा रहा है उन्होंने अध्यक्ष से सदन के सामने कामकाज की सूची रखने की मांग की। इससे पहले, राज्य संसदीय कार्य मंत्री शोभनदेब चट्टोपाध्याय ने एक प्रस्ताव पढ़ा, जिसमें एसआईआर प्रक्रिया पर चर्चा की मांग की गई थी। इस प्रस्ताव का मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने समर्थन किया। नियम 169 के तहत प्रस्ताव पेश करते हुए, चट्टोपाध्याय ने आरोप लगाया कि एसआईआर प्रक्रिया से मतदाताओं को परेशानी हुई, और दावा किया कि इस प्रक्रिया को लेकर चिंता के कारण 107 लोगों की मौत हो गई। इसी के साथ केंद्र ने पश्चिम बंगाल कैडर की 2006 बैच की आईएएस अधिकारी रश्मि कमल को पश्चिम बंगाल के लिए जनगणना संचालन निदेशक और नागरिक पंजीकरण निदेशक नियुक्त किया है।

कब होगी जनगणना

कमल को 14 जनवरी से केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर सेंट्रल स्टाफिंग स्कीम के तहत नियुक्त किया गया है। वह तीन साल की अवधि के लिए या अगले आदेश इस पद प रहेंगी।

एनजीटी के बैन के बावजूद जानलेवा खनन, ब्लास्ट में असम के 16 मजदूरों की मौत

गुवाहटी। मेघालय के पूर्वी जयंतिया हिल्स जिले में गुरुवार को एक संदिग्ध अवैध कोयला खदान में हुए विस्फोट में सोलह लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि गुरुवार को मेघालय के पूर्वी जयंतिया हिल्स जिले के एक गांव में संदिग्ध अवैध कोयला खदान में हुए विस्फोट में असम के कम से कम 16 मजदूर मारे गए और कई अन्य खदान में फंस गए। पुलिस अधीक्षक विकास कुमार ने बताया कि यह घटना थांगस्कू इलाके में हुई।

विकास कुमार ने बताया कि बताया कि खदान से 16 शव निकाले जा चुके हैं और कई अन्य घायल हो गए हैं जिन्हें प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है और आगे के इलाज के लिए शिलांग रेफर किया जाएगा। कुमार ने बताया कि पुलिस ने घटनास्थल पर बचाव अभियान चलाने के लिए राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल से सहायता ली और बचाव कार्य जारी है। माना जा रहा है कि यह विस्फोट अवैध रूप से चल रहे कोयला खनन स्थल पर हुई गतिविधि

के दौरान हुआ। जब अधिकारी से पूछा गया कि क्या खदान अवैध है, तो उन्होंने कहा, 'हां, ऐसा प्रतीत होता है।' कुमार ने आगे कहा कि विस्फोट का कारण अभी तक ज्ञात नहीं है और इसकी जांच की जाएगी।

राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण ने 2014 में मेघालय में पर्यावरण को होने वाले नुकसान और गंभीर सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए रैट-होल कोयला खनन और अन्य अवैज्ञानिक खनन पद्धतियों पर प्रतिबंध लगा दिया था और इस तरह से निकाले गए कोयले के अवैध परिवहन पर भी रोक लगा दी थी। रैट-होल खनन में श्रमिकों के कोयला निकालने के लिए संकरी सुरंगें खोदी जाती हैं, जो आमतौर पर लगभग 3 से 4 फीट ऊंची होती हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने बाद में इस प्रतिबंध को बरकरार रखते हुए केवल वैज्ञानिक और विनियमित प्रक्रियाओं के माध्यम से उचित पर्यावरणीय सुरक्षा उपायों के साथ कोयला खनन की अनुमति दी।

'डोभाल-रूबियो के बीच कोई बैठक या मुलाकात नहीं हुई', विदेश मंत्रालय ने किया रिपोर्ट का खंडन

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के बीच मुलाकात से जुड़ी मीडिया रिपोर्ट का खंडन किया और उसे बेबुनियाद बताया। मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने ब्लूमबर्ग में छपी इस बैठक की रिपोर्ट के बारे में पत्रकारों के सवालों पर कहा, इसका कोई आधार नहीं है। ऐसी कोई मुलाकात या यात्रा नहीं हुई है।

रिपोर्ट में क्या दावा किया गया था?

भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते की सहमति की घोषणा के बाद अमेरिकी मीडिया संस्थान ब्लूमबर्ग ने एक रिपोर्ट प्रकाशित की थी, जिसमें कहा गया था कि डोभाल ने पिछले सितंबर में अमेरिका का दौरा कर दोनों देशों के बीच संबंध सुधारने की कोशिश की थी। रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने इस दौरान रुबियो से मुलाकात की थी। डोभाल ने इस दौरान रूबियो को पीएम मोदी का संदेश देते हुए कहा था कि भारत राष्ट्रपति ट्रंप और उनके शीर्ष सहयोगियों की धमकियों के आगे नहीं झुकेगा। भारत अतीत में भी प्रतिकूल अमेरिकी सरकारों का सामना कर चुका है और वह झुकने की बजाय ट्रंप का कार्यकाल खत्म होने की प्रतीक्षा करेगा। अब जायसवाल ने इस रिपोर्ट को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि ऐसी कोई बैठक या दौरा नहीं हुआ था।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने क्या कहा?

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने अपनी साप्ताहिक प्रेस ब्रीफिंग में भारत-अमेरिका व्यापार समझौते से संबंधित सवालों का भी जवाब दिया।

उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप के बीच हुई सकारात्मक बातचीत का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने पारस्परिक शुल्क में कमी के लिए राष्ट्रपति ट्रंप को धन्यवाद दिया। उन्होंने बताया कि यह व्यापार समझौता अमेरिका को हमारे निर्यात को काफी बढ़ावा देगा।

अजित पवार विमान दुर्घटना की प्रारंभिक रिपोर्टः

खराब मौसम और तकनीकी गड़बड़ी बनी हादसे की वजह!

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

बारामती हवाई अड्डे पर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार से जुड़े विमान हादसे की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट में अहम शुरुआती निष्कर्ष सामने आए हैं। सूत्रों के मुताबिक, जांच में दो प्रमुख कारक सामने आए हैं जो इस घटना के लिए जिम्मेदार हो सकते हैं। विस्तृत विश्लेषण अभी जारी है। सूत्रों के अनुसार, रनवे पर कम दृश्यता के बावजूद विमान ने लैंडिंग का प्रयास किया। जांचकर्ताओं ने पाया कि ऐसी परिस्थितियों में लैंडिंग का निर्णय लेना प्रारंभिक आकलन से सामने आए प्रमुख बिंदुओं में से एक है।

दृश्यता की समस्या के साथ-साथ, प्रारंभिक जांच के दौरान एक संदिग्ध तकनीकी खराबी भी सामने आई है। अधिकारी यह जांच कर रहे हैं कि क्या किसी सिस्टम की खराबी के कारण विमान के उतरने और लैंडिंग के दौरान उसके प्रदर्शन पर असर पड़ा होगा। अधिकारियों ने विमान के ब्लैक बॉक्स

से डेटा रिकवर करना शुरू कर दिया है। पूरा डेटा प्राप्त और विश्लेषण हो जाने के बाद, पूरी जांच रिपोर्ट जारी की जाएगी। अधिकारियों ने जोर दिया कि अंतिम निष्कर्ष इस महत्वपूर्ण उड़ान डेटा पर निर्भर करेगा।

बारामती हवाई पट्टी के पास दुर्घटनाग्रस्त हुए लीयरजेट 45 विमान का ब्लैक बॉक्स घटना के एक दिन बाद बरामद कर लिया गया था। विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) बारामती टेबलटॉप हवाई पट्टी पर विमान के दूसरे लैंडिंग प्रयास के दौरान हुई दुर्घटना की जांच कर रहा है। आपको बता दें कि एनसीपी प्रमुख का बुधवार सुबह (28 जनवरी) मुंबई से ब्रह्मंती जाते समय एक चार्टर विमान दुर्घटना में निधन हो गया।

66 वर्षीय पवार, दिग्गज राजनीतिज्ञ और एनसीपी संस्थापक शरद पवार के भतीजे और लोकसभा सांसद सुप्रिया सुले के चचेरे भाई थे। वे महाराष्ट्र के सबसे लंबे समय तक गैर-लगातार उपमुख्यमंत्री रहे। उन्होंने विभिन्न सरकारों में छह कार्यकाल तक इस पद पर कार्य किया। उन्होंने पृथ्वीराज चव्हाण, देवेंद्र फडणवीस, उद्धव ठाकरे और एकनाथ शिंदे की मंत्रिमंडलों में उपमुख्यमंत्री के रूप में कार्य किया था। उनके परिवार में उनकी पत्नी सुनेत्रा पवार और दो बेटे जय और पार्थ पवार हैं।

अमर स्पोर्ट्स क्लब द्वारा कासणे में 40+ क्रिकेट प्रतियोगिता एवं विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट उपलब्धि प्राप्त व्यक्तियों का सम्मान समारोह

कासणे (भिवंडी): वर्ष 1980 में स्थापित पंजीकृत संस्था अमर स्पोर्ट्स क्लब द्वारा 77वें भारतीय गणतंत्र दिवस के अवसर पर 40 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के खिलाड़ियों के लिए भव्य क्रिकेट प्रतियोगिता एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

यह प्रतियोगिता 23 से 26 जनवरी 2026 के दौरान संपन्न हुई, जिसमें भिवंडी 40+ एसोसिएशन की 32 टीमों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में ठाकूरपाड़ा 40+ टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि करिवली 40+ टीम द्वितीय स्थान पर रही।

गणतंत्र दिवस के अवसर पर अमर क्रीड़ा मंडल द्वारा जिला परिषद स्कूल, कासणे के विद्यार्थियों को कैरम, शतरंज, लूडो, बैडमिंटन सामग्री एवं रस्सी कूद जैसे खेल साहित्य का वितरण किया गया। साथ ही डॉ. सोन्या दादा पाटील, अध्यक्ष, सोशल वेल्फेयर ट्रस्ट, के हस्ते शैक्षणिक सामग्री का भी वितरण किया गया।

इस कार्यक्रम के अंतर्गत कासणे गांव के विभिन्न शासकीय एवं व्यावसायिक क्षेत्रों में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त करने वाले व्यक्तियों को सम्मानित किया गया। इनमें ज्ञानेश गोपीनाथ पाटील (सेंट्रल रेलवे मोटरमैन), डॉ. अविनाश शेलके, डॉ. प्रांजल सुतार, डॉ. जागृति वारघाडे, डॉ. सतीश वारघाडे, साइकिल खिलाड़ी आशिष भोईर, बॉडीबिल्डर वैभव भोईर, क्लस्टर मैनेजर नयन गोंधळी तथा सरकारी ठेकेदार अभय भोईर शामिल थे।

इस अवसर पर भिवंडी विधायक शांताराम मोरेजी, पूर्व विधायक पांडुरंग बारोराजी, आगरी सेना प्रमुख राजाराम साल्वीजी, शिवसेना नेता प्रकाश पाटीलजी एवं सोन्यादादा पाटीलजी, जिल्हा प्रमुख विश्वास थळेजी, देवानंद थळेजी, अनिल मनिवडेजी, शिवाजीशेठ अधिकारीजी, 40+ एसोसिएशन के संस्थापक अध्यक्ष कुंदन पाटीलजी, सचिव जोशी, अमर स्पोर्ट्स क्लब के पदाधिकारी तथा कासणे गांव के सरपंच एवं उपसरपंच उपस्थित थे।

कार्यक्रम के अंत में समिति अध्यक्ष रामदास शेलके ने छत्रपति शिवाजी महाराज एवं डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर को नमन किया, सभी खिलाड़ियों, सहयोगियों एवं उपस्थित मान्यवरों का आभार व्यक्त किया तथा आगामी सामाजिक उपक्रमों के लिए निरंतर सहयोग की अपील की।

पश्चिम रेलवे द्वारा होली त्योहार के अवसर पर हॉलिडे स्पेशल ट्रेनों का परिचालन

पश्चिम रेलवे से अब तक 231 हॉलिडे स्पेशल ट्रेन सेवाएँ अधिसूचित

सुदृढ़ होल्डिंग एवं भीड़ प्रबंधन व्यवस्थाएं सुनिश्चित

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

त्योहारों के दौरान यात्रियों की सुविधा एवं सुगम आवागमन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पुनः सुदृढ़ करते हुए पश्चिम रेलवे आगामी होली त्योहार के दौरान संभावित यात्री भीड़ को संभालने हेतु व्यापक तैयारियों के साथ पूरी तरह से सजग है। पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की बढ़ती यात्रा मांग को पूरा करने के लिए अब तक 231 हॉलिडे स्पेशल ट्रेनों की सेवाएँ अधिसूचित की जा चुकी हैं। ये स्पेशल ट्रेनें 01 मार्च से 22 मार्च, 2026 की अवधि के दौरान देश के विभिन्न गंतव्यों के लिए परिचालित की जाएंगी, जिनमें उत्तर एवं पूर्व भारत के प्रमुख क्षेत्रों–उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान सहित अन्य महत्वपूर्ण राज्य–पर विशेष ध्यान दिया गया है। इन स्पेशल ट्रेनों की योजना यात्रियों को अतिरिक्त यात्रा विकल्प उपलब्ध कराने तथा त्योहारों के दौरान आरामदायक एवं सुविधाजनक यात्रा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बनाई गई है। पश्चिम रेलवे द्वारा स्पेशल ट्रेनों के परिचालन की अग्रिम योजना बनाकर तथा विभिन्न सेक्टरों में आरक्षण प्रवृत्तियों और यात्री मांग की निरंतर निगरानी करते हुए एक सक्रिय एवं यात्री-केंद्रित दृष्टिकोण अपनाया गया है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, पश्चिम रेलवे होली त्योहार के दौरान यात्री भीड़ के सुचारु प्रबंधन हेतु अतिरिक्त ट्रेन सेवाओं एवं व्यापक यात्री सुविधा उपायों के साथ पूरी तरह तैयार है। बुकिंग पैटर्न एवं यात्री आवागमन की सतत निगरानी की जा रही है तथा जहाँ संभव हो नियमित ट्रेनों में कोचों की वृद्धि भी की जा रही है। यात्रियों की मांग के आधार पर अतिरिक्त स्पेशल ट्रेनों पर भी विचार किया जाएगा तथा आने वाले दिनों में और भी ट्रेनों की अधिसूचना जारी की जाएगी। यात्रियों को अपनी यात्रा की बेहतर योजना बनाने में सहायता हेतु विभिन्न मीडिया माध्यमों से स्पेशल ट्रेनों एवं यात्री सुविधाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जा रहा है।

श्री विनीत ने आगे बताया कि प्रमुख स्टेशनों पर भारी यात्री भीड़ की संभावना को देखते हुए पश्चिम रेलवे के प्रमुख टर्मिनलों एवं आरंभिक स्टेशनों पर व्यापक तौर पर भीड़ प्रबंधन व्यवस्थाएं पहले से ही लागू कर दी गई हैं। मुंबई सेंट्रल, बांद्रा टर्मिनस, उधना, सूरत, अहमदाबाद सहित अन्य महत्वपूर्ण स्टेशनों पर यात्रियों के सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित प्रवेश और बोर्डिंग को नियंत्रित करने हेतु समर्पित यात्री होल्डिंग क्षेत्र उपलब्ध कराए गए हैं। इन होल्डिंग क्षेत्रों में यात्रियों की सुविधा के लिए बैठने की व्यवस्था, पेयजल, शौचालय ब्लॉक, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, पंखे तथा जन-उद्घोषणा प्रणाली जैसी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हैं।

भुसावल मंडल रेलवे अस्पताल में विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर जनजागरूकता कार्यक्रम

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भुसावल मंडल रेलवे अस्पताल (डीआरएच, भुसावल) में दिनांक 4 फरवरी 2026 (बुधवार) को विश्व कैंसर दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य कैंसर के प्रति शीघ्र पहचान, रोकथाम एवं समय पर उपचार के बारे में जनजागरूकता बढ़ाना था।

इस अवसर पर वरिष्ठ मंडल चिकित्सा अधिकारी डॉ. पवन खंडेलवाल ने कैंसर के जोखिम कारकों, प्रारंभिक लक्षणों, जांच विधियों एवं उपचार विकल्पों पर विस्तृत एवं प्रभावशाली जानकारीपूर्ण व्याख्यान दिया। उन्होंने स्थानीय भाषा में सरल एवं सहज तरीके से विषय प्रस्तुत किया, जिससे उपस्थित लाभार्थियों में व्यापक जागरूकता उत्पन्न हुई। व्याख्यान के दौरान कई लाभार्थियों ने सक्रिय सहभागिता की, कैंसर से संबंधित प्रश्न पूछे और उनके समाधान तुरंत प्रदान किए गए।

जनजागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत पीपीटी प्रस्तुतियाँ, विशेषज्ञों के व्याख्यान, एलईडी स्क्रीन पर शैक्षणिक वीडियो, जानकारीपरक पोस्टरों की प्रदर्शनी तथा संवादात्मक चर्चा सत्र आयोजित किए गए। इस कार्यक्रम में कैंसर के प्रति जागरूकता एवं शीघ्र निदान को प्रोत्साहन मिला।

इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. शिवकुमार ने उपस्थित जनसमूह का मार्गदर्शन करते हुए कैंसर के शीघ्र निदान एवं रोकथाम के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने स्वस्थ जीवनशैली, नियमित व्यायाम, संतुलित आहार एवं समय-समय पर स्वास्थ्य जांच कराने का आह्वान किया। साथ ही, कैंसर के प्रारंभिक लक्षणों के प्रति सतर्क रहकर समय पर चिकित्सकीय परामर्श लेने की अपील की। कार्यक्रम के सफल आयोजन में स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। उन्होंने लाभार्थियों को अस्पताल में उपलब्ध सेवाओं के बारे में मार्गदर्शन प्रदान किया। कार्यक्रम के समापन पर वरिष्ठ मंडल चिकित्सा अधिकारी डॉ. पवन खंडेलवाल ने सभी प्रतिभागियों की सक्रिय सहभागिता, उत्साहपूर्ण प्रतिक्रिया एवं सार्थक चर्चाओं के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया। साथ ही, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. शिवकुमार के मूल्यवान मार्गदर्शन तथा आयोजन टीम के समर्पित प्रयासों की विशेष सराहना की।

पश्चिम रेलवे द्वारा अप्रैल 2025 से जनवरी 2026 के दौरान गहन टिकट जांच अभियानों में 172 करोड़ से अधिक का जुर्माना वसूला गया

एसी उपनगरीय लोकल ट्रेनों से लगभग 3.5 करोड़ का जुर्माना वसूला गया महिला टिकट जांच कर्मी द्वारा धोखाधड़ी का मामला पकड़ा गया

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पश्चिम रेलवे बिना टिकट व अनियमित यात्रा पर रोक लगाने के लिए अपने नेटवर्क पर व्यापक और निरंतर टिकट जांच अभियान पूरी दृढ़ता के साथ जारी रखे हुए है। राजस्व संरक्षण और यात्री अनुशासन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप, चालू वित्तीय वर्ष में पश्चिम रेलवे के टिकट जांच कर्मचारियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, वरिष्ठ वाणिज्य अधिकारियों की सक्रिय निगरानी में अत्यंत प्रेरित टिकट जांच कर्मियों की टीम ने मुंबई उपनगरीय लोकल ट्रेनों, लंबी दूरी की मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों, यात्री सेवाओं तथा हॉलिडे स्पेशल ट्रेनों में सघन जांच की। इसका उद्देश्य राजस्व हानि को कम करना और यात्रा अनुशासन को सुदृढ़ करना रहा।

अप्रैल 2025 से जनवरी 2026 की अवधि के दौरान बिना टिकट/अनियमित यात्रा करने वाले (अनबुक्ड लगेज मामलों सहित) 27 लाख से अधिक यात्रियों का पता लगाया गया, जिससे लगभग 172.55 करोड़ की वसूली हुई। यह पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में लगभग 47% की वृद्धि दर्शाता है। केवल जनवरी 2026 माह में ही बिना टिकट/अनियमित यात्रा के 2.82 लाख मामले पकड़े गए और 17 करोड़ से अधिक की वसूली हुई, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 31% अधिक है।

मुंबई उपनगरीय खंड में सघन टिकट जांच अभियानों से उल्लेखनीय परिणाम प्राप्त हुए हैं। जनवरी 2026 में बिना टिकट/अनियमित यात्रा के कुल 1.02 लाख मामले पकड़े गए, जिससे ?4.34 करोड़ की वसूली हुई। वहीं, अप्रैल 2025 से जनवरी 2026 की अवधि में मुंबई उपनगरीय खंड में कुल 9.75 लाख मामले पकड़े गए और ?45.60 करोड़ की कुल वसूली हुई (एसी लोकल ट्रेनों में लगाए गए जुर्माने सहित)। यह उपनगरीय नेटवर्क में अनुशासित और अधिकृत यात्रा सुनिश्चित करने पर पश्चिम रेलवे के सतत फोकस को दर्शाता है।

पश्चिम रेलवे ने एसी उपनगरीय लोकल ट्रेनों में भी लक्षित जांच अभियान जारी रखे हैं। सामान्य टिकट धारकों द्वारा अनधिकृत यात्रा को रोकने के लिए नियमित रूप से अचानक जांच की गई। अप्रैल 2025 से जनवरी 2026 के बीच एसी लोकल सेवाओं में 1 लाख से अधिक दंडात्मक मामले दर्ज किए गए, जिनसे ?3.38 करोड़ का जुर्माना वसूला गया। यह पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में लगभग 97% की वृद्धि है।

श्री विनीत ने आगे बताया कि पश्चिम रेलवे (डब्ल्यूआर), मुंबई मंडल ने नकली या जाली यूटीएस टिकटों के जरिए यात्रा करने की बढ़ती घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए संयुक्त प्रवर्तन अभियान तेज कर दिए हैं। ऐसे ही एक अभियान के दौरान, विरार जाने वाली लोकल ट्रेन में ड्यूटी पर तैनात मुख्य टिकट निरीक्षक, मुंबई सेंट्रल की श्रीमती दीपिका मूर्ति द्वारा धोखाधड़ी का मामला पकड़ा गया। महिला प्रथम श्रेणी डिब्बे में एक महिला यात्री ने अपने मोबाइल फोन पर वर्चुअल यूटीएस एसी लोकल पास दिखाया, जो संदिग्ध प्रतीत हुआ। जांच करने पर पुष्टि हुई कि वह पास यूटीएस प्रणाली के माध्यम से आधिकारिक रूप से जारी नहीं किया गया था। यात्री को बांद्रा स्टेशन पर उतारा गया, जहां उसने स्वीकार किया कि यह पास व्हाट्सएप के माध्यम से साझा किए गए एक धोखाधड़ी वाले यूटीएस एप्लिकेशन से बनाया गया था। आरपीएफ कर्मियों की सहायता से यात्री को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए रेलवे पुलिस के हवाले कर दिया गया।

गति एवं संरक्षा को सुदृढ़ करने हेतु रेटिया यार्ड में किया गया महत्वपूर्ण ट्रैक सुधार कार्य

रतलाम। पश्चिम रेलवे का रतलाम मंडल रेल परिचालन की गति एवं संरक्षा को और बेहतर बनाने के लिए दृढ़संकल्पित है। इसी उद्देश्य के पूरा करने के लिए 04 फरवरी 2026 को रेटिया यार्ड डाउन लाइन में क्रॉसओवर प्वाइंट संख्या 101-102 पर आवश्यक ट्रैक सुधार कार्य सफलतापूर्वक संपन्न किया गया।

पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश कुमार द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार यह कार्य रेटिया यार्ड के किमी 535/26-28 पर 13:10 बजे से 16:10 बजे तक निर्धारित ब्लॉक में किया गया, जिसे आवश्यकतानुसार 17:20 बजे तक बढ़ाया गया अर्थात लगभग 4।10घंटे के ब्लॉक में किया गया। कार्य के अंतर्गत प्वाइंट संख्या 101 (डाउन मेन लाइन) को गोधरा एंड की ओर 2.50 मीटर स्थानांतरित कर लंबाई सुधार किया गया तथा नए स्लीपर एवं रेल डालकर क्रॉसओवर के खराब लेआउट को ठीक किया गया। इस सुधार से ट्रेनों के संचालन में सुरक्षा में वृद्धि होगी तथा उच्च गति से सुचारु परिचालन संभव हो सकेगा। कार्य के दौरान विभागीय अधिकारियों, पर्यवेक्षकों एवं पर्याप्त संख्या में श्रमिकों की उपस्थिति में आधुनिक मशीनरी का उपयोग किया गया। रेल प्रशासन यात्रियों की सुरक्षित, तेज एवं विश्वसनीय सेवा के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है।

पश्चिम रेलवे

मस्ट चेंज किट की आपूर्ति

SMM/PL द्वारा निविदा क्रमांक : 52256709 आमंत्रित की जाती है। **संक्षिप्त विवरण :** LHB EOG कोचों के एक्सल माउंटेड डिस्क ब्रेक सिस्टम के लिए M72 शेड्यूल (SS III) हेतु एस्कॉर्ट मेक की मस्ट चेंज किट की आपूर्ति। **निविदा मात्रा :** 15 सेट। **कुल अनुमानित मूल्य :** 89,20,800/- **निविदा की अंतिम तिथि :** 06.03.2026 अधिक विवरण के लिए कृपया www.ireps.gov.in वेबसाइट पर जाएँ। मैनुअल/डाक द्वारा भेजे गए प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जाएंगे। 1079

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

क्विक वाटरिंग सिस्टम का प्रावधान

सीनियर DME(Co.)/मुंबई सेंट्रल टेंडर नोटिस नंबरः M-137-1-UDN-QWS-, दिनांक 29.01.2026 आमंत्रित करता है। **काम का नामः** उधना में प्लेटफॉर्म नंबर 3, 4, 5 और TVRL2 पर क्विक वाटरिंग सिस्टम का प्रावधान। **काम की अनुमानित लागतः** 2,97,76,987.63 (सभी खर्च शामिल)। **EMD:** 2,98,900/-। **टेंडर जमा करने की आखिरी तारीख और समयः** 27.02.2026 को 15:00 बजे। ज़्यादा जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएं। मैनुअल ऑफर पर विचार नहीं किया जाएगा। 1074

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

निर्माण कार्य

उप मुख्य अभियंता (निर्माण)-I, पश्चिम रेलवे, इंदौर (म.प्र.) द्वारा निविदा क्रमांक : DADN-SWD-RKGC-17 आमंत्रित की जाती है। **कार्य का नाम :** पश्चिमी रेलवे के रतलाम डिवीजन में डॉ. अंबेडकर नगर (महू) सनावद सेक्शन के गेज कन्वर्जन प्रोजेक्ट के संबंध में मुख्तियारा-बलवाड़ा, बड़वाह, ओंकारेश्वर, सनावद स्टेशन पर ओंकारेश्वर स्टेशन बिल्डिंग का बचा हुआ काम, रिटेनिंग वॉल, टो वॉल, बाउंड्री वॉल, नाली, रोड ओवर ब्रिज का अप्रोच और अन्य छोटे-मोटे काम जैसे कंपाउंड वॉल, सर्कुलेटिंग एरिया, अप्रोच रोड, RCC ओवरहेड वॉटर टैंक, RPF बैरक आदि का निर्माण। **अनुमानित लागत :** रू 37,90,39,266.67 **ईएमडी :** रू 20,45,200/- **निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय :** 25.02.2026 को 15:00 बजे तक। **निविदा खोलने की तिथि एवं समय :** 25.02.2026 को 15:30 बजे। पात्रता मानदंड सहित निविदा के संपूर्ण विवरण ई-निविदा पोर्टल www.ireps.gov.in पर उपलब्ध हैं। 1078

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

विविध कार्य

उप मुख्य अभियंता (निर्माण)-I, पश्चिम रेलवे, इंदौर (म.प्र.) द्वारा निविदा क्रमांक : DADN-SWD-RKGC-15 आमंत्रित की जाती है। **कार्य का नाम :** डॉ. आंबेडकर नगर एवं पातालपानी स्टेशन पर बीजी/एमजी लाइन के गठन (फॉर्मेशन) में एम्बैंकमेंट/कटिंग के शेष अर्थवर्क एवं ब्लैंकेटिंग का कार्य, यार्ड व पुल अप्रोच सहित। रेलवे द्वारा अनुमोदित डिज़ाइन एवं ड्रॉइंग के अनुसार पुल निर्माण कार्य (माइनर फाउंडेशन, सब-स्ट्रक्चर एवं सुपर-स्ट्रक्चर), रिटेनिंग/बाउंड्री/टो वॉल, डाइवर्जन ड्रेन, सर्कुलेटिंग एरिया, आरसीसी रोड, आरसीसी ओवरहेड टैंक तथा अन्य विविध सिविल कार्यों का निष्पादन। इसके अतिरिक्त भवन निर्माण, कवरिंग शेड, यात्री/माल प्लेटफॉर्म, यात्री सुविधाएँ, फुट ओवर ब्रिज, यार्ड ड्रेन एवं सेवा भवन संरचनाओं का निर्माण। मुख्य लाइन एवं लूप लाइनों में मशीन से कुचले हुए पत्थर के बैलास्ट की आपूर्ति एवं बिछाव, बीजी/एमजी ट्रैक का लेइंग एवं लिंकिंग, पॉइंट्स एवं क्रॉसिंग का कार्य, पी-वे सामग्री का परिवहन, रेलों की वेल्डिंग तथा अन्य सहायक/आकस्मिक कार्य। उक्त कार्य डॉ. आंबेडकर नगर (महू)-सनावद सेक्शन के गेज परिवर्तन से संबंधित है तथा पश्चिम रेलवे के रतलाम मंडल में डॉ. आंबेडकर नगर-पातालपानी स्टेशन के बीच किया जाना है। **अनुमानित लागत :** रू 38,22,43,102.21 **ईएमडी :** रू 20,61,200/- **निविदा जमा करने की तिथि एवं समय :** 27.02.2026 को 15:00 बजे तक। **निविदा खोलने की तिथि एवं समय :** 27.02.2026 को 15:30 बजे। पात्रता मानदंड सहित निविदा के संपूर्ण विवरण ई-निविदा पोर्टल www.ireps.gov.in उपलब्ध हैं। 1076

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

आवेदन आमंत्रण सूचना

पश्चिम रेलवे, मुंबई मंडल में यात्री टिकट सुविधा केंद्र (YTSK) के प्राधिकरण हेतु आवेदन आमंत्रित

No. C550/17/YTSK/January-2026 **Date: 30.01.2026**

मंडलीय रेल प्रबंधक (वाणिज्य), पश्चिम रेलवे, मुंबई सेंट्रल द्वारा, भारत के राष्ट्रपति की ओर से तथा उनके लिए, अंग्रेज़ी/हिंदी में सीलबंद आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। ये आवेदन उन व्यक्तियों से आमंत्रित हैं जिन्होंने **18 वर्ष की आयु पूर्ण कर ली हो** एवं जो रेलवे द्वारा नियुक्त **अधिकृत टिकटिंग एजेंट** हों, जिनमें JTBS, RTSA, RTA तथा IRCTC द्वारा नियुक्त एजेंट शामिल हैं, और जिनके पास **कम से कम दो वर्ष का अनुभव हो।** यह आवेदन पश्चिम रेलवे, मुंबई मंडल में **कम्प्यूटरीकृत यात्री आरक्षण प्रणाली (PRS) सह अनारक्षित टिकट प्रणाली (UTS)** टर्मिनल (जिसे **'यात्री टिकट सुविधा केंद्र (YTSK)'** कहा जाता है) की स्थापना एवं संचालन हेतु आमंत्रित किए जाते हैं, ताकि कम्प्यूटरीकृत आरक्षित/अनारक्षित टिकटिंग प्रणाली के माध्यम से आरक्षित/अनारक्षित रेल टिकट जारी किए जा सकें।

निर्धारित पात्रता शर्तों को पूरा करने वाले इच्छुक आवेदक, जैसा कि समय-समय पर निर्धारित किया जा सकता है, **तीन वर्ष की अवधि** के लिए आवेदन कर सकते हैं। आवेदन पत्र के साथ **आवेदन शुल्क रू 1,000/-** संलग्न करना अनिवार्य है, अन्यथा आवेदन सीधे निरस्त कर दिया जाएगा। आवेदन प्रपत्र रेलवे की वेबसाइट wr.indianrailways.gov.in से डाउनलोड किए जा सकते हैं। इंटरनेट से डाउनलोड किए गए आवेदन प्रपत्र की लागत ?1,000/- का डिमांड ड्राफ्ट के रूप में 'Chief Cashier, Western Railway, Churchgate' के पक्ष में, **मुंबई में देय,** आवेदन पत्र के साथ जमा करनी होगी, अन्यथा आवेदन **सीधे निरस्त** कर दिया जाएगा।

विस्तृत **नियम एवं शर्तों** सहित **अहस्तांतरणीय आवेदन दस्तावेज** को 1,000/- (जैसा कि उल्लेखित है) के भुगतान पर **वरिष्ठ मंडलीय वाणिज्य प्रबंधक,** मुंबई सेंट्रल के कार्यालय से, पश्चिम रेलवे, मुंबई मंडल के किसी भी **स्टेशन प्रबंधक कार्यालय** से, मूल धनराशि रसीद प्रस्तुत करने पर भी खरीदा जा सकता है।

नोट : यदि निविदा प्रपत्र पंजीकृत डाक द्वारा आवश्यक हो, तो प्रति निविदा प्रपत्र **रू** 500/- **अतिरिक्त** शुल्क लिया जाएगा। इसके लिए आवेदन **कम से कम 15 दिन** पूर्व करना आवश्यक है।

पश्चिम रेलवे, मुंबई मंडल में **'यात्री टिकट सुविधा केंद्र (YTSK)'** की स्थापना हेतु प्राधिकरण के लिए आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। पात्रता मानदंड के अनुसार आवश्यक दस्तावेज संलग्न कर आवेदन एक लिफाफे में प्रस्तुत किए जाएँ। लिफाफे पर स्पष्ट रूप से 'स्टेशन के निकट **यात्री टिकट सुविधा केंद्र (YTSK)** हेतु आवेदन पत्र' तथा **आवेदक का नाम, पता एवं पिनकोड** अंकित होना चाहिए।

आवेदन **वरिष्ठ मंडलीय वाणिज्य प्रबंधक,** भूतल, वाणिज्य विभाग, **डीआरएम कार्यालय, मुंबई सेंट्रल, मुंबई-400 008** के कार्यालय में **नीचे निर्धारित समय-सीमा के भीतर पहुँचना** चाहिए।

आवेदन फॉर्म की बिक्री बंद होने की तारीख और समय	**Upto 12:00 hrs on 02.03.2026**
आवेदन फॉर्म प्राप्त होने की तारीख और समय	**Upto 15:00 hrs on 02.03.2026**
आवेदन फॉर्म खुलने की तारीख और समय	**Upto 15:30 hrs on 02.03.2026**

पश्चिम रेलवे
wr.indianrailways.gov.in

1075

Like us on: facebook.com/WesternRly • Follow us on: X.com/WesternRly

महाराष्ट्र के बुनियादी ढांचे के विकास में कनाडा का सहयोग महत्वपूर्ण होगा – मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

महाराष्ट्र में आधारभूत संरचना विकास के लिए कनाडा की साझेदारी

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि कनाडा महाराष्ट्र के विकास में योगदान देने के लिए उत्सुक है और आवास व आधारभूत संरचना (इन्फ्रास्ट्रक्चर) क्षेत्रों में यह सहयोग राज्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्ध होगा। उन्होंने बताया कि कनाडा इंफ्रास्ट्रक्चर बैंक की भागीदारी से इन क्षेत्रों में दो प्रमुख परियोजनाओं में निवेश के माध्यम से इस सहयोग की शुरुआत की जाएगी। कनाडा का वित्तीय और तकनीकी सहयोग महाराष्ट्र के इंफ्रास्ट्रक्चर विकास को नई दिशा देगा।

मुख्यमंत्री के 'वर्षा' निवास पर कनाडा इंफ्रास्ट्रक्चर बैंक के सीईओ डॉ. सेबेस्टियन के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर वित्त एवं नियोजन विभाग के अपर मुख्य सचिव ओ. पी. गुप्ता, परिवहन विभाग के अपर मुख्य सचिव संजय सेठी, सार्वजनिक बांधकाम विभाग के अपर मुख्य सचिव मिलिंद म्हैस्कर, कृषि विभाग के अपर मुख्य सचिव विकास चंद्र रस्तोगी, नगर विकास विभाग के अपर मुख्य सचिव आसीम गुप्ता, एमएमआरडीए के महानगर आयुक्त डॉ. संजय मुखर्जी, बृहन्मुंबई महानगरपालिका के आयुक्त भूषण

गगरानी, सिडको के प्रबंध निदेशक विजय सिंगल, मुख्यमंत्री के मुख्य आर्थिक एवं निवेश सलाहकार कौस्तुभ धवसे, अभिनेता अजिंक्य देव और अतुल गुप्ता उपस्थित थे।

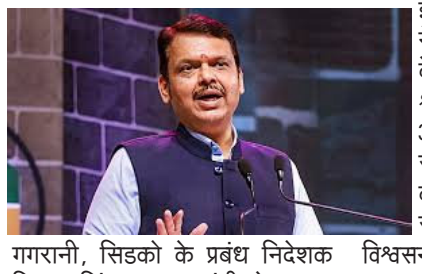

बैठक के दौरान कनाडा इंफ्रास्ट्रक्चर बैंक के निवेश से संबंधित आठ प्रमुख बिंदुओं पर विस्तृत प्रस्तुति दी गई।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि राज्य में विभिन्न इंफ्रास्ट्रक्चर विकास परियोजनाएँ प्रगति पर हैं और इसके लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग का लाभ उठाया जाएगा। यह सहयोग म्हाडा तथा एमएमआरडीए की महत्वपूर्ण परियोजनाओं के लिए उपयोगी होगा। प्रारंभिक चरण में दो परियोजनाओं का चयन कर साझेदारी के संदर्भ में आगे की चर्चा की जाएगी।

इस अवसर पर डॉ. सेबेस्टियन ने महाराष्ट्र में इंफ्रास्ट्रक्चर विकास के लिए कनाडा की वित्तीय आपूर्ति श्रृंखला के माध्यम से तकनीकी और वित्तीय उपायों को संयुक्त रूप से लागू करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। उन्होंने जी-20 ऑफटेक सहित 'ट्रिपल-ए' रेटेड विश्वसनीयता उपलब्ध कराने का भी आश्वासन दिया।

इंफ्रास्ट्रक्चर विकास हेतु निवेश की प्रमुख विशेषताएँ

रुपये में निवेश (स्थानीय मुद्रा में):
स्थानीय मुद्रा में निवेश एवं मेज़बान देश में ही पुनर्निवेश का प्रावधान रहेगा, जिससे धन की वापसी (रिपैट्रिएशन) का जोखिम समाप्त होगा। हेजिंग या स्वैप व्यवस्था की आवश्यकता नहीं होगी।

वन-स्टॉप सॉल्यूशन:
कनाडा से संबंधित परियोजनाओं के लिए उद्योग, संसाधन, नेटवर्क और राज्य सरकार की प्रणालियों को जोड़ने वाला एक सुरक्षित, एन्क्रिप्टेड वेब-आधारित ऑनलाइन प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराया जाएगा।

टर्न-की परियोजना क्रियान्वयन:
राज्य सरकार अथवा स्थानीय स्वशासन संस्थाओं की परियोजनाओं के लिए धन की उपलब्धता, दीर्घकालिक पुनर्भुगतान शर्तें और बीमा कवरेज के माध्यम से जोखिम कम करने की व्यवस्था की जाएगी।

तकनीकी सहयोग:
परियोजना प्रबंधन, क्रियान्वयन और निगरानी की प्रमुख प्रक्रियाओं में कनाडा की तकनीकी सहायता उपलब्ध होगी तथा स्थानीय भागीदारों की सहभागिता से परियोजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि यह भारत-कनाडा सहयोग महाराष्ट्र के आवास और आधारभूत संरचना विकास को गति देने में मील का पत्थर साबित होगा।

'शोक अवधि के बाद एनसीपी विलय पर बोलेंगी उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार'; विधायक रोहित का बयान

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। एनसीपी (एसपी) के विधायक रोहित पवार ने गुरुवार को कहा कि उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार शोक अवधि समाप्त होने के बाद एनसीपी और एनसीपी (एसपी) के संभावित विलय पर अपनी बात सार्वजनिक रूप से रखेंगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि 28 जनवरी को अजित पवार के निधन के बाद चल रही 13 दिन की शोक अवधि के दौरान इस विषय पर कोई चर्चा नहीं की गई है।

'13 दिन पूरे होने दीजिए, सुनेत्रा काकी खुद बोलेंगी'

बारामती में पत्रकारों से बात करते हुए रोहित पवार ने कहा 'शोक की अवधि बीत जाने दीजिए, उसके बाद सुनेत्रा काकी स्वयं विलय के मुद्दे पर बोलेंगी। इस समय भावनात्मक रूप से किसी भी राजनीतिक रुख पर बात करना कठिन है।' उन्होंने कहा कि 9 फरवरी के बाद अजित पवार की इच्छाओं को जनता तक पहुंचाने पर खुलकर चर्चा की जाएगी।

एनसीपी अध्यक्ष बनाने की मांग

रोहित पवार ने दावा किया कि पार्टी के विधायक, पदाधिकारी, कार्यकर्ता और पवार परिवार सभी की सामूहिक भावना है कि सुनेत्रा पवार को एनसीपी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा 'यह हम सबकी इच्छा है कि उपमुख्यमंत्री पद और एनसीपी की राष्ट्रीय अध्यक्षता सुनेत्रा काकी के पास ही रहे।'

विलय पर आरोप-प्रत्यारोप से दुखी रोहित पवार

रोहित पवार ने विलय को लेकर चल रही बयानबाजी पर नाराजगी जताते हुए कहा कि यह दुखद है कि कोई भी यह चर्चा नहीं कर रहा कि अजित पवार क्या चाहते थे। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ वरिष्ठ नेता इस विषय को अनावश्यक रूप से राजनीतिक रंग दे रहे हैं।

विमान हादसे और स्मारक पर भी बोले

अजित पवार से जुड़े विमान हादसे को लेकर पूछे गए सवाल पर रोहित पवार ने कहा कि 9 फरवरी के बाद वे इस मामले में पूरी जानकारी साझा करेंगे और नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसी) से भी विवरण मांगा जाएगा। इसके अलावा उन्होंने बताया कि अजित पवार की लगभग 40 वर्षों की सार्वजनिक सेवा को देखते हुए उनके लिए एक संग्रहालय (म्यूजियम) बनाए जाने की मांग है। इस पर चर्चा चल रही है और जल्द ही निर्णय लिया जाएगा। रोहित पवार ने यह भी कहा कि हाल के दिनों में पवार परिवार के दोनों पक्षों के बीच दूरी कम हुई है और सभी एक-दूसरे के कार्यक्रमों में शामिल हो रहे हैं।

आगामी विधानसभा चुनावों के लिए केंद्रीय पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण

निर्वाचन आयोग ने 1,444 अधिकारियों को मार्गदर्शन प्रदान किया

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल के आगामी विधानसभा चुनावों के लिए नियुक्त किए जाने वाले केंद्रीय पर्यवेक्षकों हेतु विशेष प्रशिक्षण एवं उन्मुखीकरण सत्र आयोजित किए। इस प्रशिक्षण के लिए कुल 1,444 अधिकारियों को बुलाया गया है, जिनमें 714 सामान्य पर्यवेक्षक, 233 पुलिस पर्यवेक्षक और 497 व्यय पर्यवेक्षक शामिल हैं। ये बैठकें 5 और 6 फरवरी 2026 को छ्छ्र्श्िं संस्थान, नई दिल्ली में दो दिनों के दौरान तीन चरणों में आयोजित की जा रही हैं। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के साथ निर्वाचन आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू तथा डॉ. विवेक जोशी ने केंद्रीय पर्यवेक्षकों को मार्गदर्शन दिया।

इस अवसर पर मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने पर्यवेक्षकों को निर्वाचन आयोग का 'लाइटहाउस' बताते हुए कहा कि 824 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में होने वाले चुनावों में स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी प्रक्रिया सुनिश्चित करने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी उनकी है।

निर्वाचन आयुक्त डॉ. एस. एस. संधू ने पर्यवेक्षकों से क्षेत्रीय निर्वाचन अधिकारियों के लिए मित्र, दार्शनिक और मार्गदर्शक की भूमिका निभाने का आग्रह किया। उन्होंने यह भी कहा कि पर्यवेक्षकों के आगमन की जानकारी जनता तक प्रभावी रूप से पहुँचाई जाए तथा मतदाताओं की शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई की जाए और किसी भी प्रकार के पक्षपात की भावना उत्पन्न न होने दी जाए।

डॉ. विवेक जोशी ने आयोग के सभी निर्देशों के शाब्दिक एवं भावनात्मक अनुपालन पर जोर दिया तथा लोकतांत्रिक मूल्यों और निष्पक्षता बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी आदेश दिया कि मतदान दिवस पर मतदाताओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए मतदाता सूचना पर्चियों का समय पर वितरण सुनिश्चित किया जाए। प्रशिक्षण के दौरान शंकानिवारण सत्र का आयोजन भी किया गया। वरिष्ठ अधिकारियों ने मतदाता सूची की तैयारी, चुनाव प्रक्रिया के संचालन, सूचना प्रौद्योगिकी प्रणालियों, डिजिटल प्लेटफॉर्म तथा मीडिया प्रबंधन पर विस्तृत जानकारी दी।

केंद्रीय पर्यवेक्षक निर्वाचन आयोग की 'आंख और कान' के रूप में कार्य करेंगे। उन्हें चुनाव कानूनों, नियमों एवं दिशा-निर्देशों का गहन अध्ययन कर उनके सख्त एवं निष्पक्ष क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। राजनीतिक दलों, प्रत्याशियों और मतदाताओं के लिए हर समय उपलब्ध रहने तथा उनकी शिकायतों का समयबद्ध समाधान करने पर भी जोर दिया गया।

पर्यवेक्षकों को मतदान केंद्रों का दौरा कर यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया कि मतदाताओं की सुविधा हेतु आयोग द्वारा शुरू की गई नई पहलें–विशेषकर न्यूनतम सुनिश्चित सुविधाएँ (श्इे)–पूरी तरह लागू हों। भारत निर्वाचन आयोग संविधान के अनुच्छेद 324 तथा जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 20 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केंद्रीय पर्यवेक्षकों की नियुक्ति करता है। ये पर्यवेक्षक चुनाव प्रक्रिया को स्वतंत्र, निष्पक्ष और प्रभावी बनाने में क्षेत्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं–यह जानकारी निर्वाचन आयोग ने एक प्रेस विज्ञप्ति में दी।

हाईकोर्ट से अबू सलेम की पारोल याचिका खारिज, पुलिस एस्कॉर्ट शुल्क देने में जताई थी असमर्थता

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने गुरुवार को 1993 मुंबई ब्लास्ट के आरोपी और कैदी अबू सलेम की पारोल याचिका खारिज कर दी। सलेम ने अदालत से आपातकालीन पारोल की मांग की थी ताकि वह अपने पैतृक स्थान उत्तर प्रदेश जाकर अपने भाई अबू हकीम अंसारी के निधन पर शोक व्यक्त कर सकें।

अबू सलेम के वकील ने अदालत को बताया कि वह उच्च सुरक्षा एस्कॉर्ट शुल्क देने में असमर्थ हैं। इससे पहले सुनवाई में अदालत ने कहा था कि पारोल लेने के लिए अनिवार्य शुल्क का भुगतान करना जरूरी है और कोई मोलभाव नहीं हो सकता।

17 लाख से ज्यादा का एस्कॉर्ट खर्च

सलेम इस समय नासिक रोड सेंट्रल जेल में बंद है। जेल प्रशासन ने अदालत को बताया था कि अगर सलेम को पुलिस एस्कॉर्ट के साथ पैरोल दी जाती है, तो उसे 17 लाख रुपये से अधिक की राशि एस्कॉर्ट टीम के खर्च के तौर पर जमा करनी होगी। मंगलवार को सुनवाई के दौरान सलेम की वकील फरहाना शाह ने अदालत को बताया था कि यह राशि

बेहद ज्यादा है और उनका मुवक्किल वर्षों से जेल में बंद होने के कारण आर्थिक रूप से बेहद कमजोर हालत में है। उन्होंने कहा कि सलेम एक लाख रुपये से अधिक भुगतान करने की स्थिति में नहीं है।

पहले भी खारिज हो चुकी है मांग

अबू सलेम ने दिसंबर 2025 में हाईकोर्ट का रुख किया था। उसने बताया था कि भाई की मौत नवंबर में हुई थी, लेकिन क्रिसमस अवकाश के कारण याचिका दाखिल करने में देरी हुई। सलेम के अनुसार, उसने 15 नवंबर को 14 दिन की आपात पैरोल के लिए जेल प्रशासन को आवेदन दिया था, ताकि अंतिम संस्कार और अन्य रस्मों में शामिल हो सके। हालांकि, जेल अधिकारियों ने 20 नवंबर 2025 को उसका आवेदन खारिज कर दिया था।

अब तक सीमित पैरोल

अपनी याचिका में सलेम ने यह भी कहा कि नवंबर 2005 में गिरफ्तारी के बाद से उसे केवल कुछ ही बार, वह भी मां और सौतेली मां के निधन पर, सीमित अवधि की पैरोल दी गई है। गौरतलब है कि अबू सलेम को पुर्तगाल से प्रत्यर्पित कर 11 नवंबर 2005 को भारत लाया गया था। वह 1993 मुंबई धमाकों के मामले में 25 साल की सजा काट रहा है। इसके अलावा, 1995 में मुंबई के बिल्डर प्रदीप जैन की हत्या के मामले में एक विशेष TADA अदालत ने उसे आजीवन कारावास की सजा भी सुनाई है।

मध्य रेलवे के महाप्रबंधक ने बायकुला स्थित भारतरत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मेमोरियल अस्पताल में G+6 सुपर स्पेशियलिटी भवन का लोकार्पण किया

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। मध्य रेलवे के महाप्रबंधक प्रतीक गोस्वामी ने भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मेमोरियल अस्पताल, मध्य रेलवे, बायकुला में नवनिर्मित ऊ6 सुपर स्पेशियलिटी भवन का 04.02.2026 को लोकार्पण किया। यह उन्नत एवं तृतीयक स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इस अवसर पर श्री प्रतीक गोस्वामी ने सुपर स्पेशियलिटी भवन की परिकल्पना से लेकर उसके लोकार्पण तक की यात्रा पर प्रकाश डाला। उन्होंने पूर्व महाप्रबंधकों तथा प्रधान मुख्य चिकित्सा निदेशकों के योगदान और सतत प्रयासों की सराहना की, जिनकी दूरदर्शिता के कारण इस महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सुविधा का सफल विकास संभव हो सका।

यह ऊ6 सुपर स्पेशियलिटी भवन अत्याधुनिक एवं उन्नत चिकित्सीय सुविधाओं से सुसज्जित है। नवनिर्मित भवन में उन्नत आपातकालीन सेवाओं से युक्त 11-बिस्तरों वाला कैजुअल्टी विभाग, 8 मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर, 12 आधुनिक डायलिसिस मशीनों सहित डायलिसिस यूनिट, 24-बिस्तरों वाला पूर्ण सुसज्जित आईसीयू, 10-बिस्तरों वाला एचडीयू, पुरुष मेडिकल वार्ड तथा समर्पित सेंट्रल स्टेराइल सर्विसेज डिपार्टमेंट उपलब्ध है। ये सभी सुविधाएं रेलवे स्वास्थ्य प्रणाली के अंतर्गत सुरक्षित, समयबद्ध और आत्मनिर्भर चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने की क्षमता को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाएंगी।

इस सुपर स्पेशियलिटी भवन का लोकार्पण चिकित्सा अवसंरचना के निरंतर उन्नयन तथा सेवारत एवं सेवानिवृत्त रेल कर्मचारियों और उनके परिवारों को गुणवत्तापूर्ण, रोगी-केंद्रित स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के प्रति मध्य रेलवे की प्रतिबद्धता को पुनः पुष्ट करता है। इस अवसर पर डॉ. ममता शर्मा, प्रधान मुख्य चिकित्सा निदेशक, मध्य रेलवे ने तृतीयक स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त बनाने में सुपर स्पेशियलिटी भवन के महत्व पर बल दिया और रेलवे लाभार्थियों के लिए उन्नत चिकित्सा सेवाओं की भविष्य की संभावनाओं को रेखांकित किया। डॉ. सजीव एन. के., चिकित्सा निदेशक ने उद्घाटन भाषण दिया और नवनिर्मित भवन की चिकित्सा सुविधाओं एवं क्षमताओं की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। लोकार्पण समारोह प्रेरणा गोस्वामी, अध्यक्ष, सीआरडब्ल्यूडब्ल्यूओ, डॉ. ममता शर्मा, प्रधान विभागाध्यक्षों, हिरेश मीणा, मंडलीय रेल प्रबंधक, मुंबई, चिकित्सा विभाग के अधिकारियों, मुंबई मंडल के शाखा अधिकारियों तथा अन्य चिकित्सकों एवं अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

आंगणेवाड़ी मेले के लिए एलटीटी मुंबई-मडगांव के बीच 4 विशेष ट्रेनें चलाएगा मध्य रेलवे

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई: यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए मध्य रेलवे आंगणेवाड़ी मेले के अवसर पर लोकमान्य तिलक टर्मिनस (एलटीटी) - मडगांव के बीच 4 विशेष ट्रेनें चलाएगा। इन विशेष ट्रेनों का विवरण इस प्रकार है– लोकमान्य तिलक टर्मिनस - मडगांव विशेष (2 ट्रेनें)

ट्रेन संख्या 01003 विशेष

यह ट्रेन 08.02.2026 एवं 10.02.2026 को लोकमान्य तिलक टर्मिनस से सुबह 07.55 बजे प्रस्थान करेगी और उसी दिन रात 22.00 बजे मडगांव पहुंचेगी।

ट्रेन संख्या 01004 विशेष

यह ट्रेन 07.02.2026 एवं 09.02.2026 को मडगांव से शाम 16.30 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन सुबह 05.50 बजे लोकमान्य तिलक टर्मिनस पहुंचेगी।

संरचना: 20 स्लीपर श्रेणी कोच एवं 2 लगेज सह गार्ड ब्रेक वैन।

ठहराव: ठाणे, पनवेल, पेन, रोहा, माणगांव, खेड़, चिपलून, संगमेश्वर रोड, रत्नागिरी, आदवली, विलावडे, राजापुर रोड, वैभववाड़ी रोड, कणकवली, सिंधुदुर्ग, कुडाल, सावंतवाड़ी रोड, थिविम एवं कर्माली।

आरक्षण: ट्रेन संख्या 01003 के लिए विशेष शुल्क पर आरक्षण 06.02.2026 से सभी कम्प्यूटरीकृत आरक्षण केंद्रों तथा IRCTC की वेबसाइट www.irctc.co.in पर उपलब्ध होगा। इन विशेष ट्रेनों के विस्तृत समय एवं ठहराव की जानकारी के लिए यात्री www.enquiry.indianrail.gov.in वेबसाइट देखें या NTES ऐप डाउनलोड करें।

मध्य रेल की होली बोनांज़ा: इस वर्ष कुल 209 होली विशेष रेल सेवाएं चलेंगी

भारतीय रेल होली पर्व के लिए कुल 1410 विशेष रेल सेवाएं चलाने की योजना बना रही है

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

यात्रियों को अपने सगे-संबंधियों एवं प्रियजनों के साथ होली पर्व मनाने में सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से मध्य रेल देश के विभिन्न गंतव्यों के लिए कुल 209 होली विशेष रेल सेवाएं चलाएगी। इन विशेष ट्रेनों में एसी विशेष ट्रेनें, एसी-शयनयान-सामान्य श्रेणी के मिश्रित संयोजन वाली ट्रेनें तथा अनारक्षित विशेष ट्रेनें शामिल होंगी। इन विशेष रेल सेवाओं में मुंबई-नागपुर-मुंबई, मुंबई-रत्नागिरी-मुंबई, मुंबई-चिपलून-मुंबई सहित अन्य गंतव्यों के लिए ट्रेनें शामिल हैं।

होली पर्व के दौरान यात्रियों की सुविधा हेतु भारतीय रेल देशभर में कुल 1410 विशेष रेल सेवाएं चलाने की योजना बना रही है।

ये विशेष रेल सेवाएं यात्रियों को अपनी यात्रा की योजना बनाने में सहायक होंगी। यात्रियों की सुविधा और आराम सुनिश्चित करने के लिए मध्य रेल द्वारा अपने नेटवर्क पर यात्री सुविधाओं को बढ़ाया गया है तथा विभिन्न उपाय लागू किए गए हैं। यात्रियों की सुविधा हेतु विभिन्न स्टेशनों पर पर्याप्त संख्या में टिकट काउंटर उपलब्ध कराए गए हैं।

इन विशेष ट्रेनों के विस्तृत समय-सारणी एवं ठहराव की जानकारी शीघ्र ही प्रदान की जाएगी।

महाराष्ट्र सरकार 1,500 करोड़ के चार वर्षीय बॉन्ड बेचेगी

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र सरकार 6.90 प्रतिशत महाराष्ट्र सरकार बॉन्ड 2030 (जारी तिथि 4 फरवरी 2026) के तहत कुल 1,500 करोड़ के चार वर्ष की परिपक्वता वाले बॉन्ड की बिक्री करेगी। यह बिक्री राज्य सरकार की संशोधित अधिसूचना में उल्लिखित नियम एवं शर्तों के अधीन होगी। इस ऋण से प्राप्त राशि का उपयोग सरकार के विकास कार्यों के वित्तपोषण के लिए किया जाएगा। यह जानकारी वित्त विभाग के सचिव विकास चंद्र रस्तोगी ने एक प्रेस विज्ञप्ति में दी।

गैर-प्रतिस्पर्धी नीलामी पद्धति (संशोधित) के अनुसार, अधिसूचित कुल सरकारी ऋण प्रतिभूतियों की राशि का 10 प्रतिशत पात्र व्यक्तिगत एवं संस्थागत निवेशकों को आवंटित किया जाएगा। हालांकि, किसी एक निवेशक को कुल अधिसूचित राशि का अधिकतम 1 प्रतिशत ही आवंटित किया जाएगा।

यह नीलामी भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा 10 फरवरी 2026 को बैंक के फोर्ट, मुंबई स्थित कार्यालय में आयोजित की जाएगी। नीलामी के लिए बोलियां 10 फरवरी 2026 को आरबीआई की कोर बैंकिंग सॉल्यूशन (ई-कुबेर) कंप्यूटरीकृत प्रणाली के माध्यम से प्रस्तुत की जानी होंगी। प्रतिस्पर्धी बोलियां सुबह 10:30 बजे से 11:30 बजे तक ई-कुबेर प्रणाली के माध्यम से स्वीकार की जाएंगी, जबकि गैर-प्रतिस्पर्धी बोलियां सुबह 10:30 बजे से 11:00 बजे तक प्रस्तुत की जा सकेंगी। नीलामी के परिणाम उसी दिन भारतीय रिज़र्व बैंक की वेबसाइट पर प्रकाशित किए जाएंगे। सफल बोलीदाताओं द्वारा राशि का भुगतान 11 फरवरी 2026 को नकद, बैंकर्स चेक/पे-ऑर्डर, डिमांड ड्राफ्ट अथवा भारतीय रिज़र्व बैंक, मुंबई में उनके खाते पर आहरित चेक के माध्यम से बैंक के कार्य समय समाप्त होने से पहले किया जाएगा।

इन बॉन्ड की अवधि चार वर्ष होगी। बॉन्ड की शुरुआत 4 फरवरी 2026 से होगी और इसका पूर्ण भुगतान 4 फरवरी 2030 को किया जाएगा। ब्याज दर 6.90 प्रतिशत प्रति वर्ष होगी, जिसमें 100 प्रतिशत कूपन दर लागू रहेगी। ब्याज का भुगतान प्रत्येक वर्ष 4 अगस्त और 4 फरवरी को अर्धवार्षिक रूप से किया जाएगा। वित्त विभाग ने बताया कि बैंकों द्वारा इन सरकारी प्रतिभूतियों में किया गया निवेश बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 24 के अंतर्गत वैधानिक तरलता अनुपात के उद्देश्य से पात्र माना जाएगा। ये प्रतिभूतियां पुनः बिक्री एवं खरीद के लिए भी मान्य होंगी।

सम्पादकीय

बंगाल, ममता बनर्जी और मतदाता सूची, सुप्रीम कोर्ट की नजर में क्या है चुनाव आयोग की प्रक्रिया

निर्वाचन आयोग की ओर से मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर उठ रहे सवालों का सिलसिला थम नहीं रहा है। बिहार से शुरू हुआ विवाद उत्तर प्रदेश से होकर अब पश्चिम बंगाल में केंद्रित हो गया है। पुनरीक्षण प्रक्रिया का मकसद मतदाता सूची से अपात्र लोगों को बाहर करना है, जिनमें स्थान बदलने वाले नागरिक या जिनकी मौत हो चुकी है या फिर गलत तरीके से नाम दर्ज कराने वाले लोग शामिल हो सकते हैं। चुनाव में शुचिता सुनिश्चित करने के लिए इस कवायद को जरूरी माना गया है और इस पर किसी को आपत्ति नहीं होगी, मगर इसमें सबसे महत्त्वपूर्ण पहलू है पारदर्शिता और निष्पक्षता का।

विभिन्न राज्यों में इस प्रक्रिया के तहत मसविदा मतदाता सूची से जितनी बड़ी संख्या में लोगों के नाम बाहर होने के दावे किए जा रहे हैं, उससे आम नागरिकों के मन में कई तरह की आशंकाएं पैदा हो गई हैं। इससे संबंधित मामले में पश्चिम बंगाल सरकार ने बुधवार को सर्वोच्च न्यायालय में अपना पक्ष रखते हुए आरोप लगाया कि राज्य के लोगों के अधिकारों का हनन हो रहा है। इस पर शीर्ष अदालत ने कहा कि हर समस्या का समाधान होता है और हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि कोई भी पात्र व्यक्ति मताधिकार से वंचित न रहे।

गौरतलब है कि पुनरीक्षण की प्रक्रिया के दौरान बड़ी संख्या में ऐसी शिकायतें सामने आई हैं कि नागरिकों के नाम मनमाने तरीके से मतदाता सूची से बाहर कर दिए गए और उन्हें इस संबंध में कारणों की जानकारी भी नहीं दी गई। ऐसे में निर्वाचन आयोग की इस प्रक्रिया में मतदाता सूची से बाहर होने वाले लोगों को समय पर सूचित करने और उन्हें अपनी पात्रता साबित करने के पर्याप्त अवसर देने को लेकर सवाल उठना स्वाभाविक है।

जाहिर है, अगर पुनरीक्षण को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने को प्राथमिकता दी जाती, तो संभवतः अनावश्यक विवाद खड़े नहीं होते। इससे पहले भी सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के संदर्भ में स्पष्ट निर्देश दिया था कि इस पूरी प्रक्रिया में तार्किक विसंगतियों की श्रेणी में रखे गए मतदाताओं का सत्यापन पारदर्शी ढंग से होना चाहिए, ताकि इससे नागरिकों को किसी भी तरह की असुविधा या तनाव न हो।

पश्चिम बंगाल सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय में दलील दी कि निर्वाचन आयोग को तार्किक विसंगति सूची में नामों का उल्लेख करने के कारणों को तत्काल सार्वजनिक करना चाहिए, ताकि संबंधित व्यक्ति यह जान सके कि गड़बड़ कहां हुआ है और उसमें अपेक्षित सुधार किया जा सके। दावा किया जा रहा है कि राज्य में नाम, उपनाम या आयु में गड़बड़ी को लेकर अब तक 1.36 करोड़ लोगों को तार्किक विसंगतियों के उल्लंघन के लिए नोटिस जारी किए जा चुके हैं।

इस पर शीर्ष अदालत ने बांग्ला भाषा में बोलचाल का जिक्र करते हुए कहा कि कभी-कभी इसकी वजह से भी नामों की वर्तनी गलत हो जाती है, लेकिन पात्र व्यक्तियों का मतदाता सूची में बने रहना जरूरी है। सवाल है कि विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने का जो काम निर्वाचन आयोग को खुद अपने स्तर पर शामिल करना चाहिए था, उस संबंध में न्यायालय को निर्देश देने की जरूरत क्यों पड़ रही है। ऐसे में यह सुनिश्चित करने की नितांत आवश्यकता है कि कोई भी पात्र व्यक्ति मतदाता सूची से बाहर न हो, ताकि निर्वाचन आयोग पर आम लोगों का भरोसा पूरी तरह कायम रहे।

ईरान की त्रासदी से सोशल मीडिया तक हमारी सोच और सच को कैसे गढ़ रहा है एल्गोरिदम

आज का समय तकनीक का है और इसका मौन एवं सबसे प्रभावशाली चेहरा है 'एल्गोरिदम'। यह मशीनी तंत्र हमारी पसंद, जिज्ञासा और यहां तक कि हमारे 'ज्ञान' को भी आकार देने लगा है। इंटरनेट की दुनिया में हम जो कुछ देखते हैं, पढ़ते हैं और साझा करते हैं, वह बहुत हद तक उन्हीं गणनात्मक सूत्रों से छनकर आता है, जिन्हें हम न तो देखते हैं, न ही समझ पाते हैं। बीते कुछ वर्षों में स्मार्टफोन और सस्ते इंटरनेट के रूप में लोगों के हाथ में एक अभूतपूर्व शक्ति के साथ अदृश्य खतरा भी आया है, जिसने हमारे ज्ञान की धारा को ही बदलना शुरू कर दिया है। युवा और बच्चे आज सूचना के महासागर में डूबे हैं, लेकिन समस्या यह है कि वे अपने हिस्से की जानकारी उसी छोटे-सी जगह में पाते हैं, जिसे तकनीक उनके लिए चुन लेती है। उन्हें लगता है कि वे स्वतंत्र रूप से ज्ञान एवं सूचना खोज रहे हैं, जबकि वास्तविकता यह है कि वे एक ऐसे डिजिटल गलियारे में चल रहे होते हैं, जिसमें रास्ता किसी और ने तय किया होता है।

सबसे बड़ी चिंता यह है कि नई पीढ़ी इंटरनेट पर दिखाई देने वाली जानकारी को सत्य या वस्तुनिष्ठ मानने लगी है। पहले का समय ऐसा था, जब किसी बात को सही साबित करने के लिए पुस्तकें खंगालनी पड़ती थीं, विशेषज्ञों से संवाद करना पड़ता था या शोधपत्र ढूंढने पड़ते थे। अब गूगल सर्च, यू-ट्यूब वीडियो या रील किसी भी 'तथ्य' की खोज के कारगर विकल्प माने जाने लगे हैं। बच्चे यह मानकर चलते हैं कि जो स्क्रीन पर दिख रहा है, वही अंतिम सच है। जबकि स्क्रीन किसी विशेष झुकाव या विपणन के उद्देश्य से वही चीजें दिखा रही होती है, जो उन्हें दिखानी हैं।

ईरान में एक ऐसी ही घटना खासी चर्चा में रही है। वहां महामारी के शुरुआती चरण में यह अफवाह फैली थी कि शराब

का सेवन शरीर में संबंधित विषाणु को मार देगा। मीडिया रपटों के अनुसार, इस अफवाह की वजह से कई लोगों की विषाक्त मिथाइल-अल्कोहल पीने से मौत हो गई और कई लोगों की आंखों की रोशनी चली गई। यह घटना दर्शाती है कि जब गलत जानकारी या सुझाव समाज में व्यापक स्तर पर फैलता है, तो उसका मानव जीवन पर कितना गहरा असर हो सकता है।

दरअसल, सोशल मीडिया के 'एल्गोरिदम' इस तरह डिजाइन किए जाते हैं कि वे हमें वही दिखाएं, जो हम पहले से पसंद करते हैं या जिसके समर्थन में हमने पहले कोई संकेत दिया हो। यह प्रक्रिया इतनी बार और इतनी सहजता से होती है कि फर्क धीरे-धीरे खत्म हो जाता है। अगर कोई व्यक्ति किसी मुद्दे पर पहली बार कुछ एकतरफा सामग्री देखता है, तो वह मंच भविष्य में उसे उसी तरह की और अधिक सामग्री दिखाने लगता है। देखने वाले को यह भ्रम होने लगता है कि ज्यादातर लोग उसी तरह सोचते होंगे, जैसे उसके मोबाइल की स्क्रीन पर दिखता है।

बच्चों में यह समस्या और गहरी है, क्योंकि उनकी दुनिया नई, संवेदनशील और आसानी से प्रभावित होने वाली होती है। वे तथ्य और राय के फर्क को समझना अभी सीख ही रहे होते हैं। यह समय उनके लिए तर्क, विवेक और विश्लेषण की क्षमता विकसित करने का होता है। मगर वास्तविकता यह है कि आज के डिजिटल मंच बच्चों को विश्लेषण नहीं, बस उपभोग सिखाते हैं। वे लंबे लेख पढ़ने की बजाय रील्स और छोटे वीडियो पर अधिक निर्भर हो जाते हैं। उनकी धैर्यशीलता कम होती जाती है और वे 'तेज जवाब' तथा 'तुरंत ज्ञान' के आदी हो जाते हैं। यह ज्ञान अर्जित करना नहीं, बल्कि सूचना की लत है और दोनों में फर्क को समझना बेहद जरूरी है।

'एल्गोरिदम' में ज्ञान के रास्ते को प्रभावित करने का एक और तरीका यह है कि वह हमें ऐसी सामग्री से दूर ले जाता है, जो हमारी सोच को चुनौती दे सकता है। किसी भी स्वस्थ लोकतंत्र में असहमति, मतभेद और विविध विचार बेहद महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मगर सोशल मीडिया ने इस बहस को सुविधा की बहस में बदल दिया है। हम केवल वही पढ़ते हैं, जो हमें 'सुखद' लगता है। संघर्षपूर्ण विचार, चुनौती देने वाली सूचना या असुविधाजनक सच हमसे दूर ले जाया जाता है।

भारतीय ज्ञान परंपरा में गुरु की भूमिका केवल सूचना देने की नहीं, बल्कि शिष्य की चेतना को जाग्रत करने की होती थी। मगर आज 'एल्गोरिदम' एक मौन गुरु की तरह काम कर रहा है, जो प्रश्न नहीं, केवल उत्तर देता है; वह भी वही, जो सुविधाजनक हो। यही सबसे गहरी चिंता है। बच्चे परीक्षा की तैयारी के लिए यू-ट्यूब पर पहले से तैयार सारांश खोजते हैं। एक डाक्टर या इंजीनियरिंग का सपना देखने वाला छात्र भी किसी वीडियो को देखकर मान बैठता है कि यही रास्ता सही है। यहां तक कि स्वास्थ्य, इतिहास और विज्ञान जैसे गंभीर विषय भी 'दो मिनट के ज्ञान' में समेट दिए गए हैं।

हमें यह भी समझना होगा कि 'एल्गोरिदम' सिर्फ उपभोक्ता व्यवहार से संचालित नहीं होता; वह निगमित हितों, विज्ञापनों और बाजार विश्लेषण के आधार पर भी काम करता है। किसी उत्पाद, विचार या राजनीतिक एजंडे को बढ़ावा देने के लिए इस मशीनी तंत्र का इस्तेमाल लगातार बढ़ रहा है। इससे जानकारी की निष्पक्षता खत्म होती है और युवा अनजाने में प्रचारित विचारों के वाहक बन जाते हैं। कभी-कभी उन्हें लगता है कि वे नई खोज कर रहे हैं, जबकि वे केवल बाजार या किसी विचारधारा की ओर से परोसे गए तथ्य को दोहरा रहे होते हैं।

सोशल मीडिया अब केवल वैचारिक मंच नहीं, बल्कि हमारी सोच, पसंद और राय को आकार देने वाली शक्ति बन चुका है। इस अत्यधिक सूचना प्रवाह में सच और भ्रम तथा तथ्य और अफवाह के बीच की रेखा धुंधली होती जा रही है। यह परिदृश्य हमें केवल आंकड़ों से नहीं, बल्कि इस चेतावनी से भी अवगत कराता है कि मीडिया साक्षरता, आलोचनात्मक विवेक और तथ्य-जांच के बिना यह डिजिटल शक्ति समाज को सशक्त करने के बजाय दिशाहीन भी कर सकती है।

ऐसे दौर में आवश्यक है कि हम 'डिजिटल साक्षरता' को सिर्फ कंप्यूटर चलाने की क्षमता न मानें, बल्कि इसे आलोचनात्मक सोच, स्रोतों की जांच और तथ्य की सत्यता को परखने की क्षमता से जोड़ें। स्कूलों में बच्चों को यह सिखाया जाना चाहिए कि इंटरनेट पर दिखने वाला हर वीडियो ज्ञान नहीं होता और हर खोज का नतीजा सही नहीं होता। उन्हें यह भी समझना होगा कि किसी विषय पर अलग-अलग दृष्टिकोण रखना क्यों जरूरी है।

युवा पीढ़ी में भी यह जागरूकता पैदा करने की जरूरत है कि उनकी सूचना का रास्ता उनके हाथ में नहीं होता, बल्कि किसी मशीन द्वारा नियंत्रित होता है। यह स्वीकार करना ही पहला कदम है। दूसरा कदम है उस नियंत्रण से बाहर निकलने की कोशिश करना। इसका अर्थ यह है कि हम विविध स्रोतों को पढ़ें, अलग-अलग विचार सुनें, किताबों और पत्रिकाओं की ओर लौटें, विशेषज्ञों से संवाद करें और सबसे बढ़कर यह समझें कि 'ज्ञान' और 'सूचना' दो अलग-अलग चीजें हैं। स्क्रीन के उस पार मौजूद दुनिया जितनी आकर्षक है, उतनी ही भ्रामक भी है। ज्ञान की खोज एक यात्रा है, जो धीमी, गहरी और निरंतर चलती है। यदि हमने यह संतुलन नहीं सीखा, तो तकनीक हमारे लिए एक साधन नहीं, बल्कि हमारी सोच को नियंत्रित करने वाली ताकत बनकर रह जाएगी।

एक डाल, दो पक्षी और भीतर का संवाद शोर भरी जिंदगी में पक्षियों से मिलने वाला मौन सुकून

सुबह का समय है, शहर पूरी तरह जागा नहीं है, लेकिन किसी अनदेखे पेड़ की डाल से चहचहाहट बह रही है। क्या यह केवल पक्षियों की आवाज होगी, या फिर ऐसा लगता है कि प्रकृति हमसे संवाद करना चाहती है। यकीन किया जा सकता है कि इस कोलाहल भरी दुनिया में, जहां हर क्षण शोर, सूचना और जल्दबाजी से भरा है, पक्षियों को सुनना, उन्हें निहारना एक मौन उत्सव है। आज का मनुष्य निरंतर दौड़ में है। उसे हर पल कहीं पहुंचना है, अंगुलियां मोबाइल की स्क्रीन पर फिसलती रहती हैं और आंखें नीली रोशनी में उलझी रहती हैं। ऐसे समय में, आकाश में फड़फड़ाते खग हमें ठहरना सिखाते हैं। पक्षी न बीते कल का बोझ ढोते हैं, न आने वाले कल की चिंता करते हैं। शायद सुनने में यह अजीब लगे, लेकिन पक्षियों को निहारना मानसिक तनाव को दूर करने में एक थेरेपी की तरह कार्य करता है। पक्षियों के क्रियाकलाप का अवलोकन एक सम्मोहन की तरह मन पर असर करता है।

जब आंखें रंगीन पंखों पर ठहरती हैं, चिड़िया की छोटी-सी फुदकन, उसकी गर्दन का हल्का-सा झुकाव, दाने की तलाश में इधर-उधर होती उसकी चंचल दृष्टि- ये सभी दृश्य मिलकर गहरे ध्यान का एक सहज रूप रचते हैं। यह वह ध्यान है, जिसमें कोई यम-नियम नहीं, कोई आसन नहीं, कोई सांसों का अभ्यास नहीं, बस देखने की फुरसत हो, तो मन जैसे किसी पृथक लोक का वासी हो जाता है, जैसे मनुष्य और प्रकृति के बीच कोई पुराना संबंध फिर से जाग उठा हो।

उपनिषदों में एक सांकेतिक कहानी आती है। एक ही वृक्ष पर दो पक्षी बैठे हैं। नीचे की डाल पर बैठा पक्षी (मनुष्य) फल खाते-खाते ऊपर पहुंचता है और पाता है दूसरा पक्षी (ईश्वर), तो वह स्वयं ही है। यह जीवात्मा और परमात्मा के बीच संबंध का प्रतीक है। यह कथा अपने आप में संपूर्ण है, यह जताने के लिए अपने अंदर के खग को टटोला जाए और प्रकृति के खग से उसका संवाद स्थापित किया जाए। फिर देखा जा सकता है कि कायापलट हो, न हो, मन-पलट अवश्य ही हो जाएगा।

भारतीय परंपरा में पक्षी दूर रहने वाले पक्षी नहीं हैं। वे मित्र हैं। वे ऋतुओं के आगमन का संकेत देते हैं। हमारे संदेश पहुंचाते हैं। जटायु के रूप में रक्षा करते हैं। जोड़े के रूप में जब अमरनाथ की गुफा में चिर निवास करते हैं, तो पूजे जाते हैं। लक्ष्मी का वाहन एक पक्षी है, पितर पक्षी के रूप में भोग लगाने आते हैं, राष्ट्रीय पक्षी मोर है।

सैमुअल टेलर कोलरिज द्वारा रचित 'द राइम आफ द एन्शिएंट मैरिनर' एक वृद्ध नाविक की कहानी है, जो बताता है कि कैसे उसने बिना वजह एक शुभ पक्षी 'अल्बाट्रास' को मार डाला। नाविक द्वारा पक्षी को मारने के बाद, उसका जहाज दक्षिणी ध्रुव के बर्फीले इलाके में फंस जाता है, जहां पीने लायक पानी उपलब्ध नहीं है। नाविक के साथी उसे दोषी मानकर उसके गले में मृत पक्षी लटका देते हैं। सभी साथी मर जाते हैं, सिवाय नाविक के। नाविक को जीवन भर अपनी कहानी सुनाकर प्रायश्चित करने का शाप मिलता है। नाविक को अपने कृत्य का अहसास होता है और वह ईश्वर की सभी रचनाओं के प्रति प्रेम और सम्मान सीखता है। मानव और पक्षी के बीच के संबंध को बताने वाली इससे सुंदर कोई गाथा नहीं।

आज भी अगर आत्मशुद्धि की किसी थेरेपी में धन खर्च करने की सामर्थ्य न हो, तो किसी भी पार्क या पक्षी-विहार में चले जाना चाहिए। पक्षियों को निहारना धैर्य सिखाता है। उनकी चुहलबाजी हमें सम्मोहित कर लेती है। अंतःकरण की नकारात्मकता प्रक्षालित होने लगती है। पंख फैलाकर नृत्य करते मयूर को देखकर किसकी ध्यानावस्था सहज नहीं लग जाएगी? पक्षियों की चहचहाहट में कोई उपदेश नहीं होता, फिर भी वह बहुत कुछ सिखा जाती है। वह बताती है कि आनंद पाना जटिल प्रक्रिया नहीं है। मन का अच्छा होना, किसी बड़ी उपलब्धि पर निर्भर नहीं करता, कभी-कभी यह अनमोल अनुभूति बस डाल पर बैठे एक परिंदे के रूप में सामने आ जाती है।

पक्षियों को निहारना हमें यह भी याद दिलाता है कि हम इस धरती के अकेले उपभोगी नहीं हैं। हम एक विशाल जीवन-जाल का हिस्सा हैं, जहां हर जीव का अपना स्थान है, अपनी भूमिका है। यह अनुभूति मनुष्य के भीतर करुणा जगाती है। वह उसे विनम्र बनाती है, उसे उसकी सीमाओं और जिम्मेदारियों का बोध कराती है। जब हम किसी छोटे से पक्षी के जीवन को ध्यान से देखते हैं, तो जीवन के प्रति हमारा दृष्टिकोण भी थोड़ा कोमल हो जाता है।

आज जब अकेलापन एक आम अनुभव बनता जा रहा है, तो पक्षियों के साथ यह मौन संगति एक सहारा बन सकती है। वे हमारे दुख नहीं पूछते, हमारी सफलताओं से प्रभावित नहीं होते, फिर भी हमारे साथ होते हैं- एक चिकित्सक की तरह। और इसके लिए किसी विशेष भारी-भरकम तैयारी की आवश्यकता भी नहीं होती। किसी पक्षी विहार में नहीं जाया जा सकता हो, तो बस अपने कमरे की खिड़की खोल लेना चाहिए, बालकनी में खड़े हो जाना चाहिए, नजदीक के किसी पार्क में चले जाना चाहिए, छत पर कुछ देर रुक जाना चाहिए या फिर किसी पेड़ के नीचे बैठ जाना चाहिए। संभव है कि वहीं कहीं किसी डाली पर बैठा, किसी पत्ते के पीछे छिपा हमारा प्राकृतिक चिकित्सक आपकी प्रतीक्षा कर रहा हो।

जब एआई की भूख धरती से टकराई, क्या डेटा सेंटर अब अंतरिक्ष की ओर भागेंगे?

कृत्रिम मेधा (एआइ) जिस तेजी से हमारी रोजमर्रा की जिंदगी पर कब्जा कर रही है, उसने सुविधाओं और चमत्कारों के साथ एक बुनियादी सवाल भी हमारे सामने रख दिया है। सवाल यह है कि इस तकनीकी उछाल को बनाए रखने के लिए बिजली कहां से आएगी? एआइ अब किसी मोबाइल ऐप या 'चैटबाट' तक सीमित नहीं रही। वह अस्पतालों में उपचार को समझने से लेकर समाधान में सहयोग दे रही है। दफ्तरों में निगरानी का यह औजार बन चुकी है। यहां तक कि सरकारी नीतियों की दिशा तय करने में शामिल हो रही है। स्थिति यह है कि आने वाले वर्षों में रोजगार, शिक्षा और सुरक्षा की शक्ल बदलने वाली है। मगर जिस 'स्मार्ट भविष्य' का वादा किया जा रहा है, उसकी बुनियाद ऊर्जा पर टिकी है। आज वही सबसे कमजोर कड़ी बनती जा रही है।

दरअसल, एआइ की असली ताकत बड़े-बड़े डेटा केंद्र हैं। ये ऐसे 'बिजलीखोर' कारखाने हैं जो चौबीस घंटे चलते हैं। इसके लिए हजारों कंप्यूटर, लगातार गणना, और उन्हें ठंडा रखने के लिए बेहिसाब पानी और बिजली चाहिए। आज एक बड़ा डेटा केंद्र उतनी बिजली खा जाता है जितना कि एक छोटा शहर। भारत में, जहां बिजली और पानी पहले ही सीमित संसाधन हैं, यह दबाव और गंभीर हो जाता है।

विडंबना यह है कि जिस एआइ को भविष्य की हर समस्या का समाधान बताया जा रहा है, वह खुद पर्यावरण और ऊर्जा संकट को गहरा कर रहा है। ज्यादातर डेटा केंद्र आज भी कोयला, गैस और तेल से बनी बिजली पर चलते हैं। यानी एआइ जितना 'स्मार्ट' बन रहा है, उतना ही कार्बन उत्सर्जन भी बढ़ा रहा है। ऐसे में यह सवाल बिल्कुल जायज है कि क्या हम एक समस्या हल करने के प्रयास में, दूसरी बड़ी समस्या तो नहीं पैदा कर रहे?

जब जमीन पर बने डेटा केंद्र बिजली और पानी इस कदर गटकने लगे तो कई गंभीर सवाल उठे। बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियों ने चौंकाने वाला एक विचार उछाल दिया। इन्हें धरती से हटा कर अंतरिक्ष में भेज दिया जाए। दलील है कि वहां सूरज चौबीस घंटे चमकता है, तो सोलर पैनल लगातार बिजली देंगे। ऐसे में न मौसम की मार होगी, न पानी की जरूरत। यह सारी परेशानियों का जादुई हल लगता है, लेकिन सच तो यह है कि यह समाधान नहीं, बल्कि पलायन है। बड़ी कंपनियां इस दिशा में सोच रही हैं। इसरो भी इस पर अध्ययन कर रहा है। सवाल यह नहीं कि डेटा केंद्र कहां रखें, बल्कि यह है कि बिजली की उनकी बेलगाम भूख को कौन रोकेगा।

गूगल का 'प्रोजेक्ट सन कैचर' इसी सोच पर आधारित है कि अगर उपग्रहों को बेहद सधे और समन्वित ढंग से एक समूह में चलाया जाए, तो एआइ से जुड़ा भारी गणनात्मक कार्य अंतरिक्ष में ही किया जा सकता है और धरती तक केवल जरूरी नतीजे ही भेजे जाएं। ठीक वैसे, जैसे मोबाइल पर हम सवाल पूछते हैं, लेकिन गणना कहीं और होती है। मगर यह रास्ता आसान नहीं है, क्योंकि अंतरिक्ष का विकिरण कंप्यूटर चिप्स को नुकसान पहुंचा सकता है। मगर गूगल का दावा है कि उसकी एआइ चिप्स ने अब तक के परीक्षणों में कहीं ज्यादा विकिरण झेली है, फिर भी उसने सही ढंग से काम किया है। हालांकि प्रयोगशाला की सफलता और हकीकत के बीच अब भी बड़ा फासला है। दरअसल, डेटा केंद्र को हर समय देखभाल और मरम्मत चाहिए। धरती पर मशीन खराब हो जाए, तो इंजीनियर जाकर ठीक कर देता है, लेकिन अंतरिक्ष में यह न आसान होगा, न सस्ता। एक बार मशीन ऊपर भेज दी गई, तो उसे बदलना या सुधारना बहुत महंगा पड़ेगा। धरती पर मशीनों को ठंडा रखने की व्यवस्था की जाती है। अंतरिक्ष में हवा नहीं होती, इसलिए वहां गर्मी को बाहर निकालना बहुत मुश्किल होगा। जबकि सूरज की तेज गर्मी लगातार पड़ती रहेगी।

अंतरिक्ष में डेटा केंद्र तभी संभव होंगे जब उनकी कुल लागत शोध, उपग्रह भेजने, खराब मशीनों को बदलने काम धरती पर बने केंद्रों से ज्यादा महंगी न पड़े। ऐसे प्रयोग हमेशा सफल नहीं होते। इसके पहले माइक्रोसाफ्ट ने समुद्र के नीचे डेटा केंद्र बनाने का प्रयोग किया था, ताकि ठंड की समस्या हल हो सके। शुरुआत में यह प्रयोग काफी उम्मीद जगाने वाला था, लेकिन अंत में कंपनी ने इसे छोड़ दिया। इससे यह साफ होता है कि हर नई तकनीक अंततः व्यावहारिक साबित हो, यह जरूरी नहीं। कुछ साल पहले शायद ही किसी ने सोचा होगा कि स्टारलिंक जैसे उपग्रह इतने बड़े पैमाने पर काम कर पाएंगे। आज वे दुनिया के कई हिस्सों में इंटरनेट दे रहे हैं। इसलिए अंतरिक्ष डेटा केंद्र के विचार को पूरी तरह नकारना भी जल्दबाजी होगी। लेकिन सच तो यह है कि यह कोई समाधान नहीं, बल्कि बचने का एक रास्ता है।

असल सवाल यह नहीं है कि डेटा केंद्र बेतहाशा बढ़ क्यों रहे हैं? गांवों-कस्बों में लोग बिजली कटौती झेल रहे हैं, खेतों के लिए पानी नहीं मिल रहा और शहरों में मशीनें चौबीस घंटे बिजली फूंक रही हैं। ऐसे में उन्हें आसमान में भेज देने से समस्या खत्म नहीं होगी, बस नजर से ओझल हो जाएगी। धरती पर पैदा की गई मुसीबत का जवाब अगर अंतरिक्ष में ढूंढ़ा जाएगा, तो यह तरक्की नहीं, जिम्मेदारी से मुंह मोड़ना ही कहलाएगा। जब तक एआइ की ऊर्जा भूख को काबू में करने की ईमानदार कोशिश नहीं होगी, तब तक 'स्मार्ट भविष्य' आम लोगों के लिए राहत नहीं, बल्कि एक और बोझ ही साबित होगा।

आज भी किसी मशीन को अंतरिक्ष में भेजना बेहद महंगा है। डेटा केंद्र कोई छोटा उपग्रह नहीं, बल्कि भारी और जटिल ढांचे होते हैं, जिन्हें लगातार मरम्मत चाहिए। विकिरण और तापमान से बचाने के लिए अलग तकनीक चाहिए, यानी अरबों-खरबों का निवेश। ऐसे में सवाल यह है कि इसकी कीमत कौन चुकाएगा, जनता, उपभोक्ता या सरकार? दूसरा बड़ा सवाल सुरक्षा का है। धरती पर 'सर्वर' खराब हो, तो उसे ठीक किया जा सकता है। अंतरिक्ष में हर खराबी जोखिम बन जाती है। ऊपर पहले से ही मलबा भरा है। ऐसे में विशाल डेटा केंद्र भी टकराव का खतरा बनेंगे और फिर एक हादसे से पूरी व्यवस्था ठप हो सकती है।

तीसरा और सबसे जरूरी सवाल आम आदमी का है। इससे उसकी बिजली सस्ती होगी या बिल और बढ़ेंगे? पर्यावरण बचेगा या अंतरिक्ष भी कंपनियों की प्रयोगशाला बन जाएगा? डर यह है कि अंतरिक्ष में डेटा केंद्र का मतलब होगा- कुछ गिने-चुने हाथों में और ज्यादा ताकत तथा आम लोगों से और दूरी।

असल सवाल यह नहीं है कि डेटा केंद्र अंतरिक्ष में बनाए जा सकते हैं या नहीं, बल्कि यह है कि हम धरती पर गलत तकनीकी आदतें सुधारना चाहते हैं या नहीं। एआइ को कम बिजली पर चलने वाला बनाना, बेहतर चिप विकसित करना और सौर-पवन जैसी ऊर्जा अपनाना कहीं अधिक व्यावहारिक रास्ता है। एआइ इंसान की बनाई तकनीक है, जिसकी रफ्तार और सीमा तय करना हमारे ही हाथ में है। अगर हर नया माडल पहले से कई गुना अधिक बिजली मांगता है, तो यह तरक्की नहीं, चेतावनी है। अंतरिक्ष में डेटा केंद्र का विचार इसी चेतावनी का संकेत है कि संतुलन न बना, तो भविष्य महंगा और जोखिम भरा होगा।

दरअसल, एआइ की तेज होती रफ्तार अब धरती की सीमाओं से टकराने लगी है। बिजली, पानी और पर्यावरण पर बढ़ता दबाव बड़ी तकनीकी कंपनियों को अंतरिक्ष की ओर देखने के लिए मजबूर कर रहा है। अंतरिक्ष में डेटा केंद्र का विचार इसी बेचैनी की उपज है। यह तकनीकी कल्पना जितनी आकर्षक दिखती है, उतने ही गहरे सवाल भी खड़े करती है- लागत, सुरक्षा और नियंत्रण का। असली चुनौती यह है कि एआइ की बढ़ती ऊर्जा भूख पर लगाम कैसे लगे। अगर तकनीक आम लोगों की जिंदगी आसान करने के बजाय संसाधनों पर बोझ बनने लगे, तो दिशा पर फिर से सोचने की जरूरत है। ऐसे में भविष्य आसमान में नहीं, समझदारी में छिपा है।

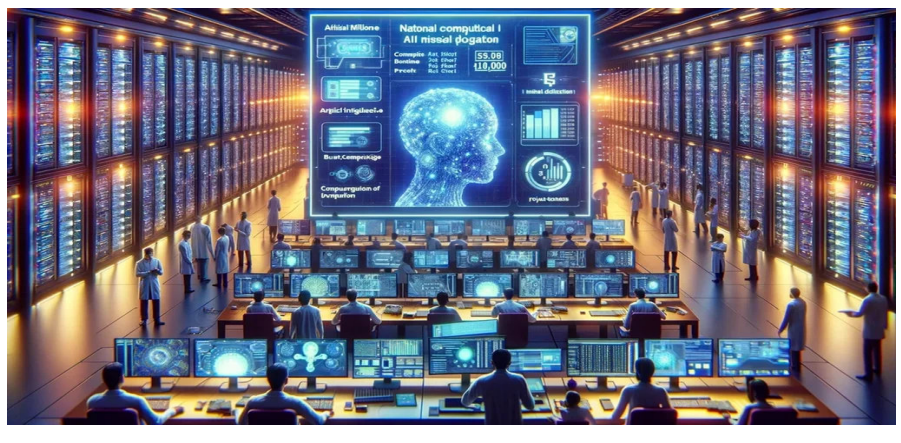

परीक्षा में शामिल होगे 195912 परीक्षार्थी, 11 संवेदनशील, आठ अतिसंवेदनशील परीक्षा केंद्र

यूपी बोर्ड के हाईस्कूल, इण्टर के परीक्षा की तैयारियां पूरी : डीआईओएस

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। एशिया की सबसे बड़ी परीक्षा संस्था उप्र माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षाएं 18 फरवरी से शुरू हो रही हैं। बोर्ड परीक्षाएं नकल विहीन और पारदर्शी ढंग से कराए जाने को लेकर यूपी बोर्ड ने खास इंतजाम किए हैं। यूपी बोर्ड ने प्रिंटिंग प्रेस में छपाए गए प्रश्न पत्र और उत्तर पुस्तिकाएं जिलों में भेजा रही हैं। हर जिले में जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) की मौजूदगी में जनपद मुख्यालय पर बनाए गए स्ट्रांग रूम में प्रश्न पत्रों और उत्तर पुस्तिकाओं को रखा जा रहा है। इसके बाद परीक्षा से पहले हर परीक्षा केंद्रों पर इसे कड़ी सुरक्षा में भेजा जाएगा।

प्रयागराज जिले में बोर्ड परीक्षा के लिए राजकीय इंटरमीडिएट कॉलेज में स्ट्रांग रूम बनाया गया है। जीआईसी में डीआईओएस पीएन सिंह अन्य मातहत अधिकारियों एडीआईओएस की मौजूदगी में प्रश्न पत्रों और कापियों को सुरक्षित रखा जा रहा है।

डीआईओएस पी एन सिंह ने बताया कि प्रयागराज जिले में कुल 333 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। बोर्ड परीक्षा के मद्देनजर जिले को 8 जोन 33 सेक्टरों में बांटा गया है। सेक्टर और जोनल मजिस्ट्रेट की तैनाती की गई है। जिले में आठ सचल दल बनाए गए हैं। सचल दलों में कार्मिकों की नियुक्ति भी कर दी गई है। डीआईओएस ने बताया कि डीएम से अनुमति प्राप्त कर प्रश्न पत्रों और कापियों को परीक्षा केंद्रों पर पहुंचने का कार्य करेंगे। उन्होंने कहा है कि 10 फरवरी से प्रश्न पत्र और उत्तर पुस्तिकाएं जिले के परीक्षा केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा के बीच भेजाएंगी।

डीआईओएस पी एन सिंह ने बताया कि प्रयागराज जिले में हाई स्कूल और इंटरमीडिएट में कुल मिलाकर 195912 परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित हो रहे हैं। जिले में 11 संवेदनशील और आठ अतिसंवेदनशील परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। डीआईओएस ने बताया कि जिले में यूपी बोर्ड परीक्षा को

लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। परीक्षा केंद्रों पर प्रश्न पत्रों की रांग ओपनिंग ना हो इसको लेकर भी खास इंतजाम किए जा रहे हैं। डीआईओएस के स्तर पर केंद्र व्यवस्थापकों के साथ एक बैठक भी हो चुकी है। एक बैठक डीएम की अध्यक्षता में जल्द होनी है। जिसमें यूपी बोर्ड की विस्तृत गाइडलाइन के तहत केंद्र व्यवस्थापकों और मजिस्ट्रेट को ट्रेनिंग दी जाएगी। इसके अलावा डीआईओएस दफ्तर में कंट्रोल रूम बना दिया गया है। डीआईओएस ने बताया कि उन्होंने अपना मोबाइल नंबर भी जारी कर दिया है। बोर्ड परीक्षा को लेकर अगर किसी तरह की समस्या है तो 24 घंटे कोई भी फोन पर संपर्क कर समाधान प्राप्त कर सकता है। डीआईओएस पीएन सिंह ने बताया कि परीक्षा केंद्रों पर भी प्रश्न पत्र और कॉपियां स्ट्रांग रूम में रखी जाएंगी। स्ट्रांग रूम में डबल लॉक अलमारी में प्रश्न पत्र और उत्तर पुस्तिकाएं रखी जाएगी। उन्होंने कहा है कि प्रश्न पत्र 5 से 7 कवरिंग में है। प्रश्न पत्रों की सुरक्षा को लेकर फूल प्रूफ व्यवस्था की गई है। इसलिए किसी तरह की चूक की कोई संभावना नहीं है।

गौरतलब है कि यूपी बोर्ड की परीक्षा में इस बार पूरे प्रदेश में हाईस्कूल और इंटरमीडिएट में 52 30 297 परीक्षार्थी सम्मिलित हो रहे हैं जिसमें हाई स्कूल में 2750 945 और इंटरमीडिएट में 2479 352 परीक्षार्थी पंजीकृत हैं। पूरे प्रदेश में यूपी बोर्ड की परीक्षाएं 8033 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित होंगी। यूपी बोर्ड की परीक्षाएं 18 फरवरी से लेकर 12 मार्च तक चलेंगी।

बीएसए ने 155 बौद्धिक दिव्यांग बच्चों में एमआर किट का किया वितरण

समेकित शिक्षा के तहत दिव्यांग बच्चें हुए लाभान्वित

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। समेकित शिक्षा के अंतर्गत बौद्धिक दिव्यांग बच्चों के लिए एमआर किट का वितरण कार्यक्रम दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, प्रयागराज के सहयोग से जिला परियोजना कार्यालय मम्फोर्डगंज में आज आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रयागराज जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अनिल कुमार ने जनपद के 155 बौद्धिक दिव्यांग बच्चों को एमआर किट का वितरण किया गया। किट पाकर बच्चे अत्यंत प्रसन्न एवं उत्साहित नजर आए, जिससे कार्यक्रम का उद्देश्य सार्थक सिद्ध हुआ। इस कार्यक्रम का सफल आयोजन जिला समन्वयक, समेकित शिक्षा विकास पांडे ने किया। कार्यक्रम में राजीव त्रिपाठी जिला समन्वयक, मध्यान्ह भोजन सहित जनपद के समस्त स्पेशल एजुकेटर, फिजियोथैरेपिस्ट तथा बेसिक शिक्षा कार्यालय के समस्त स्टाफ की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम के दौरान दिव्यांग बच्चों के शैक्षिक एवं विकासात्मक सहयोग हेतु सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की उपयोगिता पर भी प्रकाश डाला गया। अतिथियों ने इस पहल की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाने की आवश्यकता बताई।

चलो मन गंगा-यमुना तीर' में भजन आल्हा और नौटंकी की रही धूम

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। माघ मेला क्षेत्र गुरुवार की शाम उस समय झंकृत हो उठा जब उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र(एनसीज़ेडसीसी), संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार एवं संस्कार भारती के संयुक्त तत्वावधान में चल रहे 'चलो मन गंगा-यमुना तीर' कार्यक्रम में लोक कलाकारों ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां दी। भजन, आल्हा गायन और नौटंकी की मनोहारी प्रस्तुतियों ने दर्शकों को लोकसंस्कृति, भक्ति और वीरता की अनुभूतियों से सराबोर कर दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रसिद्ध भजन गायक प्रदीप सांवरा द्वारा सुमधुर भजनों की प्रस्तुति से हुआ। 'जय गणपति वंदन गणनायक', 'ए हो मोरी गंगा मैया' और 'तू ही पार जग के लगईया', ए हो मोरी गंगा मैया, ॐ नमः शिवाय, कुछ याद करो अपना जैसे भावपूर्ण भजनों से वातावरण भक्तिमय हो गया। श्रद्धालु झूमते हुए भजनों में डूब गए और तालियों की गड़गड़ाहट से कलाकार का उत्साहवर्धन किया।

इसके बाद प्रसिद्ध आल्हा गायिका शीलू सिंह ने अपनी ओजस्वी वाणी से आल्हा-ऊदल की वीरगाथा को मंच पर जीवंत कर दिया। उन्होंने महोबा, कन्नौज और पृथ्वीराज चौहानसे जुड़ी ऐतिहासिक घटनाओं का प्रभावशाली प्रस्तुति दी। उनकी गायकी ने श्रोताओं में वीर रस का संचार किया और पूरा परिसर तालियों से गूँजायमान हो उठा। कार्यक्रम की अगली कड़ी में संतोष कुमार के निर्देशन में नौटंकी महाराजा भरथरी का मंचन हुआ, जिसमें जिसने दर्शकों को भारतीय लोकनाट्य की समृद्ध परंपरा से रूबरू कराया। नौटंकी में घनश्याम गौतम (राजा भरथरी), निखिल कुमार (विक्रमादित्य) और दिनेश कुमार (रानी पिंगला) ने जोरदार अभिनय से पात्रों को जीवंत कर दिया। राकेश कुमार, वीरेंद्र कुमार, राजकुमार, संतोष चौधरी, श्रीराम, भारत लाल, संदीप कुमार, भैया लाल एवं राजेंद्र कुमार की प्रस्तुतियों ने नाट्य प्रभाव को और अधिक सशक्त बनाया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि माननीय न्यायमूर्ति गौतम चौधरी (उच्च न्यायालय, इलाहाबाद) की गरिमामयी उपस्थिति रही। साथ ही उप निदेशक (कार्यक्रम) डॉ. मुकेश उपाध्याय, उप निदेशक डॉ. आदित्य श्रीवास्तव, कार्यक्रम सलाहकार श्रीमती कल्पना सहाय, संस्कार भारती काशी प्रांत के संगठन मंत्री दीपक उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि न ने कलाकारों को पौधा देकर सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया।

पर्यावरणीय व्यय अपर्याप्त, वैश्विक परिप्रेक्ष्य में बजट सन्तुलित : प्रो मनमोहन कृष्ण

अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों पर बजट में दिया गया है ध्यान : पंकज जायसवाल

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। आर्य कन्या महा विद्यालय में कौटिल्य अर्थशास्त्र परिषद तथा आईक्यूएसी की ओर से 'केंद्रीय बजट 2026 - 27 पर व्याख्यान सत्र का आज आयोजन हुआ। मुख्य वक्ता चेयर प्रोफेसर नीति आयोग भारत सरकार तथा पूर्व विभागाध्यक्ष अर्थशास्त्र विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय प्रो मनमोहन कृष्ण थे।

उन्होने बताया कि जब हमारा देश आजाद हुआ था, तब हमारी नीति अर्थव्यवस्था के सभी पक्षों पर ध्यान देने की थी, परन्तु 1991 के बाद से सरकार की नीति मार्ग-दर्शन, सहायता एवं सहयोग को है, जिसके कारण सरकार केन्द्रीय बजट 2026 - 27 में रक्षा एवं अद्यसंरचना अर्थात पब्लिक गुड्स को प्राथमिकता दे रही है, शिक्षा, स्वास्थ्य आदि को सहयोग प्रदान कर रही है। आपने पॉलिसी- मायोपिया, माइक्रो - मैक्रो पैराडॉक्स पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि भारत के विभिन्न राज्यों के मध्य-

लिंग व आय के स्तर पर बढ़ती असमानता पर चिंता व्यक्त की। पर्यावरणीय व्यय की मात्रा को अपर्याप्त बताया तथा वैश्विक परिप्रेक्ष्य में बजट को सन्तुलित बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे शासी निकाय के अध्यक्ष पंकज जायसवाल ने कहा कि यह बजट विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की तरफ बढते हुये दीर्घकालिक विकास को सशक्त करता है जिसके लिये अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों पर ध्यान दिया गया है। इसके पूर्व अतिथियों का स्वागत महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो अर्चना पाठक ने किया। कार्यक्रम का संयोजन तथा संचालन डॉ दामिनी श्रीवास्तव, डॉ सोनम गुप्ता ने किया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ अमित पांडेय ने किया। इस अवसर पर उप प्राचार्य प्रो. इभा सिरोठिया, प्रो निलांजना जैन, प्रो अंजू श्रीवास्तव, डॉ सुधा, डॉ रंजना त्रिपाठी, डॉ श्यामकांत बड़ी संख्या में शिक्षक शिक्षिकायें तथा छात्रायें उपस्थित रहीं।

कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय ने आईपीई ग्लोबल लिमिटेड के साथ की साझेदारी

मंत्र भारत संवाददाता

वाराणसी। महिला-नेतृत्व वाले विकास को कौशल सशक्तिकरण के माध्यम से आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय ने आज आईपीई ग्लोबल लिमिटेड के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इस साझेदारी का उद्देश्य देशभर की युवा महिलाओं के लिए जेंडर-संवेदनशील और भविष्य के लिए तैयार स्किलिंग इकोसिस्टम को सुदृढ़ करना है। इसके तहत कार्यक्रमों की बेहतर रूपरेखा तैयार की जाएगी, आकांक्षी जॉब रोल्स में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाई जाएगी, तथा स्किलिंग, रोजगार-योग्यता और समावेशी आर्थिक विकास के बीच मज़बूत कड़ियाँ स्थापित की जाएँगी।

एंट्रॉपी एंड कॉम्प्लेक्स इंटरफेसेज़ इन बॉयलिंग विषयक एक दिवसीय शैक्षणिक कार्यक्रम सम्पन्न

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। मोती लाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनएनआईटी), इलाहाबाद, प्रयागराज के यांत्रिक अभियंत्रण विभाग द्वारा संस्थान के सेमीनार हॉल में 'एंट्रॉपी एंड कॉम्प्लेक्स इंटरफेसेज़ इन बॉयलिंग' विषय पर एक दिवसीय शैक्षणिक कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विभागाध्यक्ष प्रोफेसर राजीव श्रीवास्तव, कार्यक्रम समन्वयक प्रोफेसर मुकुल शुक्ला तथा कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रोफेसर अंजू आर. गुप्ता (यूनिवर्सिटी ऑफ टोलेडो, ओहायो, अमेरिका) द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया।

इस अवसर पर विभागाध्यक्ष प्रोफेसर राजीव श्रीवास्तव ने बताया कि यांत्रिक अभियंत्रण विभाग द्वारा शैक्षणिक सुदृढ़ीकरण एवं वैश्विक अकादमिक नेटवर्किंग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक्सपर्ट सीरीज़ लेक्चर का आयोजन किया जा रहा है। इस विशेष पहल के अंतर्गत विश्व की प्रतिष्ठित एवं उच्च अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग वाली विश्वविद्यालयों के प्रख्यात प्रोफेसर ऑनलाइन एवं ऑफलाइन माध्यम से व्याख्यान देंगे। इस श्रृंखला का मुख्य उद्देश्य विभाग की अकादमिक क्षमता को सशक्त बनाना, अंतरराष्ट्रीय सहयोग को प्रोत्साहित करना तथा शोध एवं नवाचार को नई दिशा देना है।

कार्यक्रम के दौरान परास्नातक (मास्टर्स) एवं शोधार्थी छात्रों को वैश्विक शोध प्रवृत्तियों, उन्नत तकनीकों, आधुनिक शिक्षण पद्धतियों तथा औद्योगिक आवश्यकताओं से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई। विशेषज्ञ व्याख्यानों के माध्यम से छात्रों को विषय की गहन समझ विकसित करने के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संवाद एवं सहयोग के अवसर भी प्राप्त हुए।

इस प्रकार के शैक्षणिक कार्यक्रम संस्थान में सहयोगात्मक अकादमिक विकास को बढ़ावा देते हैं, जिससे ज्ञान के आदान-प्रदान, संयुक्त शोध, फैकल्टी एक्सचेंज तथा अंतरराष्ट्रीय अकादमिक साझेदारी को प्रोत्साहन मिलता है। यह पहल संस्थान की शोध संस्कृति को मजबूत करने के साथ-साथ राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसकी पहचान को और सुदृढ़ करेगी। यांत्रिक अभियंत्रण विभाग भविष्य में भी इस प्रकार की उच्चस्तरीय अकादमिक गतिविधियों के आयोजन के लिए प्रतिबद्ध है। उक्त कार्यक्रम में भारी संख्या में शिक्षक तथा छात्र मौजूद थे।

रॉयल एनफील्ड हंटर 350 खरीदना हुआ और अधिक किफायती

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। रॉयल एनफील्ड हंटर 350 देश में सबसे अधिक किफायती और लोकप्रिय प्रीमियम मोटरसाईकल के सेगमेंट में लगातार अपनी स्थिति मजबूत कर रही है। यह केवल 4, 999 रुपये के शुरुआती डाउन पेमेंट पर उपलब्ध है। हंटर 350 ने युवाओं के लिए प्रीमियम मोटरसाईकल खरीदने का सपना पूरा करना बहुत आसान बना दिया है। पहली बार मोटरसाईकल खरीदने वाले ग्राहक, ऑफिस जाने वाले युवा और युवा प्रोफेशनल 6 साल की अधिकतम भुगतान अवधि के साथ केवल 3, 655 रुपये प्रति माह की ई.एम.आई पर हंटर 350 खरीद सकते हैं।

ओपीडी में 200 मरीजों को कैंसर के प्रारंभिक लक्षण, जांच, बचाव की दी जानकारी

महिलाओं में बढ़ते कैंसर पर जागरूकता ज़रूरी : डॉ. सोनिया सिंह

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। नारायण स्वरुप इंस्टिट्यूट ऑफ़ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल साइंस एवं नारायण स्वरुप हॉस्पिटल की ओर से कैंसर जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम अस्पताल एवं नर्सिंग संस्थान के मार्गदर्शन में संचालित किया गया, जिसमें क्षेत्र की जनता एवं अस्पताल में आने वाले मरीजों को कैंसर के प्रति जागरूक करने का व्यापक प्रयास किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन डा सोनिया सिंह, डा राजीव सिंह, डा सेफाली चन्द्रा और डा वंदिता ठाकुर के मार्गदर्शन में हुआ।

कार्यक्रम के अंतर्गत नर्सिंग कॉलेज के विद्यार्थियों की ओर से वाद-विवाद प्रतियोगिता, पोस्टर प्रेज़ेंटेशन, नुक्कड़ नाटक एवं जागरूकता एक्ट के माध्यम से कैंसर से बचाव, कैंसर होने के कारण, प्रारंभिक लक्षण तथा आयुर्वेदिक एवं आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों से उपचार जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रभावी संदेश दिए गए। इन प्रस्तुतियों के माध्यम से न केवल क्षेत्रीय जनता बल्कि अस्पताल की ओपीडी में आने वाले मरीजों को भी जागरूक किया गया। कार्यक्रम के दौरान अस्पताल की ओपीडी में लगभग 200 से अधिक मरीजों को कैंसर के प्रारंभिक लक्षण, जांच एवं बचाव के विषय में विस्तार से जानकारी दी गई। इस अवसर पर डॉ. सोनिया सिंह ने महिलाओं में होने वाले प्रमुख कैंसर जैसे स्तन कैंसर एवं बच्चेदानी (सर्वाइकल / यूटेरस) कैंसर पर प्रकाश डालते हुए बताया कि समय पर जांच, नियमित स्क्रीनिंग एवं जीवनशैली में सुधार से इन कैंसरों से बचाव संभव है। डॉ. राजीव सिंह ने समाज में तेसे बढ़ते कैंसर के कारणों पर चिंता व्यक्त करते हुए बताया कि वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण, मृदा प्रदूषण तथा असंतुलित खान-पान आज कैंसर के प्रमुख कारण बनते जा रहे हैं। उन्होंने कैंसर के प्रारंभिक लक्षणों की जानकारी देते हुए बताया कि तेसे वजन कम होना, भूख न लगना, लगातार कमजोरी, मल-मूत्र या खांसी-उल्टी में खून आना, बिना दर्द के आवाज में बदलाव, निगलने में कठिनाई, शरीर में गांठ या सूजन तथा लंबे समय तक रहने वाला दर्द जैसे लक्षणों को कभी भी नज़रअंदाज़ नहीं करना चाहिए। उन्होंने यह भी बताया कि यदि ऐसे लक्षण दिखाई दें तो तुरंत चिकित्सक से परामर्श लेकर ब्लड टेस्ट, अल्ट्रासाउंड, सीटी स्कैन, एफएनएसी और बायोपिक सहित आवश्यक जांचें करानी चाहिए, जिससे कैंसर को प्रारंभिक अवस्था में पकड़कर सफल इलाज संभव हो सके। कार्यक्रम के दौरान चार ऐसे कैंसर सर्वाइवर मरीजों को भी सम्मानित किया गया, जिनका सफल ऑपरेशन हो चुका है और जो आज सामान्य एवं स्वस्थ जीवन रहे हैं। इन मरीजों की उपस्थिति ने कार्यक्रम में मौजूद लोगों के भीतर आशा और आत्मविश्वास का संचार किया। अंत में यह भी बताया गया कि नारायणसुख अस्पताल में कैंसर की जांच एवं उपचार की सभी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं, जहाँ अनुभवी चिकित्सकों की टीम द्वारा कैंसर रोगियों का सफलतापूर्वक इलाज किया जा रहा है। अस्पताल भविष्य में भी इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से समाज को स्वस्थ बनाने की दिशा में निरंतर प्रयास करता रहेगा।

स्वामी हरि नारायण समदर्शी महाराज ने कहा- सीएम योगी ने माघ मेला में किया बेहतर व्यवस्थाएं

छत्रपति शिवामहाराज की 13वीं पीढ़ी के वंशजों के गुरु है स्वामी हरि नारायण समदर्शी

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। संगम की रेती पर आयोजित माघ मेले का माघी पूर्णिमा के बाद समापन हो गया है। माघ मेले में आए श्रद्धालु, कल्पवासी और साधु संत लगभग वापस लौट गए हैं। हालांकि माघ मेले का औपचारिक समापन 15 फरवरी को महाशिवरात्रि के आखिरी स्नान पर्व के साथ होगा लेकिन इस बार माघ मेले में रिकॉर्ड श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी संगम में आस्था की डुबकी लगाई है। माघी पूर्णिमा तक 21 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु त्रिवेणी संगम में डुबकी लगा चुके हैं। योगी सरकार ने भी इस बार माघ मेले को मिनी कुंभ की तौर पर आयोजित किया था। यही वजह है कि देश के कोने-कोने से आए साधु संतों भी माघ मेले के आयोजन को लेकर योगी सरकार की सराहना की है।

महाराष्ट्र के पुणे से आए युवा संन्यासी सिद्धेश्वर पुरुषार्थ बालक

आश्रम के अध्यक्ष स्वामी हरि नारायण समदर्शी महाराज ने माघ मेले के दिव्य और भव्य आयोजन को लेकर योगी सरकार का आभार जताया है। उन्होंने कहा है कि योगी सरकार के नेतृत्व में आयोजित हो रहे कुंभ, महाकुंभ और माघ मेले लगातार सनातन की गरिमा को बढ़ा रहे हैं। युवा संन्यासी सिद्धेश्वर पुरुषार्थ बालक आश्रम के अध्यक्ष स्वामी हरि नारायण समदर्शी महाराज ने कहा है कि वह महाराष्ट्र में छत्रपति शिवामहाराज की 13वीं पीढ़ी के वंशजों के गुरु हैं। इस नाते वह देश की युवा पीढ़ी से आह्वान कर रहे हैं कि वह छत्रपति शिवा के बताए हुए मार्ग पर चले क्योंकि छत्रपति शिवामहाराज ने सनातन धर्म को बचाने के लिए त्याग और बलिदान दिया था इसलिए युवाओं को उनके त्याग और बलिदान को याद दिलाने और बताने की जरूरत है। तभी हमारा सनातन मजबूत हो सकता है।

शहर में मटका जुए पर पुलिस का शिकंजा

पांच अड्डों पर छापे,10 राइटर्स गिरफ्तार, नकदी व चिट्ठियां जब्त

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी शहर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में लंबे समय से सक्रिय मटका जुआ कारोबार के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पांच अलग-अलग अड्डों पर छापेमारी की। इस कार्रवाई में पुलिस ने मटका जुआ की चिट्ठियां लिखने वाले 10 राइटर्स को गिरफ्तार किया है और उनके पास से कुल 1920 रुपये नकद सहित भारी मात्रा में जुआ संबंधित सामग्री बरामद की गई है।

सूत्रों के अनुसार शहर के कई हिस्सों में वर्षों से मटका जुआ अड्डे संचालित हो रहे हैं। शहर की गलियों, चौक-चौराहों और नुक्कड़ों पर मटका जुआ की पर्चियां लिखने वाले लोग खुलेआम सक्रिय रहते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि पुलिस की कार्रवाई के बावजूद कुछ ही दिनों में जुआरियों की गतिविधियां फिर से शुरू हो जाती हैं। नारपोली पुलिस स्टेशन की टीम ने अंजूरफाटा स्थित बाबू बियर बार के पास खुले मैदान में छापा मारकर पांडुरंग भगवान लाड और सुनील सत्यनारायण दुसा को गिरफ्तार किया। दोनों मटका जुआ की चिट्ठियां लिखते हुए पकड़े गए। पुलिस ने इनके पास से 1260 रुपये नकद जब्त किए। इसी थाना क्षेत्र के कामतघर परिसर में वाराला देवी हॉस्पिटल के पास गली से राजू देविशा यादव नामक राइटर को हिरासत में लिया गया, जिसके पास से 460 रुपये बरामद हुए। निजामपुर पुलिस ने बुरकानी मस्जिद के पास म्हाडा कॉलोनी में कार्रवाई करते हुए असरार मुश्ताक हुसैन, मोहम्मद मजर बशीर मोमिन और मोहम्मद मुस्तकीन अंसारी को पकड़ा। पुलिस के अनुसार ये लोग मटका जुआ संचालित कर रहे थे। इनके पास से 1130 रुपये नकद बरामद किए गए। वहीं भोईवाड़ा पुलिस ने अजंठा कंपाउंड से दाऊद सरवर खान और माशाअल्ला रमजान खान को गिरफ्तार किया। दोनों के पास से 510 रुपये नकद मिले। भिवंडी शहर पुलिस ने धामणकर नाका स्थित बिरजू पावभाजी गली में छापा मारकर मोहम्मद यासिम शेख और शाहिद आरिफ सैय्यद को हिरासत में लिया और 150 रुपये नकद जब्त किए। गौरतलब है कि भिवंडी में बड़ी संख्या में झुग्गी बस्तियां होने के कारण मटका जुआ का नेटवर्क लंबे समय से सक्रिय बताया जाता है। भिवंडी पूर्व विधानसभा क्षेत्र के विधायक रईस कासम शेख ने भी नागपुर में आयोजित शीतकालीन सत्र के दौरान इस मुद्दे को उठाया था और तत्कालीन पुलिस उपायुक्त योगेश चव्हाण से मुलाकात कर अवैध जुआ अड्डों पर सख्त कार्रवाई की मांग की थी। इसके बावजूद शहर में मटका जुए पर पूरी तरह लगाम नहीं लग पाई है।

शराबी पति ने पत्नी को पीटा, पति पर केस दर्ज

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। भिवंडी शहर में शराब को लेकर हुए घरेलू विवाद ने हिंसक रूप ले लिया, जहां पत्नी द्वारा पति को दारू पीने से मना करना भारी पड़ गया। आरोप है कि गुस्से में आए पति ने पत्नी के साथ मारपीट कर उसे घायल कर दिया। घटना के बाद महिला की शिकायत पर भिवंडी शहर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

पुलिस के अनुसार घटना 4 फरवरी की सुबह करीब 9.30 बजे धामणकर नाका स्थित सचिन अपार्टमेंट, पठारे कंपाउंड में हुई। शिकायतकर्ता महिला अपने घर पर मौजूद थी, तभी उसका पति अतिश रघुवीर चौहान (32) शराब पीकर घर पहुंचा। महिला ने पति को दोबारा दारू पीने से मना किया और इस बात को लेकर दोनों के बीच विवाद शुरू हो गया। आरोप है कि विवाद के दौरान पति ने गाली-गलौज करते हुए पत्नी के बाल पकड़कर उसे जमीन पर गिरा दिया और सिर को फर्श पर पटक दिया। मारपीट में महिला के सिर, गर्दन और हाथ पर चोटें आईं तथा दाहिने हाथ की उंगली में भी गंभीर चोट लगी है। घटना के बाद पीड़िता ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने महिला की शिकायत के आधार पर भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक आरोपी फिलहाल फरार है और उसकी तलाश जारी है। मामले की आगे जांच पुलिस उप निरीक्षक सुरेश ढोले कर रहे है।

भिवंडी में जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र वितरण में हो रही देरी से बड़ी ग़रीब और प्रवासी मज़दूरो की परेशान

2 माह में भी नहीं मिल रहा प्रमाण पत्र,श्रमजीवी सहयोग संस्था की आयुक्त से हस्तक्षेप की मांग

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी मनपा द्वारा जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र के वितरण में हो रही अत्यधिक देरी और प्रक्रियागत जटिलताओं को लेकर श्रमजीवी सहयोग संस्था ने गंभीर चिंता जताई है। संस्था के महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष मो. अय्युब ऐनुल्ला शाह ने इस संबंध में मनपा आयुक्त को एक औपचारिक ज्ञापन सौंपते हुए तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। ज्ञापन में बताया गया है कि भिवंडी मनपा जन्म-मृत्यु पंजीकरण अधिनियम के अंतर्गत प्रमाण पत्र जारी कर रही है, लेकिन मौजूदा प्रक्रिया इतनी जटिल और धीमी है कि एक-एक आवेदक को प्रमाण पत्र प्राप्त करने में एक से दो महीने तक का समय लग रहा है। इसके अलावा, आवेदन प्रक्रिया में बार-बार आपत्तियां निकालकर प्रमाण पत्र रोके जाने के आरोप भी लगाए गए हैं। मो. अय्युब शाह ने कहा कि भिवंडी एक औद्योगिक शहर है, जहां बड़ी संख्या में अन्य राज्यों से आए ग़रीब मज़दूर और श्रमिक रोज़गार के लिए निवास करते हैं। ऐसे नागरिकों के पास अक्सर स्थायी निवास प्रमाण या अन्य मजबूत दस्तावेज़ उपलब्ध नहीं होते, जिसके कारण उन्हें जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्त करने में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। ज्ञापन में महाराष्ट्र शासन के सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी जन्म-मृत्यु पंजीकरण अधिनियम 1969, संशोधन अधिनियम 2023 तथा संबंधित शासन निर्णयों का हवाला देते हुए कहा गया है कि विलंब से पंजीकरण के मामलों में वैकल्पिक साक्ष्यों के आधार पर भी आवेदन स्वीकार किए जा सकते हैं। नियमों के अनुसार, यदि आवेदक के पास पर्याप्त दस्तावेज़ न हों तो प्रतिष्ठित नागरिकों के प्रमाण-पत्र और साक्ष्य के आधार पर भी प्रक्रिया पूरी की जा सकती है। श्रमजीवी सहयोग संस्था ने मांग की है कि मनपा इस कानूनी प्रावधान को व्यवहार में लागू करे और ग़रीब, मजदूर तथा प्रवासी नागरिकों को जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्त करने में मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए सहयोग प्रदान करे। संस्था ने यह भी आग्रह किया है कि इस विषय में की गई कार्रवाई की जानकारी उन्हें लिखित रूप में उपलब्ध कराई जाए।

जनपद के शवगृह में पोस्टमार्टम वीडियोग्राफी सेल का हुआ उद्घाटन

संवेदनशील मामलों में पारदर्शिता बढ़ेगी, साक्ष्य होंगे मजबूत

भदोही। जनपद में पोस्टमॉर्टम प्रक्रिया को पारदर्शी और निष्पक्ष बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। शुभम अग्रवाल, अपर पुलिस अधीक्षक भदोही द्वारा जनपद के पोस्टमार्टम हाउस (शवगृह) में नवनिर्मित पोस्टमॉर्टम वीडियोग्राफी सेल का उद्घाटन किया गया। निरीक्षक अजय कुमार यादव के नेतृत्व में इस सेल के माध्यम से अब सभी पोस्टमॉर्टम की पूरी प्रक्रिया का वीडियो रिकॉर्ड सुरक्षित रखा जाएगा, जिससे संवेदनशील मामलों में साक्ष्यों की विश्वसनीयता बढ़ेगी। दहेज मृत्यु, पुलिस अभिरक्षा में मृत्यु और अन्य संदिग्ध मामलों में पोस्टमॉर्टम की वीडियोग्राफी अत्यंत आवश्यक है। यह सेल इन सभी मामलों में वीडियो साक्ष्यों को सुरक्षित रखने और उन्हें समय पर न्यायालय या संबंधित अधिकारियों को उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इससे जांच प्रक्रिया में पारदर्शिता आएगी और किसी भी प्रकार के संदेह की गुंजाइश कम होगी। यह पोस्टमॉर्टम वीडियोग्राफी सेल अत्याधुनिक कंप्यूटर सिस्टम और आधुनिक वीडियोग्राफी उपकरणों से सुसज्जित है।

नाबालिग से दुष्कर्म और शादी का झांसा देकर महिला के शोषण का आरोप, दो मामलों में अपराध दर्ज

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। भिवंडी शहर में महिलाओं और बच्चों से जुड़े दो अलग-अलग गंभीर मामलों के सामने आने के बाद पुलिस ने संबंधित थाना क्षेत्रों में अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दोनों मामलों की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस ने पीड़ितों की पहचान गोपनीय रखते हुए कानूनी प्रक्रिया के अनुसार कार्रवाई की जा रही है। पहला मामला भिवंडी शहर पुलिस स्टेशन क्षेत्र का है, जहां 13 वर्षीय नाबालिग के साथ कथित दुष्कर्म का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार 3 फरवरी की दोपहर करीब 1.15 बजे कामतघर स्थित एक चॉल में आरोपी राजकुमार ओमप्रकाश भारती (25) पर घर में घुसकर नाबालिग के साथ जबरदस्ती करने का आरोप है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता और लैंगिक अपराधों से बालकों के संरक्षण अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। कानून के प्रावधानों के अनुसार नाबालिग पीड़िता की पहचान और व्यक्तिगत जानकारी सार्वजनिक नहीं की जा सकती। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच जारी है।

दूसरा मामला कोनगांव पुलिस स्टेशन क्षेत्र का है, जहां एक महिला ने यज्ञेश उत्तम माली नामक युवक पर शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण करने तथा निजी वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित करने का आरोप लगाया है। शिकायत के अनुसार आरोपी ने महिला को विश्वास में लेकर विभिन्न स्थानों पर संबंध बनाए और बाद में कथित रूप से निजी वीडियो साझा किए। पुलिस ने महिला की शिकायत पर संबंधित धाराओं में अपराध दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

शहर में बढ़ती गर्मी के साथ बिजली चोरी के मामले बढ़े

तीन दिन में चार केस दर्ज, 5.30 लाख की बिजली चोरी का खुलासा

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी शहर में बढ़ते तापमान के साथ बिजली की खपत बढ़ने लगी है और इसी के साथ बिजली चोरी के मामलों में भी तेजी से इजाफा देखा जा रहा है। पिछले तीन दिनों में अलग-अलग क्षेत्रों से बिजली चोरी के चार मामले सामने आए हैं, जिनमें करीब 5 लाख 30 हजार रुपये की बिजली चोरी होने का खुलासा हुआ है। टोरेंट पावर कंपनी की शिकायत पर शांतिनगर पुलिस स्टेशन में कुल आठ लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

पुलिस के अनुसार पहला मामला भिवंडी के पुराने एसटी बस डिपो के पास नुरानी होटल क्षेत्र में सामने आया। यहां इस्लामपुरा निवासी असीम अंसारी पर आरोप है कि उसने अपने मकान में सीधे बिजली के खंभे से अवैध कनेक्शन जोड़कर करीब एक वर्ष में 4331 यूनिट बिजली का उपयोग किया। कंपनी अधिकारियों ने इसकी अनुमानित कीमत 1,01,318 रुपये आंकी है। दूसरा मामला कनेरी क्षेत्र के घर क्रमांक 130 का है। यहां वंदना दिनेश पाटिल, दिनेश पाटिल और गणेश पाटिल पर मिनी सेक्शन पीलर से अवैध कनेक्शन लेकर 8479 यूनिट बिजली चोरी करने का आरोप है,अधिकारियों के अनुसार इस बिजली चोरी की अनुमानित कीमत 2,11,699.26 रुपये बताई गई है। तीसरा मामला किदवई नगर स्थित अंसार नगर इलाके का है, जहां रहीम खान और करीम खान पर टोरेंट पावर कंपनी के मिनी सेक्शन पीलर से अवैध रूप से कनेक्शन लेकर 5159 यूनिट बिजली चोरी करने का आरोप है। इस मामले में करीब 1,39,220 रुपये की बिजली चोरी का अनुमान लगाया गया है। वहीं चौथा मामला नागांव के फैजान रजा मस्जिद, फातमा नगर क्षेत्र का है। यहां शेख मोहम्मद सलीम मोहम्मद इसरार और अब्दुल रहीम साजू पर मिनी सेक्शन पीलर से अवैध कनेक्शन कर 4460 यूनिट बिजली का इस्तेमाल करने का आरोप है, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 15,098 रुपये बताई गई है। चारों मामलों में टोरेंट पावर कंपनी के कार्यकारी अधिकारियों ने शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बिजली अधिकारियों का कहना है कि बढ़ती गर्मी के दौरान बिजली चोरी पर विशेष नजर रखी जा रही है और अवैध कनेक्शन लेने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

प्रोटियन ई-गवर्नेंस और यूआईडीएआई ने माघ मेला 2026 में आधार सेवाओं का शिविर स्थापित किया

मुंबई। प्रोटियन ई-गवर्नेंस टेक्नोलॉजीज़ लिमिटेड ने भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण के सहयोग से माघ मेला 2026 में एक समर्पित आधार सेवा शिविर स्थापित किया है। यह पहल भारत के सबसे बड़े सांस्कृतिक और आध्यात्मिक आयोजनों में से एक के साथ आवश्यक नागरिक सेवाओं को एकीकृत करती है। इस पहल का उद्देश्य मेले में आने वाले लाखों श्रद्धालुओं के लिए आधार सेवाओं को अधिक सुलभ और सुविधाजनक बनाना है, ताकि डिजिटल पहचान सेवाएं सीधे आयोजन स्थल पर ही उपलब्ध कराई जा सकें।

'कोरियन ही हमारी जिंदगी थी, आपकी मार से हमारे लिए मौत बेहतर, सॉरी पापा', गाजियाबाद की बहनों की डायरी में दर्ज पीड़ा

गाजियाबाद **(एजेंसी)**। जनपद में आत्महत्या करने वाली तीन नाबालिग बहनों के कमरे से मिली नौ पन्नों की एक छोटी-सी डायरी चीख-चीखकर उनकी खामोश तकलीफ बयां कर रही है। रंगीन कोरियाई दुनिया के सपनों, पसंदीदा कलाकारों और कल्पनाओं के बीच लिखे गए ये पन्ने उस घर के भीतर पल रहे तनाव और मानसिक पीड़ा की कहानी भी कहते हैं जिसने अंततः तीनों को यह भयावह कदम उठाने पर मजबूर कर दिया।

अधिकारियों के अनुसार, तीन बहनों निशिका (16), प्राची (14) और पाखी (12) ने मंगलवार देर रात टीला मोड़ थाना क्षेत्र स्थित भारत सिटी सोसाइटी की नौवीं मंजिल से कूदकर जान दे दी। पुलिस के अनुसार, डायरी के पन्नों में बार-बार कोरिया के लिए तीनों बहनों के गहरे लगाव का जिक्र है और उनमें लिखे संदेश से साफ झलकता है कि परिवार की ओर से उन्हें उनकी ख्याली दुनिया, उन पसंदों और उस पहचान को छोड़ देने के लिए मजबूर किया जा रहा था, जिससे वे दिल से जुड़ी हुई थीं।

डायरी में लिखा है, ''हमें कोरियन बहुत पसंद है। प्यार, प्यार, प्यार।'' इसे ही अपनी ''असल जिंदगी की कहानी'' बताते हुए लिखा गया है कि जो कुछ इन पन्नों में दर्ज है, उस पर भरोसा किया जाए। डायरी में यह आरोप भी लगाया गया है कि माता-पिता उनकी पसंद और भविष्य के फैसलों, यहां तक कि शादी को लेकर भी उनके खिलाफ थे। एक जगह लिखा है, 'आपने हमें कोरियन छोड़ने के लिए मजबूर करने की कोशिश की। कोरियन ही हमारी जिंदगी थीष्ठ

आप हमारी शादी किसी भारतीय से करवाना चाहते थे, लेकिन ऐसा कभी नहीं हो सकता।' इसमें सजा दिए जाने का जिक्र भी किया गया है और अंत बेहद दर्दनाक शब्दों के साथ होता है। बहनों ने अपने पिता से माफी मांगते हुए लिखा, 'आपकी मार से हमारे लिए मौत बेहतर है। इसी वजह से हम आत्महत्या कर रहे हैंष्ठ सॉरी पापा।'

पुलिस उपायुक्त (ट्रांस-हिंडन) निमिष पाटिल ने कहा, 'पॉकेट डायरी को कब्जे में ले लिया गया है और मामले की जांच की जा रही है।' उन्होंने कहा, 'डायरी किन हालात में लिखी गई, इसे लेकर सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।' नाम न उजागर करने की शर्त पर 'रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन' के एक पदाधिकारी ने बताया कि लड़कियों के पिता चेतन शेयर बाजार में भारी नुकसान होने के बाद गंभीर आर्थिक तनाव में थे।

पुलिस उपायुक्त ने बताया कि चेतन को कथित तौर पर दो करोड़ रुपये से ज्यादा का नुकसान हुआ था और एक समय बिजली का बिल चुकाने के लिए उन्हें अपना मोबाइल फोन तक बेचना पड़ा। उन्होंने कहा कि आर्थिक तंगी के कारण घर में अक्सर झगड़े होते रहते थे। पाटिल ने कहा कि जांच के तहत पुलिस परिवार की आर्थिक स्थिति की भी पड़ताल कर रही है। पोस्टमार्टम के बाद बुधवार शाम यमुना नदी के किनारे स्थित दिल्ली के निगम बोध घाट पर तीनों बहनों का अंतिम संस्कार किया गया। शालीमार गार्डन के अपर पुलिस आयुक्त अतुल कुमार सिंह ने को बताया कि अंतिम संस्कार से जुड़े रिवाज उनके पिता चेतन ने निभाईं।

योगी सरकार का 'मिशन विलेज'

एक लाख ग्रामीण महिलाओं के जीवन में घुलेगी शहद की मिठास

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश में ग्रामीण महिलाओं की आय बढ़ाने और खेती-किसानी को मजबूत करने की दिशा में राज्य सरकार ने एक अहम पहल शुरू की है। उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत मधुमक्खी पालन कार्यक्रम लागू किया गया है, जिसके माध्यम से स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को शहद उत्पादन से जोड़ा जाएगा। योजना के अंतर्गत अगले तीन वर्षों में प्रदेश की एक लाख ग्रामीण महिलाओं को मधुमक्खी पालक के रूप में विकसित किया जाएगा।

सरकार का लक्ष्य है कि इस पहल से प्रत्येक महिला उद्यमी की वार्षिक आय में लगभग एक लाख रुपये की वृद्धि हो सके। मधुमक्खी पालन से न केवल शहद उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि परागण के माध्यम से गेहूं, सरसों, दलहन, तिलहन और बागवानी फसलों की उत्पादकता में भी उल्लेखनीय वृद्धि होगी। इससे किसानों की आय बढ़ेगी और कृषि आधारित अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 'मिशन विलेज' कार्यक्रम के तहत प्रदेश में उत्पादित शहद को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार में पहचान दिलाने की तैयारी है। योजना के तहत महिलाएं अपने स्तर पर शहद का ब्रांड विकसित करेंगी और विपणन के जरिए बाजार से सीधे जुड़ेंगी। महिला उद्यमियों को प्रशिक्षण, तकनीकी सहायता और विपणन सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा, ताकि यूपी का शहद गुणवत्ता और विश्वसनीयता के साथ वैश्विक मंच पर स्थापित हो सके।

हैदरगढ़ मंदिर में चोरी का तांडव!

चांदी की छतरी, गहने और 25 लाख के सामान के साथ सीसीटीवी उड़ा ले गए चोर

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के हैदरगढ़ थाना क्षेत्र में मशहूर अवसानेश्वर महादेव शिव मंदिर से अज्ञात चोरों ने चांदी के गहने, नकदी और सीसीटीवी उपकरण सहित करीब 25 लाख रुपए का सामान चोरी कर लिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मंदिर समिति के अध्यक्ष संजय गिरि ने बताया कि चोर 'मंकी कैप' पहने थे और मंगलवार तड़के करीब 3 बजे मंदिर के पीछे के मुख्य गेट का ताला तोड़कर परिसर में घुसे थे।

मिली जानकारी के मुताबिक, गिरी ने बताया कि चोरों ने शिवलिंग के ऊपर लगी चांदी की छतरी, उसके चारों ओर लगी चांदी की परत और अन्य चांदी के गहने चुरा लिए, साथ ही दान पेटी में रखे पैसे भी ले गए। उन्होंने बताया कि पहचान से बचने के लिए चोर सीसीटीवी रिकॉर्डिंग भी अपने साथ ले गए। चोरी का पता बुधवार सुबह तब चला जब पुजारी शिवम गिरि मंदिर पहुंचे और सामान बिखरा हुआ तथा दान पेटी टूटी और खाली पाई। बाद में मंदिर समिति ने पुलिस को घटना की सूचना दी। सूचना मिलने पर पुलिस क्षेत्राधिकारी और हैदरगढ़ थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की।

अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) रितेश सिंह और एक फोरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया और सबूत इकट्ठा किए। सिंह ने कहा कि अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और चोरी हुए सामान का आकलन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मामले में सभी पहलुओं से जांच की जा रही है। पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय ने कहा कि मामले को सुलझाने के लिए अपराध शाखा की तीन टीम गठित की गई है और दोषियों को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

एकतरफा प्यार में हैवान बना 12वीं का छात्र : प्रपोजल रिजेक्ट होते ही छात्र ने काट दिए लेडी टीचर के होंठ

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के मैनपुरी जिले से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक निजी स्कूल की महिला शिक्षिका पर कक्षा 12 के छात्र ने बेहद क्रूर हमला किया। आरोपी छात्र पर आरोप है कि वह लंबे समय से शिक्षिका को परेशान कर रहा था और विरोध करने पर उसने जानलेवा हमला कर दिया। इस हमले में शिक्षिका गंभीर रूप से घायल हो गईं और उनके चेहरे पर गहरी चोटें आई हैं।

यह घटना 20 जनवरी 2026 की बताई जा रही है, हालांकि अब पीड़िता के परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया है। आरोपी छात्र फरार है और उसकी तलाश जारी है। पीड़िता पहले आगरा रोड स्थित एक निजी स्कूल में अध्यापन कार्य कर रही थीं। इसी स्कूल में पढ़ने वाला छात्र अखंड प्रताप कथित तौर पर बार-बार अशोभनीय व्यवहार करता था। शिक्षिका ने इसकी जानकारी स्कूल प्रबंधन और छात्र की मां को भी दी थी, जहां से सुधार का भरोसा दिया गया। इसके बाद शिक्षिका ने स्कूल बदलकर मैनपुरी शहर के ज्योति रोड स्थित दूसरे स्कूल में पढ़ाना शुरू किया, लेकिन आरोपी ने उनका पीछा करना बंद नहीं किया। आरोप है कि वह रोजाना रास्ते में परेशान करता और अभद्र हरकतें करता रहा। 20 जनवरी को शिक्षिका ज्योति रोड पर एक छात्र को ट्यूशन पढ़ाने जा रही थीं। रास्ते में पहले से मौजूद अखंड प्रताप ने हथियारों के बल पर उन्हें रोक लिया। उसने फिर से होंठ छूने की कोशिश की। विरोध करने पर छात्र ने धारदार हथियार से चेहरे पर वार कर दिया, जिससे शिक्षिका के दोनों होंठ कट गए और वे बुरी तरह घायल हो गईं। उन्हें पहले मैनपुरी जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां से हालत नाजुक होने पर आगरा के पुष्पांजलि अस्पताल रेफर किया गया। फिलहाल उनका इलाज जारी है। पीड़िता के भाई की तहरीर पर कोतवाली थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ महिला की गरिमा से जुड़ी धाराएं, जानलेवा हमला और धारदार हथियार से चोट से संबंधित गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज की है। कोतवाली पुलिस का कहना है कि आरोपी की तलाश के लिए टीमें लगाई गई हैं और जल्द गिरफ्तारी की जाएगी। परिवार को न्याय का भरोसा दिलाया गया है।

टी20 विश्व कप में पाकिस्तान की मैच बहिष्कार धमकी पर बीसीसीआई का सीधा जवाब, फैसला आईसीसी करेगा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ द्वारा आईसीसी टी20 विश्व कप के ग्रुप चरण के मैच में पाकिस्तान के खिलाफ न खेलने के अपने देश के रुख को दोहराने पर, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा कि बोर्ड अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के फैसले का पालन करेगा। शुक्ला ने एएनआई से कहा कि बीसीसीआई को इस पर (शहबाज के बयान पर) कुछ नहीं कहना है। आईसीसी को इस पर फैसला करना है, और आईसीसी जो भी कहेगी, हम उसी के अनुसार चलेंगे।

डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने बुधवार को भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप मैच का बहिष्कार करने के अपने देश के फैसले को दोहराते हुए कहा कि देश ने 15 फरवरी को श्रीलंका में होने वाले मैच के लिए स्पष्ट रुख अपनाया है। इस्लामाबाद में संघीय मंत्रिमंडल को संबोधित करते हुए पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शरीफ ने कहा कि हमने टी20 विश्व कप को लेकर स्पष्ट रुख अपनाया है कि हम भारत के खिलाफ मैच नहीं खेलेंगे। उन्होंने आगे कहा कि उन्होंने गहन विचार-विमर्श के बाद भारत के खिलाफ मैच का बहिष्कार करने का निर्णय लिया है और उचित निर्णय की मांग की। उन्होंने कहा कि खेल में राजनीति नहीं होनी चाहिए। उन्होंने इसे उचित निर्णय बताते हुए कहा, 'हमने इस पर गहन विचार-विमर्श के बाद यह रुख अपनाया है।

इससे पहले, पाकिस्तान ने टी20 विश्व कप में भारत के खिलाफ अपने ग्रुप स्टेज मैच का बहिष्कार करने का फैसला किया था, जब पाकिस्तान सरकार ने बिना कोई कारण बताए यह पोस्ट किया था कि पाकिस्तानी टीम भारत के खिलाफ मैच में मैदान पर नहीं उतरेगी। पाकिस्तान सरकार के इस फैसले के बाद, अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने एक बयान जारी कर कहा कि चुनिंदा भागीदारी किसी वैश्विक खेल आयोजन के मूल सिद्धांतों के अनुरूप नहीं है और वह पीसीबी से सभी हितधारकों के हितों की रक्षा करने वाला पारस्परिक रूप से स्वीकार्य समाधान तलाशने की अपेक्षा करती है।

आईसीसी ने एक विज्ञप्ति में कहा कि उसने आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 में अपनी राष्ट्रीय टीम को चुनिंदा रूप से भाग लेने का निर्देश देने के संबंध में पाकिस्तान सरकार के बयान पर ध्यान दिया है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि हालांकि आईसीसी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) से आधिकारिक सूचना की प्रतीक्षा कर रही है, लेकिन चुनिंदा भागीदारी की यह स्थिति किसी वैश्विक खेल आयोजन के मूल सिद्धांतों के साथ मेल नहीं खाती, जहां सभी योग्य टीमों से आयोजन कार्यक्रम के अनुसार समान शर्तों पर प्रतिस्पर्धा करने की अपेक्षा की जाती है।

डेविड फेरर का बड़ा खुलासा, '14 साल के अल्काराज़में दिखा था दूसरा राफेल नडाल'

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। स्पेन के युवा टेनिस स्टार कार्लोस अल्काराज़ के साथ 2014 में हुई एक ऐसी ट्रेनिंग सेशन की याद स्पेन के डेविस कप कप्तान और पूर्व टॉप-10 खिलाड़ी डेविड फेरर ने साझा किया है। जो इस वक्त सुर्खियां बटोर रहा है।

बता दें कि उस समय कार्लोस अल्काराज़ की उम्र महज़ 14 साल थी, जबकि डेविड फेरर दुनिया के शीर्ष खिलाड़ियों में शुमार थे। मौजूद जानकारी के अनुसार, यह ट्रेनिंग सेशन पूर्व वर्ल्ड नंबर-1 जुआन कार्लोस फेररो की सिफारिश पर हुआ था, जो तभी समझ चुके थे कि मर्सिया का यह किशोर खिलाड़ी कुछ अलग है। फेरर शुरू में ज्यादा उत्साहित नहीं थे और उन्होंने साफ कहा था कि प्री-सीजन ट्रेनिंग में वे समय बर्बाद नहीं करना चाहते हैं।

लेकिन कोर्ट पर जो हुआ, उसने फेरर की सोच पूरी तरह बदल दी। उन्होंने बताया कि आमतौर पर प्रोफेशनल खिलाड़ियों की तेज़ और आक्रामक हिटिंग युवा खिलाड़ी झेल नहीं पाते हैं, लेकिन अल्काराज़ ने न सिर्फ हर शॉट संभाला बल्कि तीसरे ही रिटर्न पर गेंद की रफ्तार बढ़ाकर उन्हें चौंका दिया। उस पल फेरर को लगा कि उन्होंने कुछ वैसा ही देखा है, जैसा कभी किशोर उम्र में राफेल नडाल में दिखता था। गौरतलब है कि दोनों के बीच एक सुपर टाईब्रेक भी खेला गया, जिसमें फेरर ने 10-8 से जीत हासिल की। हालांकि उनका मानना है कि अल्काराज़ चाहें तो उन्हें हरा सकते थे, लेकिन सम्मानवश उन्होंने पूरी ताकत नहीं लगाई। फेरर के लिए यह सिर्फ खेल की बात नहीं थी, बल्कि अल्काराज़ का आत्मविश्वास, निडरता और मैच के प्रति समझ उम्र से कहीं आगे नजर आई। फेरर ने यह भी कहा कि अल्काराज़ की तुलना नडाल से सिर्फ खेल के अंदाज़ तक सीमित नहीं है। व्यक्तित्व के स्तर पर भी वे बेहद सहज, जमीन से जुड़े और मुस्कुराते रहने वाले खिलाड़ी हैं, जो उन्हें खास बनाता हैं। मर्सिया से आने वाला यह खिलाड़ी अलग माहौल में पला-बढ़ा, लेकिन जज़्बा और मेहनत में नडाल की झलक साफ दिखती है। गौरतलब है कि हाल ही में ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतकर करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाले कार्लोस अल्काराज़ अब इतिहास रच चुके हैं। वे सबसे कम उम्र में चारों ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। डेविड फेरर के लिए यह उपलब्धि उस किशोर की पुष्टि है, जिसमें उन्होंने एक दशक पहले असाधारण भविष्य की झलक देख ली थी।

शेयर बाजार की तेजी पर लगा ब्रेक, सेंसेक्स-निफ्टी लुढ़के

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। घरेलू शेयर बाजार में एक बार फिर कमजोरी देखने को मिल रही है। सेंसेक्स और निफ्टी 50 पर बिकवाली का दबाव बढ़ने से पिछले तीन दिनों की तेजी थम गई। कमजोर वैश्विक संकेतों, मेटल शेयरों में गिरावट और निवेशकों की सतर्कता के चलते बाजार लाल निशान में कारोबार करता नजर आया। सेंसेक्स करीब 508 अंकों तक टूटकर 83, 309.17 के निचले स्तर तक पहुंच गया, जबकि निफ्टी 164.4 अंक फिसलकर 25, 611.60 तक आ गया। ब्रोडर मार्केट में स्मॉलकैप शेयरों पर ज्यादा दबाव दिखा, जबकि निफ्टी में महज कुछ ही शेयर हरे निशान में रहे।

सेक्टोरल स्तर पर मेटल शेयरों में बिकवाली ने बाजार पर सबसे ज्यादा असर डाला और निफ्टी मेटल इंडेक्स करीब 2 फीसदी गिर गया। दूसरी ओर ट्रेंट, टाटा स्टील और एसबीआई जैसे कुछ शेयरों में मजबूती देखने को मिली, जबकि इंडिगो, एटर्नल और एशियन पेंट्स जैसे शेयरों पर दबाव रहा। कारोबार के दौरान सेंसेक्स करीब 0.42 फीसदी गिरकर 83, 469 के आसपास और निफ्टी 0.44 फीसदी फिसलकर 25, 662 के करीब ट्रेड करता दिखा।

बाजार में गिरावट की कई वजहें सामने आई हैं। भारत-अमेरिका ट्रेड डील के बाद आई तेजी के चलते निवेशकों ने ऊंचे स्तर पर मुनाफावसूली की। साथ ही एशियाई और अमेरिकी बाजारों से मिले कमजोर संकेतों ने भी निवेशकों का मनोबल कमजोर किया। दक्षिण कोरिया का कोस्पी, जापान का निक्केई 225 और हांगकांग का हैंग सैंग समेत प्रमुख एशियाई इंडेक्स लाल निशान में रहे, जबकि अमेरिकी बाजार भी मिलेजुले रुख के साथ बंद हुए। विदेशी निवेशकों की हल्की खरीदारी और आरबीआई की मौद्रिक नीति के फैसले से पहले बाजार में सतर्कता भी दबाव की वजह बनी। इंडिया वीआईएक्स में उछाल से बाजार में अस्थिरता बढ़ने के संकेत मिले हैं। इसके अलावा सेंसेक्स के वीकली डेरिवेटिव कॉन्ट्रैक्ट की एक्सपायरी के चलते भी बाजार में उतार-चढ़ाव तेज रहा। विशेषज्ञों का मानना है कि निकट अवधि में बाजार कंसोलिडेशन के दौर से गुजर सकता है और निवेशकों को सतर्क रहने की जरूरत है।

सूर्यकुमार ने पाकिस्तान के बॉयकॉट की धमकी पर चुप्पी तोड़ी, कहा- हमारी सोच स्पष्ट है

मुंबई **(एजेंसी)**। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनकी टीम पाकिस्तान के खिलाफ आईसीसी टी20 विश्व कप मैच के लिए कोलंबो जाएगी, फिर भले ही पड़ोसी देश ने मैच का बहिष्कार करने की घोषणा क्यों ना की हो। भारत को 15 फरवरी को अपने चिर प्रतिद्वंद्वी का सामना करना है लेकिन पाकिस्तान क्रिकेट टीम को उसकी सरकार ने मैच में हिस्सा नहीं लेने के लिए कहा है क्योंकि 'सुरक्षा चिंताओं' के कारण भारत में खेलने से इनकार करने के बाद बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड को प्रतियोगिता में शामिल किया गया है। सूर्यकुमार ने यहां टूर्नामेंट से पहले कप्तानों की प्रेस मीट के दौरान कहा, 'मुझे लगता है कि उनका फैसला मेरे नियंत्रण में नहीं है। काश मैं उनके फैसले ले पाता लेकिन यह उनका फैसला है। हम एशिया कप में भी खेले थे और हम उनके साथ तीन बार खेले थे।'

विश्व कप शनिवार से शुरू हो रहा है और भारत उसी शाम अपने पहले मैच में अमेरिका से भिड़ेगा। सूर्यकुमार ने कहा, 'हमारी सोच काफी स्पष्ट है। हमने (पाकिस्तान के खिलाफ खेलने से) मना नहीं किया है। उन्होंने किया है। आईसीसी ने कार्यक्रम तय किया। हमारी फ्लाइट की टिकट बुक हो गई है और हम वहां (कोलंबो) जा रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'टीम में चर्चा हुई है कि हम पहले सात फरवरी को खेल रहे हैं और फिर हम वहां जाएंगे।' सूर्यकुमार ने कहा, 'हमने उनके खिलाफ कुछ अच्छा क्रिकेट खेला है। हमें बताया गया है कि मैच 15 तारीख को है, मैच तटस्थ स्थल पर है और अगर हमें मौका मिलता है तो हम खेलेंगे। यह उनके (पाकिस्तानी खिलाड़ियों) के लिए भी एक मुश्किल फैसला है।'

टी20 वर्ल्ड कप से पहले वीरेंद्र सहवाग को भारतीय टीम पर भरोसा, इतिहास रचने की उम्मीद

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। टी20 क्रिकेट अब वैसा नहीं रहा, जैसा 2007 में था, जब महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में भारत ने पहली बार टी20 वर्ल्ड कप जीतकर सबको चौंका दिया था। उस दौर में 160-170 का स्कोर बचाव योग्य माना जाता था, लेकिन बदलते समय के साथ खेल की रफ्तार भी बदली है और अब 250 से ज्यादा रन भी सुरक्षित नहीं माने जाते हैं। मौजूद जानकारी के अनुसार, युवा बल्लेबाज़ों की आक्रामक सोच, बड़े शॉट्स पर लगातार काम और बल्लेबाज़ों के अनुकूल हालात ने टी20 को पूरी तरह बदल दिया है।

गौरतलब है कि अब 200 से ऊपर के स्कोर आम बात हो चुके हैं, जब तक पिच या मौसम बल्लेबाज़ों के खिलाफ न हो। ऐसे में भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेज़बानी में होने वाला आगामी टी20 वर्ल्ड कप बल्लेबाज़ों का टूर्नामेंट साबित हो सकता है। इसी कड़ी में भारत के पूर्व विस्फोटक ओपनर वीरेंद्र सहवाग का मानना है कि मौजूदा भारतीय टीम इतिहास रचने की पूरी क्षमता रखती है। सहवाग ने कहा कि सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारतीय टीम शानदार क्रिकेट खेल रही है और हालिया 4-1 से न्यूज़ीलैंड पर मिली सीरीज़ जीत इसका उदाहरण है। उन्होंने बताया कि टीम में युवा जोश और अनुभवी खिलाड़ियों का संतुलन दिखाई देता है, जो बड़े टूर्नामेंट में बेहद अहम होता है। बता दें कि सहवाग ने युवा बल्लेबाज़ अभिषेक शर्मा की तारीफ करते हुए कहा कि उनकी तेज़ शुरुआत भारत को विरोधियों पर शुरुआती दबाव बनाने में मदद करती है, ठीक वैसे ही जैसे वह अपने करियर में किया करते थे।

मौजूद जानकारी के अनुसार, ईशान किशन की हालिया शतकीय पारी और वरुण चक्रवर्ती की सटीक गेंदबाज़ी भी टीम की ताकत को और बढ़ाती है। सहवाग का मानना है कि निचले क्रम में रिंकू सिंह और शिवम दुबे जैसे खिलाड़ी किसी भी समय मैच का रुख बदल सकते हैं, खासकर तब जब शीर्ष क्रम जल्दी आउट हो जाए।

शाहरुख खान की फिल्म डॉन 3 में 'जंगली बिल्ली' बनकर तबाही मचाएंगी प्रियंका चोपड़ा? अदाकारा ने तोड़ी चुप्पी

मुंबई।बॉलीवुड की देसीगर्ल से ग्लोबल आइकॉन बन चुकीं प्रियंका चोपड़ा एक बार फिर से वापसी करने के लिए तैयार हैं। कुछ समय पहले ही हैदराबाद आकर प्रियंका चोपड़ा ने अपनी अगली फिल्म 'वाराणसी' का ऐलान किया था। प्रियंका चोपड़ा के लिए ये फिल्म साउथ के जानेमाने डायरेक्टर एसएस राजामौली बना रहे हैं। अपनी इस अपकमिंग फिल्म की वजह से प्रियंका चोपड़ा लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। इस फिल्म में प्रियंका चोपड़ा साउथ एक्टर महेश बाबू के साथ जोड़ी बनाएंगी। इसी बीच प्रियंका चोपड़ा ने एक ऐसा बयान दे दिया है जिसे सुनकर एक मिनट के लिए उनके फैंस को सदमा लग जाएगा। प्रियंका चोपड़ा ने खुलासा किया है कि क्या वो आगे चलकर शाहरुख खान की फिल्म डॉन 3 में काम करेंगी? इसके अलावा प्रियंका चोपड़ा ने कृष 4 को लेकर भी चुप्पी तोड़ी है। एक इंटरव्यू में बात करते हुए प्रियंका चोपड़ा ने कहा, मैं भारतीय सिनेमा में वापसी करके बहुत खुश हूं।

बीते 6 साल में ये मेरी पहली फिल्म होने वाली है। 'यहां मैं बस इतना बोल सकती हूं कि बॉलीवुड और हॉलीवुड में अलग तरह से काम होता है। ऐसे में दोनों जगह अपना माइंडसेट बदलकर काम करना बहुत जरुरी है।' 'डॉन 3' और 'कृष 4' के बारे में बात करते हुए प्रियंका चोपड़ा ने कहा, 'मुझे तो ये तक नहीं पता कि कभी मैं इन फिल्मों के बारे में बात तक तक पाऊंगी। हां महेश बाबू की फिल्म 'वाराणसी' के बारे में मैं आपको जानकारी दे सकती हूं। जल्द ही आपको कुछ मजेदार चीज देखने को मिलने वाली है। एसएस राजामौली की फिल्म देखकर फैंस बस एक ही चीज सोचेंगे कि आगे क्या होने वाला है।' एक समय था जब प्रियंका चोपड़ा और शाहरुख खान की नजदीकियों के चर्चे आम थे। हालांकि बाद में कुछ ऐसा हुआ।

गोदरेज प्रॉपर्टीज का तीसरी तिमाही में शुद्ध लाभ 23 प्रतिशत बढ़कर 194 करोड़ रुपए पर

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। रियल्ट एस्टेट क्षेत्र की कंपनी गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड का वित्त वर्ष 2025-26 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 23 प्रतिशत बढ़कर 193.87 करोड़ रुपए हो गया। कंपनी ने वित्त वर्ष 2024-25 की अक्टूबर दिसंबर तिमाही में 158.20 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ कमाया था।

गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड ने बृहस्पतिवार को शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में कुल आय घटकर 1, 033.84 करोड़ रुपए हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 1, 239.97 करोड़ रुपए थी। गोदरेज प्रॉपर्टीज के कार्यकारी चेयरपर्सन पिरोजशा गोदरेज ने कहा कि कंपनी ने बुकिंग और आय के मामले में एक और मजबूत तिमाही दर्ज की है। उन्होंने कहा, 'पिछले चार सालों में कंपनी ने काफी तेजी से विस्तार किया है। हमें खुशी है कि यह बिक्री वृद्धि हमारे सभी बाजारों में हो रही है।'

मध्य रेल
सोलापुर मण्डल
विद्युतीय कार्य

भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर(क.वि), मध्य रेल, सोलापुर, निम्नलिखित कार्य के लिए ख्याति प्राप्त, अनुभवी और लाइसेंसधारी विद्युत ठेकेदारों से रेल्वे की ई प्रोक्यूरमेंट वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर ऑनलाइन ई-निविदा आमंत्रित करते है। **निविदा क्रं.: सोला/क.वि./नि/2025/26R I कार्य का नाम:** टिकेकरवाडी में प्रसातवित कोचिंग रखरखाव डिपो (चरण-1) के संबंध में विद्युत टीआरडी का कार्य।(पुनर्निविदा)। **कार्य की अनुमानित लागत:** ₹ 5,62,96,465.20, **बोली प्रतिभूति:** ₹ 4,31,500/-, **कार्य पुरा करने की अवधी:** 12 माह, **निविदा प्रस्ताव की वैधता:** 60 दिन। **वेबसाइट पर निविदा बंद होने की तिथि और समय:** दि 02.03.2026 को 15.00 बजे। EXP-06

टिकट के लिए UTS App डाउनलोड करे

मध्य रेल
सोलापुर मण्डल
विविध कार्य

मंडल रेल प्रबंधक(कार्य) सोलापुर, भारत के राष्ट्रपति के लिये और उनकी और से निमनलिखित कार्यों के लिये ई-निविदायें आमंत्रित करते है। **निविदा क्र.: 01-2026-SrDENC, कार्य का नाम:** (1) Provision of widening of width of PF-02 at Latur Station. (2) Provision of approach road in railway colonies under ADEN/PVR sub-division., **अनुमानित लागत रु.:** ₹ 75413262.26, **बयाना रक्कम:** ₹ 527100.00, **समापन की अवधि:** 6 महीने, **अनुरक्षण की अवधि:** 12 महीने, **www.ireps.gov.in इस वेबसाईट पर टेंडर अपलोड करणे कि अंतिम दिनांक और समय:** 23.02.2026 को 15.00 बजे तक, **www.ireps.gov.in इस वेबसाईट पर टेंडर खुलने का दिनांक और समय:** 23.02.2026 को 15.30 बजे। निविदाकारों से निवेदन हैं की कोइ बदलाव/शुद्धिपत्र (यदि हो) के लिये वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर टेंडर बंद होने की तारीख तक समय समय पर भेंट दे। EXP-05

टिकट के लिए UTS App डाउनलोड करे

पश्चिम रेलवे - रतलाम मंडल
ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से तथा उनके लिए वरि. कोचिंग डिपो अधिकारी इंदौर पश्चिम रेलवे, रतलाम द्वारा निम्नलिखित कार्य/ कार्यों के लिए खुली ई-निविदा निविदा संख्या: **E-IND-WLI-2026 के विरुद्ध अंतिम तिथि 03/03/2026 15:00 बजे तक (एकल पैकेट सिस्टम)** आमंत्रित की जाती है। बिडर केवल अंतिम तिथि एवं समय तक ही अपनी बिड़ जमा कर सकेंगे। इस निविदा के विरुद्ध मैन्युअल ऑफ़र की अनुमति नहीं है, और प्राप्त ऐसे किसी भी मैन्युअल ऑफ़र को अनदेखा कर दिया जाएगा। यदि किसी कारण-वश निविदा खुलने की नियत दिनांक को अवकाश घोषित किया जाता है तो संबंधित निविदायें अवकाश के अगले कार्य दिवस मे नियत समय पर खोली जायेगी। **कार्य का नाम एवं स्थान:** अंडरस्लंग और ओवरहेड वॉटर टैंक वाले कोचों के लिए जल स्तर संकेतक की व्यवस्था। स्थान: कोचिंग डिपो-इंदौर। **कार्य की अनुमानित लागत:** रु. 2,29,60,000/- (सभी कर, ड्यूटीज एवं जी. एस. टी. सहित)। **बयान राशि:** रु. 2,64,800/-. **समापन अवधि:** एल.ओ.ए जारी होने की तारीख से 12 वर्ष। **कार्यालय का पता जहां निविदा खुलेगी:** कार्यालय - वरि. कोचिंग डिपो अधिकारी इंदौर। **निविदा फार्म जमा करने का अंतिम समय:** 15:00 बजे दिनांक 03.03.2026 तक जमा करने का समय। **वेबसाईट व नोटिस बोर्ड जहां निविदा संबंधी सम्पूर्ण जानकारी प्राप्त की जा सकती है:** निविदायें IREPS वेबसाईट पर देखी जा सकती है साथ ही इस संबंध मे कोई भी जानकारी वरि कोचिंग डिपो अधिकारी इंदौर, कार्यालय (प.रे.) से सभी कार्यालयीन दिवस पर प्राप्त की जा सकती है। SPAN/3/1/447

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे - रतलाम मंडल
ई-निविदा सूचना

वरिष्ठ मंडल विद्युत् इंजीनियर, कर्षण वितरण, रतलाम मंडल, पश्चिम रेलवे भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु IREPS पोर्टल के माध्यम से खुली निविदाएं आमंत्रित करते हैं: **निविदा क्रमांक: EL/TRD/58/2025-26/21, दिनांक 02.02.2026. कार्य का नाम:** TRD Work in connection with BLAX Yard Remodeling with additional loop line under Simhastha 2028. **अनुमानित लागत:** रु. 1,37, 73,083/-. **बयाना राशि:** रु.2,18,900/-. **समापन अवधि:** 18 Months. **निविदा दस्तावेज़ की राशि:** Nil. **ऑनलाइन बिडिंग बंद होने की दिनांक एवं समय:** 27.02.2026 at 15:00 hrs. **ऑफर की वैधता:** 60 days from the date of opening. **वेबसाइट: www.ireps.gov.in. नोटिस बोर्ड:** वरिष्ठ मंडल विद्युत् इंजीनियर, कर्षण वितरण, रतलाम मंडल, पश्चिम रेलवे के कार्यालय के प्रवेश द्वार के सामने। SPAN/13/1/441

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग
कस्तूरबा अस्पताल
साने गुरुजी मार्ग, मुंबई - 400011
क्रमांक : HO/8997/KH दिनांक 05 फ़रवरी 2026

ई-निविदा सूचना

नीचे उल्लिखित कार्य के लिए ऑनलाइन निविदा, बृहन्मुंबई महानगरपालिका के आयुक्त की ओर से एवं उनके लिए, कस्तूरबा अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक द्वारा आमंत्रित की जाती है।

क्रमांक	बोली क्रमांक	कार्य का नाम	मात्रा
1	2026_MCGM_1274414_1	कस्तूरबा अस्पताल में चिमनी की मरम्मत, स्क्रबिंग एवं पेंटिंग का कार्य	**बिल ऑफ क्वांटिटी के अनुसार**

बोली प्रारंभ : 06.02.2026 को 10:00 बजे
बोली समाप्त : 12.02.2026 को 16:00 बजे
संपर्क अधिकारी : डॉ. शिवनंदा आर. लवांड
पद : चिकित्सा अधीक्षक - कस्तूरबा अस्पताल
दूरभाष क्रमांक : 022-23027769
ई-मेल : ms01kastuRa.phd@mcgm.gov.in

निविदाएँ निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार केवल ऑनलाइन ही प्रस्तुत की जानी चाहिए। संपूर्ण ई-निविदा दस्तावेज महा-टेंडर पोर्टल https://mahatenders.gov.in/ पर उपलब्ध हैं।

चिकित्सा अधीक्षक
कस्तूरबा अस्पताल

पीआरओ/2902/विज्ञा./2025-26

भोजन से पूर्व एवं शौच के बाद साबुन से हाथ स्वच्छ धोएं।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

विभाग : हाइड्रोलिक इंजीनियर विभाग
क्रमांक : E.E.(M)/8136/M.W. दिनांक 03/02/26

ई-निविदा सूचना

बृहन्मुंबई महानगरपालिका के आयुक्त द्वारा योग्य निविदादाताओं से निम्नलिखित कार्यों के लिए ऑनलाइन निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं। बोली प्रारंभ होने की तिथि व समय तथा बोली समाप्त होने की तिथि व समय का विवरण बी.एम.सी. की वेबसाइट के टेंडर सेक्शन (महा-टेंडर पोर्टल) पर उपलब्ध विस्तृत निविदा सूचना में दिया गया है।

क्रमांक	बोली क्रमांक	कार्य का नाम
1	2025 _MCGM _1274106_1	आजाद मैदान जलाशय एवं पंपिंग स्टेशन, AE(M) WW-City-II अनुभाग के अंतर्गत विभिन्न सुरक्षा व्यवस्थाओं की आपूर्ति एवं स्थापना का कार्य। (निविदा जारी एवं विक्रय की तिथि : 06.02.2026)

निविदा में भाग लेने के इच्छुक निविदादाताओं से अनुरोध है कि निविदा से संबंधित अधिक जानकारी के लिए बीएमसी की वेबसाइट http://portal.mcgm.gov.in तथा महा-टेंडर पोर्टल की वेबसाइट http://mahatenders.gov.in पर जाएँ।

हस्ताक्षरित/-
कार्यकारी अभियंता (रखरखाव) एम.डब्ल्यू.

पीआरओ/2885/विज्ञा./2025-26

भोजन से पूर्व एवं शौच के बाद साबुन से हाथ स्वच्छ धोएं।

श्रीकृष्णार्पित गीतायन - अध्याय 9

राजविद्या योग

माघ मेला, प्रयागराज स्थित कृष्णार्पित पंडाल में नौवें दिवस की कथा

इं. देवेंद्र शुक्ला 'कृष्णार्पित' माघ की पुण्यधरा पर, प्रयागराज के संगम तट के समीप, 'कृष्णार्पित' पंडाल में दीपों की मंद आभा झिलमिला रही थी।
श्रोताओं के नेत्र स्थिर थे, मन शांत– और मध्य में बैठे थे इं. देवेंद्र नाथ शुक्ला 'कृष्णार्पित', जिनका समूचा व्यक्तित्व आज स्वयं अर्पण बन चुका था। उन्होंने करुण दृष्टि से श्रोताओं को देखा और मधुर स्वर में बोले– 'आज श्रीकृष्ण स्वयं 'राजविद्या' का द्वार खोलते हैं।
यह ज्ञान शास्त्र नहीं, अनुभूति है। यह वाणी नहीं, साक्षात्कार है।'
राजविद्या का रहस्य
देवेंद्र जी कहते हैं–
हे साधको,
भगवान श्रीकृष्ण अर्जुन से कहते हैं–
मैं वह ज्ञान बताने जा रहा हूँ जो विद्याओं का राजा है, जो गोपनीयों में भी गोपनीय है, और जो श्रद्धा रखने वाले को अशुभ से मुक्त कर देता है। यह ज्ञान न तर्क से मिलता है, न वाद से– यह मिलता है अनुसूया के अभाव से।
जिसके भीतर डाह नहीं,

जिसकी दृष्टि दोषरहित है,
वही इस ज्ञान का अधिकारी है।
सर्वव्याप्त कृष्ण तत्व
'कृष्णार्पित' आगे कहते हैं–
'हे अर्जुन!
यह जगत मुझसे व्याप्त है, पर मैं इस जगत में बंधा नहीं।'
जैसे वायु आकाश में रहती है
पर आकाश वायु में सीमित नहीं–
वैसे ही समस्त जीव भगवान में स्थित हैं,
पर भगवान किसी में सीमित नहीं।
यही राजविद्या योग है–
जहाँ ईश्वर सबमें होकर भी निर्लिप्त है।
श्रद्धा और भक्ति का मार्ग
देवेंद्र शुक्ल जी श्रोताओं से कहते हैं–
श्रद्धा के बिना
यह ज्ञान फल नहीं देता।
जो धर्म में श्रद्धा नहीं रखते,
वे बार-बार जन्म और मृत्यु के मार्ग पर लौटते हैं। पर जो व्यक्ति कृष्ण तत्व को पहचान लेता है, जो प्रभु के जन्म और कर्म को दिव्य जान लेता है– वह महात्मा कहलाता है।
ऐसे भक्त– नित्य कीर्तन करते हैं
दृढ़ व्रत में स्थित रहते हैं अहंकार से रहित होते हैं
और हर कर्म को कृष्णार्पण बना देते हैं
'कृष्णार्पित' जीवन की परिभाषा देवेंद्र शुक्ल जी भावविभोर होकर कहते हैं–
'जब मन, बुद्धि और कर्म–
तीनों प्रभु को अर्पित हो जाएँ,
तब जीवन स्वयं
राजविद्या का ग्रंथ बन जाता है।'
जो व्यक्ति कह सके–
कर्म मैं करूँ, फल प्रभु का हो
जीवन मेरा हो, दिशा प्रभु की हो
और अहंकार शून्य हो
वही सच्चे अर्थों में
'श्रीकृष्णार्पित' है।
जीवन का अंतिम सत्य
अंत में देवेंद्र शुक्ल 'कृष्णार्पित' कहते हैं–
मैं ही पिता हूँ,
मैं ही माता हूँ,
मैं ही धाता और पितामह हूँ।
मैं ही अमृत हूँ
और मैं ही मृत्यु हूँ।
सत भी मैं हूँ,
असत भी मैं हूँ।
जो मुझे जान लेता है–
वह भय से मुक्त हो जाता है।
उपसंहार
दीपों की लौ स्थिर थी,
संगम की लहरें मौन थीं,
और श्रोताओं के हृदय में
केवल एक ही स्वर गूंज रहा था–
'मानव जीवन का लक्ष्य
केवल यही है– पूर्ण रूप से
'श्रीकृष्णार्पित' हो जाना।'

राजिम कुंभ कल्प में त्रिकालदर्शी श्री पंडोखर सरकार का दिव्य दरबार 12, 13 व 14 फरवरी 2026 को होगा आयोजन

रायपुर। त्रिकालदर्शी संत श्री पंडोखर सरकार जी का दिव्य दरबार, जो पूर्व में 9, 10 एवं 11 फरवरी 2026 को प्रस्तावित था, अपरिहार्य कारणों से स्थगित कर दिया गया था। अब यह दिव्य दरबार राजिम कुंभ कल्प के पावन अवसर पर दिनांक 12, 13 एवं 14 फरवरी 2026 को आयोजित किया जाएगा।

श्री पंडोखर सरकार जी ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में आयोजित होने वाले संत समागम में दरबार आयोजन हेतु अपनी स्वीकृति प्रदान की है। यह स्वीकृति पत्र उन्होंने अपने प्रतिनिधि श्री राजीव अवस्थी के माध्यम से भेजा है।
राजिम कुंभ कल्प में प्रस्तावित दिव्य दरबार की तैयारियों को लेकर आज श्री पंडोखर सरकार जी के शिष्य मंडल के सदस्य राजीव अवस्थी, फिजी ग्वालरे, टेकराम साहू एवं राकेश अग्रवाल ने आयोजन स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने दरबार के लिए प्रस्तावित पंडाल, श्रद्धालुओं की व्यवस्था, सुरक्षा एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं को लेकर मौके पर उपस्थित प्रशासनिक अधिकारियों से विस्तृत चर्चा की।
आयोजन समिति के अनुसार, राजिम कुंभ कल्प में संत समागम के अंतर्गत होने वाला यह दिव्य दरबार श्रद्धालुओं के लिए आध्यात्मिक ऊर्जा और आस्था का विशेष केंद्र रहेगा, जिसमें बड़ी संख्या में भक्तों के शामिल होने की संभावना है।

एलआईसी का शुद्ध लाभ तीसरी तिमाही में 17 प्रतिशत बढ़कर 12, 958 करोड़ रुपए पर

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। सार्वजनिक क्षेत्र की जीवन बीमा कंपनी एलआईसी का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में 17 प्रतिशत बढ़कर 12, 958 करोड़ रुपए रहा। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने पिछले वित्त वर्ष 2024-25 की इसी तिमाही में 11, 056 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ कमाया था।

एलआईसी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि इस तिमाही के दौरान, बीमा कंपनी की शुद्ध प्रीमियम आय बढ़कर 1, 25, 613 करोड़ रुपए हो गई जो एक साल पहले 2024-25 की इसी तिमाही में 1, 06, 891 करोड़ रुपए थी। कुल आय भी दिसंबर तिमाही में बढ़कर 2, 33, 984 करोड़ रुपए हो गई, जो एक साल पहले इसी तिमाही में 2, 01, 994 करोड़ रुपए थी। एलआईसी का नए कारोबार से प्रीमियम चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में 10, 605 करोड़ रुपए रहा जो एक साल पहले इसी तिमाही में 7, 285 करोड़ रुपए था।

बिल गेट्स पर दोहरी मार! एपस्टीन केस में घिरे, पूर्व पत्नी मेलिंडा ने भी खोले पुराने राज।

न्यूयॉर्क **(एजेंसी)**। जेफ्री एपस्टीन से उनकी मुलाकातों को लेकर एक बार फिर चर्चा तेज़ हो गई है। माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स को एपस्टीन से मुलाकातों पर सफाई देना पड़ रहा है। गेट्स ने सार्वजनिक रूप से कहा है कि एपस्टीन को जानना उनकी ज़िंदगी की बड़ी भूलों में से एक थी।
बता दें कि ऑस्ट्रेलिया के 9न्यूज़ से बातचीत में बिल गेट्स ने साफ शब्दों में कहा कि उन्हें एपस्टीन के साथ बिताए हर पल का पछतावा है। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि उस समय एपस्टीन से मिलना एक गंभीर गलती थी, जिसके लिए वे माफी मांगते हैं। गेट्स ने उन दावों को सिरे से खारिज किया, जिनमें उन्हें किसी तरह के गलत आचरण से जोड़ा जा रहा है।
मौजूद जानकारी के अनुसार, हाल ही में सामने आए एपस्टीन से जुड़े कुछ दस्तावेजों में यह आरोप लगाया गया कि बिल गेट्स ने अपनी पत्नी से यौन रोग से

जुड़ी जानकारी छिपाई थी। इस पर गेट्स और उनके कार्यालय दोनों ने इन आरोपों को पूरी तरह झूठा बताया है। गेट्स ने यह भी कहा कि जिस ई-मेल का हवाला दिया जा रहा है, वह एपस्टीन द्वारा लिखा गया था, जिसे कभी भेजा ही नहीं गया और उसकी सामग्री तथ्यहीन है। गेट्स के मुताबिक, उनकी मुलाकात एपस्टीन से वर्ष 2011 में हुई थी और कुछ डिनर मीटिंग्स के दौरान वैश्विक स्वास्थ्य परियोजनाओं के लिए फंडिंग जैसे विषयों पर बातचीत हुई थी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वे कभी एपस्टीन के निजी द्वीप पर नहीं गए और न ही उनका उससे जुड़ा कोई यौन संबंध रहा है। गेट्स ने माना कि बाद में उन्हें समझ आया कि एपस्टीन से जुड़ाव पूरी तरह निरर्थक और गलत दिशा में गया फैसला था। गौरतलब है कि इस पूरे मामले पर बिल गेट्स की पूर्व पत्नी मेलिंडा फ्रेंच गेट्स ने भी हाल ही में प्रतिक्रिया दी है। एनपीआर को दिए इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि एपस्टीन से जुड़े सवालों ने उनकी शादी के दर्दनाक दौर की यादें ताज़ा कर दीं। उन्होंने साफ कहा कि इन सवालों के जवाब उनसे नहीं बल्कि उन लोगों से मांगे जाने चाहिए, जो सीधे तौर पर इस रिश्ते से जुड़े थे। मेलिंडा फ्रेंच गेट्स ने यह भी कहा कि अब वह उस 'गंदगी' से बाहर निकल चुकी हैं, जिसे उन्हें अपनी शादी के दौरान पीछे छोड़ना पड़ा। गौरतलब है कि बिल और मेलिंडा का 27 साल का वैवाहिक जीवन 2021 में तलाक के साथ समाप्त हो गया था।

विपक्ष की लोकसभा में सत्तापक्ष के सदस्यों पर हमले की योजना थी : गिरिराज सिंह

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने आरोप लगाया है कि विपक्षी सांसदों की बुधवार को लोकसभा में सत्ता पक्ष के सदस्यों पर हमले की योजना थी। लोकसभा में बुधवार को विपक्ष की कुछ महिला सांसदों को सत्तापक्ष की सीटों की तरफ आते हुए देखा गया। यह घटनाक्रम उस वक्त हुआ, जब कई बार के स्थगन के बाद शाम पांच बजे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा का जवाब देना था।
विपक्षी सदस्यों के हंगामे के समय प्रधानमंत्री सदन में नहीं थे और भाजपा सांसद पी पी चौधरी धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा में भाग लेते हुए अपनी बात रख रहे थे। गिरिराज सिंह ने बृहस्पतिवार को संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, ''ठीक पांच बजे, वे (विपक्ष) आ गए। पहली बार ऐसा देखा गया कि विपक्ष के सदस्य सत्तापक्ष की सीटों के आगे खड़े हैं। इसलिए यह निश्चित रूप से हमले की योजना थी, और कुछ नहीं।'' वरिष्ठ भाजपा नेता ने विपक्ष पर चार दिन से लोकसभा में कामकाज नहीं होने देने का आरोप लगाते हुए कहा, ''उन्होंने पहले ही यह योजना बना ली थी।''

अमेरिका से परमाणु संधि टूटते ही रूस का प्रहार- 'अब हम स्वतंत्र, सैन्य कार्रवाई को तैयार हैं'

मॉस्को **(एजेंसी)**। रूस और अमेरिका के बीच अंतिम परमाणु हथियार नियंत्रण समझौता, न्यू स्टार्ट, आज समाप्त हो गया। रूसी विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट रूप से कहा है कि अब दोनों पक्ष इस संधि के किसी भी नियम या दायित्व को मानने के लिए बाध्य नहीं हैं। रूस का सख्त संदेशः मंत्रालय ने बुधवार को एक बयान जारी कर कहा कि रूस ने परमाणु हथियारों की सीमा को स्वैच्छिक रूप से आगे बढ़ाने का प्रस्ताव दिया था, लेकिन अमेरिका की ओर से कोई औपचारिक जवाब नहीं मिला। रूस ने कहा, 'अब दोनों पक्ष अपने अगले कदम चुनने के लिए पूरी तरह स्वतंत्र हैं।' रूस ने चेतावनी दी है कि वह अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा के खतरों से निपटने के लिए निर्णायक 'सैन्य-तकनीकी' कदम उठाने के लिए तैयार है।
2010 में हस्ताक्षरित यह संधि 2011 में लागू हुई थी, जिसका उद्देश्य परमाणु वारहेड्स की संख्या को सीमित करना था। 2021 में इसे 5 साल के लिए बढ़ाया गया था, जिसकी मियाद आज यानी 5 फरवरी, 2026 को पूरी

हो गई।हालांकि पुतिन ने पहले संकेत दिया था कि यदि अमेरिका संतुलन नहीं बिगाड़ता है, तो वे एक साल तक सीमा का पालन कर सकते हैं, लेकिन वॉशिंगटन की बेरुखी ने अब अनिश्चितता पैदा कर दी है।
बता दें कि अमेरिका और रूस के बीच आखिरी बची परमाणु हथियार नियंत्रण संधि न्यू स्टार्ट गुरुवार को समाप्त हो गई। इसके साथ ही दुनिया की दो सबसे बड़ी परमाणु शक्तियों के बीच हथियारों पर लगी सीमा हट गई है, जिससे नई परमाणु हथियार दौड़ का खतरा बढ़ गया है। न्यू स्टार्ट संधि 2010 में तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा और रूस के डिमिट्री मेदवेदेव के बीच हुई थी। यह संधि हर पक्ष को 1, 550 परमाणु वारहेड्स और 700 मिसाइल तथा बमवर्षक तक सीमित करती थी। यह संधि 2021 में समाप्त होने वाली थी, लेकिन इसे पांच साल के लिए बढ़ाया गया था।
संधि में ऑन-साइट निरीक्षण की व्यवस्था भी थी, लेकिन कोविड-19 के कारण 2020 में ये निरीक्षण रुक गए और फिर कभी बहाल नहीं हुए। फरवरी 2023 में रूस नेअपनी भागीदारी निलंबित कर दी थी। रूस का कहना था कि उस समय अमेरिका और नाटो के नेताओं ने खुले तौर पर रूस की हार को लक्ष्य बताया था, इसलिए वह अमेरिकी निरीक्षण की अनुमति नहीं दे सकता। फिर भी रूस ने संधि से पूरी तरह वापसी नहीं की और हथियारों की सीमा का सम्मान करने का वादा किया।

'स्पीकर के पीछे छिप रहे हैं पीएम मोदी': ओम बिरला के दावे पर भड़कीं प्रियंका, कहा- हमले की योजना की बात झूठ

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने गुरुवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के पीछे 'छिप रहे हैं। उन्होंने पीएम मोदी को नुकसान पहुंचाने की किसी भी योजना के दावे को 'पूरी तरह झूठ' बताया। उनकी यह टिप्पणी बिरला के लोकसभा में दिए गए बयान के बाद आई, जिसमें उन्होंने कहा था कि पक्की जानकारी मिलने के बाद उन्होंने मोदी से सदन में भाषण देने के लिए न आने को कहा था, क्योंकि कई कांग्रेस सांसद प्रधानमंत्री की सीट के पास पहुंचकर कोई 'अप्रत्याशित हरकत' कर सकते थे।
'सरकार स्पीकर से यह सब कहलवा रही है'
गुरुवार को विपक्षी सदस्यों पर नाराजगी जताते हुए स्पीकर ने यह भी कहा कि बुधवार को उनके कार्यालय में कुछ सांसदों का व्यवहार अनुचित था और इसे उन्होंने उस घटना को एक काले धब्बे जैसा बताया। इन आरोपों पर पलटवार करते हुए प्रियंका गांधी ने कहा कि सरकार स्पीकर से यह सब कहलवा रही है, क्योंकि बुधवार को प्रधानमंत्री में सदन में आने की हिम्मत नहीं थी। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा, यह सरासर झूठ है। प्रधानमंत्री को नुकसान पहुंचाने या ऐसी किसी भी बात का सवाल ही नहीं उठता। ऐसी कोई योजना थी ही नहीं। उन्होंने आगे कहा कि यदि सत्तापक्ष अपने सदस्यों को मनमानी करने, किताबें कोट करने और अनर्गल बातें कहने की छूट देगा, तो विपक्ष विरोध करेगा।
सरकार से पूछे तीखे सवाल
प्रियंका गांधी ने तीखे अंदाज में कहा, लेकिन अगर आप अपने सदस्यों को किताबें कोट करने, बकवास करने देंगे, तो विपक्ष विरोध करेगा। मुझे माफ करें, प्रधानमंत्री स्पीकर के पीछे छिप रहे हैं। वे स्पीकर से यह सब कहलवा रहे हैं क्योंकि कल उनमें सदन में आने की हिम्मत नहीं थी। सिर्फ इसलिए कि तीन महिलाएं उनकी बेंच के सामने खड़ी थीं...यह क्या बकवास है?

ताइवान के चारों ओर चीन की सैन्य घेराबंदी तेज

एडीआईजेड में पीएलए के 12 चीनी विमान व 7 युद्धपोतों की घुसपैठ

बीजिंग **(एजेंसी)**। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि चीन की सेना ने एक बार फिर ताइवान के आसपास अपनी सैन्य गतिविधियां तेज कर दी हैं। मंत्रालय के अनुसार, सुबह 6 बजे तक चीन के 12 सैन्य विमान और 7 नौसैनिक जहाज ताइवान के आसपास देखे गए। इन 12 विमानों में से 11 विमानों ने ताइवान और चीन के बीच की 'मीडियन लाइन' पार की और ताइवान के उत्तरी व दक्षिण-पश्चिमी वायु रक्षा पहचान क्षेत्र (एडीआईजेड) में प्रवेश किया। ताइवान की सेना ने स्थिति पर नजर रखते हुए आवश्यक जवाबी कदम उठाए।
इससे पहले भी बुधवार को ताइवान ने 13 चीनी सैन्य विमानों और 6 युद्धपोतों की मौजूदगी दर्ज की थी, जिनमें से 11 विमानों ने एडीआईजेड में प्रवेश किया था। ताइवान का कहना है कि ऐसी

गतिविधियां क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लिए खतरा हैं। इस बीच, अमेरिका में क्रिटिकल मिनरल्स को लेकर कई देशों की बैठक चल रही थी, जिसे चीन के बढ़ते प्रभाव को रोकने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है। इसी दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से फोन पर बातचीत की। ट्रंप ने बताया कि बातचीत में व्यापार, सैन्य मुद्दे, ताइवान, रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया और ऊर्जा जैसे कई विषयों पर चर्चा हुई। उन्होंने अप्रैल में चीन यात्रा की पुष्टि करते हुए कहा कि अमेरिका-चीन रिश्ते सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

रूस का ट्रंप को करारा जवाब

'भारत दबाव में झुकता नहीं, वो खुद तय करेगा किससे खरीदना तेल'

मॉस्को **(एजेंसी)**। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत-रूस तेल व्यापार को लेकर किए गए दावों पर रूस ने अपनी चुप्पी तोड़ी है। क्रेमलिन ने साफ शब्दों में कहा है कि भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए तेल आपूर्तिकर्ताओं को चुनने के लिए पूरी तरह स्वतंत्र है। रूस का आधिकारिक पक्ष रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया ज़ाखारोवा और क्रेमलिन प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने स्पष्ट किया। रूस को भारत की ओर से तेल खरीद कम करने या बंद करने की कोई आधिकारिक सूचना नहीं मिली है।
रूस ने कहा कि वह कभी भी भारत का एकमात्र सप्लायर नहीं रहा है। भारत हमेशा से विभिन्न देशों से तेल खरीदता रहा है, जो एक सामान्य व्यापारिक प्रक्रिया है। रूस का मानना है कि भारत-रूस ऊर्जा साझेदारी अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार में कीमतों को स्थिर रखने में मदद करती है। हाल ही में डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर दावा किया था कि भारत अब रूस से तेल खरीदना बंद कर देगा और वेनेजुएला या अमेरिका जैसे विकल्पों पर विचार करेगा।
हालांकि, भारत सरकार ने अभी तक इस पर कोई आधिकारिक मुहर नहीं लगाई है। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और विदेश मंत्री एस. जयशंकर के बयानों से स्पष्ट है कि 1.4 अरब भारतीयों का हित भारत के लिए ऊर्जा सुरक्षा सबसे ऊपर है। भारत किसी भी दबाव में आए बिना वहां से तेल खरीदेगा जहां उसे सही दाम और शर्तें मिलेंगी। विदेश मंत्री जयशंकर फिलहाल अमेरिका में हैं और मार्को रुबियो के साथ वैश्विक मुद्दों पर चर्चा कर रहे हैं, लेकिन तेल खरीद पर भारत ने अपनी पुरानी नीति कायम रहेगी।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.phpid=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharatt=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित । कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/ इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)